वर्ष 69 अंक 135 पृष्ठ 12
भोपाल, गुरुवार 12 फरवरी, 2026
फाल्गुन कृष्ण पक्ष 11, विक्रम संवत् 2082
महानगर मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

सत्य को हजार तरीके से बताया जा सकता है फिर भी सत्य एक ही होगा।
-स्वामी विवेकानंद

ऑफ बीट

बिना सांस लिए भी जिंदा रह सकता है इंसान

अमेरिका के बोस्टन चिल्ड्रेन्स हॉस्पिटल के वैज्ञानिकों ने एक ऐसी तकनीक विकसित की है, जिसमें इंजेक्शन से सीधे खून में ऑक्सीजन पहुंचाई जाती है। यह तकनीक फेफड़ों के पूरी तरह फेल हो जाने पर 15 से 30 मिनट तक ऑक्सीजन सप्लाई कर सकती है। यह कोई साइंस फिक्शन नहीं, बल्कि असली रिसर्च है, जो इमरजेंसी मेडिकल साइंस को बदल सकती है। हालांकि, यह स्थाई रूप से सांस के बिना जीने का तरीका नहीं है। यह एक स्पेशल लिक्विड फोम या माइक्रोबबल्स है, जिसमें लाखों छोटे-छोटे बुलबुले होते हैं। ये बुलबुले शुद्ध ऑक्सीजन से भरे होते हैं। बाहर से फैट जैसी लेयर (लिपिड) से लिपटे होते हैं, जो शरीर की कोशिकाओं जैसी होती है। इंजेक्शन से जब इसे खून में डाला जाता है, तो ये माइक्रोबबल्स खून की नसों में घूमते हैं। धीरे-धीरे ऑक्सीजन छोड़ते हैं, इससे शरीर की कोशिकाओं को सीधे ऑक्सीजन मिलती है, बिना फेफड़ों के। पुरानी तकनीक में माइक्रोपार्टिकल्स थे, जबकि नई में तेजी से घुलने वाले माइक्रोबबल्स हैं, जो सुरक्षित हैं।

रोक के बावजूद केरवा के कैचमेंट में बन रही कॉलोनियां

50 एकड़ के कैचमेंट एरिया में 7 फीट ऊंची बाउंड्रीवॉल, फुल टैंक लेवल तक हो रहे निर्माण, डैम में जा रहा सीवेज

कपिल तुलसानी, भोपाल

केरवा के कैचमेंट एरिया में मुरम व कोपरा डालकर विकसित की जा रही कॉलोनी पर भले ही एनजीटी ने रोक लगा दी हो, लेकिन केरवा के कैचमेंट, ग्रीन बेल्ट एरिया और फुल टैंक लेवल के अंदर नियमों को ताक पर रखकर कई कॉलोनियां विकसित की जा रही हैं। इनमें से कुछ कॉलोनियों का निर्माण ऐसी जगह हो रहा है, जहां निर्माण के लिए केवल 6 प्रतिशत एफएआर की ही अनुमति है, जबकि कुछ निर्माण केरवा की सहायक नदियों के किनारे विकसित कर लिए गए हैं।

इस पूरे इलाके में लग्जरी विला और अपार्टमेंट बनाने का काम चल रहा है। जबकि केरवा के कैचमेंट एरिया से थोड़ी ही दूरी पर केरवा की सहायक नदी के किनारे एक निजी होटल-रिजॉर्ट विकसित कर लिया गया है। इसी रिजॉर्ट से कुछ पहले एक कॉलोनी विकसित करने की भी तैयारी कर ली गई है। इस कॉलोनी का बैक एरिया केरवा डैम के जलभराव क्षेत्र के बिल्कुल नजदीक है। रिजॉर्ट से केरवा डैम की ओर आगे बढ़ने पर पीजेपी एस्टेट के नाम से बड़ी कॉलोनी बसाई जा रही है। लगभग 50 एकड़ से ज्यादा क्षेत्रफल में बसाई जा रही इस कॉलोनी के लिए चारों ओर 7 से 8 फीट ऊंची बाउंड्रीवॉल खड़ी कर दी गई है। बारिश के दौरान इस बाउंड्रीवॉल के कारण पानी सीधे डैम के जलभराव क्षेत्र में नहीं पहुंच सकेगा। नतीजतन पानी की सप्लाई रुकेगी। वहीं बसाहट के बाद इस कॉलोनी का सीवेज और कचरा भी केरवा के पानी में मिलने का खतरा बना रहेगा।

इस कॉलोनी के कुछ आगे ग्रामीण क्षेत्र का गंदा पानी और सीवेज सीधे केरवा के कैचमेंट में मिल रहे हैं। डैम का पानी उतरने के बाद लोग सीधे ही डैम के अंदर खेती कर रहे हैं और अपने पशु बांध रहे हैं। इसके कारण बारिश के दौरान इस इलाके में पानी के भरते ही केमिकल और रसायन पानी में मिलने का खतरा रहेगा। बता दें कि भोपाल के केरवा डैम से कोलार इलाके की 3 लाख से ज्यादा आबादी को पानी की सप्लाई की जाती है, लेकिन यदि केरवा के आसपास लगातार कॉलोनियां विकसित होती रहीं और डैम की जद में उतरकर निर्माण कार्य और खेती होती रही तो भविष्य में डैम का पानी प्रदूषित होना शुरू हो जाएगा।

बरसाती नदी के ऊपर बना दी अवैध पुलिया

बरखेड़ी बाजयाफ्त के आगे समसगढ़ में भी बड़े पैमाने पर निर्माण हो रहे हैं। समसगढ़ के पास से गुजर रही फोरलेन रोड तक निर्माणाधीन कॉलोनी को जोड़ने बरसाती नदी के ऊपर से चौड़ी पुलिया का निर्माण कर खेतों के बीच से रास्ता निकाल दिया गया है। इसे सड़क से जोड़ दिया गया है, जबकि कॉलोनी का मुख्य मार्ग अन्य पुल से घूमकर जाने के बाद निकलता है।

“वर्तमान में बड़े तालाब का सीमांकन जारी है। एसआईआर पूर्ण होने के बाद अन्य जलाशयों का भी सीमांकन कराकर निजी भूमि की हद तय की जाएगी। साथ ही अतिक्रमण हटाए जाएंगे।
● **कौशलेंद्र विक्रम सिंह**, कलेक्टर भोपाल

भोपाल के मास्टर प्लान के साथ जल संसाधन विभाग और पर्यावरण के नियमों को भी खुलेआम तोड़ा जा रहा है। इससे पर्यावरण को नुकसान तो होगा ही भोपाल के हजारों लोगों का स्वास्थ्य पानी के प्रदूषित होने के कारण खराब होगा।
● **राशिद नूर खान**, पर्यावरण कार्यकर्ता

1000 वर्गफीट के प्लॉट में 600 पर हो सकता है निर्माण

किसी भी जलाशय के कैचमेंट एरिया या ग्रीन बेल्ट के पास निजी जमीन होने पर भी निर्माण को लेकर सख्त नियम जारी किए जाते हैं। यदि यह जमीन जंगल के पास हो तो रेसिडेंशियल या कमर्शियल निर्माण की अनुमति ही नहीं मिलती है, लेकिन ग्राम बरखेड़ी बाजयाफ्त में केरवा डैम के कैचमेंट एरिया में धड़ल्ले से कॉलोनियां काटी जा रही हैं और होटल रिजॉर्ट का निर्माण हो रहा है। नियमानुसार इन इलाकों में केवल बॉटनिकल गार्डन, पॉली हाउस या खेती ही हो सकती है, जिसमें केवल 6 फीसदी एफएआर की अनुमति मिलती है। यानी यदि 10 हजार वर्गफीट का प्लॉट है, तो केवल 600 वर्गफीट पर ही निर्माण किया जा सकता है। वहीं एक एकड़ के भूखंड में केवल 2500 वर्गफीट के निर्माण की अनुमति होती है, लेकिन यहां धड़ल्ले से 10 हजार से 15 हजार वर्गफीट की प्लॉटिंग कर आलिशान विला तैयार करने की तैयारी है। ऐसे में इन विला के बनने के बाद कॉलोनी के अंदर सीसी रोड, ड्रेनेज व सीवेज लाइन भी बिछाई जाएगी, जिसके कारण केरवा के प्रदूषित होने का खतरा रहेगा।

अब जन गण मन से पहले गाया जाएगा राष्ट्रगीत वंदे मातरम

गृह मंत्रालय ने जारी किए नए दिशा-निर्देश, सभी 6 पैरा गाना अनिवार्य

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्र सरकार ने राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' को लेकर नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। गृह मंत्रालय ने आदेश में कहा है कि अब सरकारी कार्यक्रमों, स्कूलों या अन्य औपचारिक आयोजनों में 'वंदे मातरम' बजाया जाएगा। इस दौरान हर व्यक्ति का खड़ा होना अनिवार्य होगा। यह आदेश 28 जनवरी को जारी हुआ, लेकिन मीडिया में इसकी जानकारी 11 फरवरी को आई। आदेश में साफ लिखा है कि अगर राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' और राष्ट्रगान 'जन गण मन' साथ में गाए या बजाए जाएं, तो पहले वंदे मातरम गाया जाएगा। इस दौरान गाने या सुनने वालों को सावधान मुद्रा में खड़ा रहना होगा। आदेश के मुताबिक सभी स्कूलों में दिन की शुरुआत राष्ट्रगीत बजाने के बाद ही होगी। नए नियमों के अनुसार, राष्ट्रगीत के सभी 6 अंतरे गाए जाएंगे, जिनकी कुल अवधि 3 मिनट 10 सेकेंड है। अब तक मूल गीत के पहले दो अंतरे ही गाए जाते थे। हालांकि, आदेश में यह भी कहा गया है किन-किन मौकों पर राष्ट्रगीत गाया जा सकता है, इसकी पूरी लिस्ट देना संभव नहीं है।

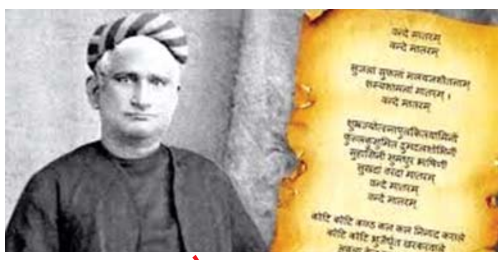

ये हुए बदलाव

- राष्ट्रपति के आगमन, झंडारोहण जैसे कार्यक्रमों में गाया जाएगा।
- मंत्रियों या अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों की मौजूदगी वाले गैर-औपचारिक लेकिन जरूरी कार्यक्रमों में भी राष्ट्रगीत सामूहिक रूप से गाया जा सकता है, बशर्ते इसे पूरा सम्मान और शिष्टाचार के साथ पेश किया जाए।
- सिविलियन पुरस्कार समारोहों, जैसे पद्म पुरस्कार समारोह या ऐसे किसी भी कार्यक्रम में जहां राष्ट्रपति उपस्थित हों, वहां भी वन्दे मातरम बजाया जाएगा।

सिनेमा हॉल में लागू नहीं होंगे नए नियम

सिनेमा हॉल को नए नियमों से दूर रखा गया है। यानी सिनेमाघरों में फिल्म शुरू होने से पहले 'वंदे मातरम' बजाना और खड़ा रहना अनिवार्य नहीं होगा। वहीं अगर किसी न्यूजरील या डॉक्यूमेंट्री फिल्म के हिस्से के रूप में राष्ट्रगीत बजाया जाता है, तो दर्शकों के लिए खड़ा होना जरूरी नहीं होगा। मंत्रालय ने कहा कि ऐसी स्थिति में खड़े होने से प्रदर्शन में व्यवधान और अव्यवस्था हो सकती है।

1875 में बंकिम चंद्र ने लिखा था गीत

राष्ट्रगीत वंदे मातरम को बंकिमचंद्र चटर्जी ने 7 नवंबर 1875 को अक्षय नवमी पर लिखा था। यह 1882 में पहली बार उनकी पत्रिका बंगदर्शन में उनके उपन्यास आनंदमठ के हिस्से के रूप में छपा था। 1896 में कांग्रेस के अधिवेशन में रवींद्रनाथ टैगोर ने मंच पर वंदे मातरम गाया। यह पहला मौका था जब यह गीत सार्वजनिक रूप से राष्ट्रय स्तर पर गाया गया। सभा में मौजूद हजारों लोगों की आंखें नम हो गई थीं। 'वंदे मातरम' एक संस्कृत वाक्यांश है, जिसका मतलब है- हे मां, मैं तुम्हें नमन करता हूं। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान 'वंदे मातरम' भारत को औपनिवेशिक शासन से मुक्त कराने के लिए संघर्ष कर रहे स्वतंत्रता सेनानियों का नारा बन गया था।

उज्जैन में महाकाल वन मेले का सीएम ने किया शुभारंभ

वन मेलों से आर्थिक रूप से मजबूत होगा जनजातीय समुदाय: मुख्यमंत्री

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार वन हमारी राष्ट्रीय पूंजी हैं। इनका संरक्षण एवं संवर्धन करना हम सबकी जिम्मेदारी है। वन हमारी वसुंधरा का वैभव हैं, धरती की धरोहर और धरा का अलंकरण हैं। उन्होंने कहा, वन मेले के जरिए जनजातीय समुदाय की समृद्धि का मार्ग खुल रहा है। सीएम डॉ. यादव बुधवार ने बुधवार को उज्जैन में महाकाल वन मेले के शुभारंभ पर यह बातें कही। उन्होंने कहा, वन मेले प्रदेश की समृद्ध जैविक और वानस्पतिक विविधताओं को प्रदर्शित करने का सशक्त माध्यम हैं।

मेले में प्रदर्शित काष्ठ और बांस से निर्मित एथनिक क्रॉफ्ट आइटम्स न सिर्फ पारंपरिक शिल्पकला का उत्कृष्ट उदाहरण हैं, बल्कि सबके घरों की शोभा भी बढ़ाते हैं। स्थानीय वन उत्पादों और शिल्पकारों को बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। पर्यावरण जागरूकता, आयुर्वेदिक उत्पादों के प्रचार-प्रसार और आत्मनिर्भरता की दिशा में यह एक सार्थक कदम है। सीएम ने कहा,मेले में प्रदर्शित जड़ी-बूटियां तथा विभिन्न प्रकार के शुद्ध एवं सुरक्षित अकाष्ठीय लघु वनोत्पाद आयुर्वेदिक, प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों से रोगोपचार में बेहद उपयोगी होते हैं। वनौषधियां हर रोग के इलाज में कारगर हो रही हैं। इनसे असंभव रोग का इलाज भी संभव हो रहा है। मेले में प्राकृतिक रंग-गुलाल मिलेंगे। इसमें नाड़ी वैद्य, आयुर्वेदिक चिकित्सक भी सेवाएं देंगे। डॉ. यादव ने कहा, प्रदेश के जनजातीय और वनांचल को समृद्धि देने के लिए भोपाल और उज्जैन जैसे वन मेले प्रदेशभर में लगाने की आवश्यकता है। वन विभाग ने प्राकृतिक रूप से महाकाल वन प्रसादम् तैयार किया है। इसमें काष्ठ से बने गमले में एक पौधा लगाया गया है। यह गमला महाकाल को भेंट स्वरूप दिया जाएगा। वापस मिलने पर इसे किसी भी जगह पर सीधे रोपित कर दिया जाएगा। इस मौके पर वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार ने कहा कि जनजातीय समुदायों की आय बढ़ाने वन विभाग काम कर रहा है। यहां विभिन्न प्रकार की प्राकृतिक औषधियां एवं बांस के उत्पाद हैं। नागरिक इसका भरपूर लाभ उठाएं। मप्र लघु वनोपज संघ के जरिए 30 लाख जनजातीय संग्राहकों को सीधा लाभ मिल रहा है।

वांगचुक को रिहा नहीं कर सकते : सरकार

नई दिल्ली, जेएनएन। सोनम वांगचुक की हिरासत से जुड़े मामले में केंद्र सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि वांगचुक को फिलहाल रिहा नहीं किया जा सकता।

जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस पीबी वराले की बेंच ने सरकार से वांगचुक को मेडिकल आधार पर रिहा करने के बारे में पूछा था। इस पर एसजी तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि वांगचुक की जेल नियमावली के तहत अब तक करीब 24 बार मेडिकल जांच हो चुकी है। वांगचुक पूरी तरह फिट हैं। उन्हें केवल डाइजेशन (पाचन) की समस्या और संक्रमण हुआ था, जिसका इलाज किया गया है। मेहता ने कहा कि इस तरह की समस्या को अपवाद मानकर उन्हें रिहा किया गया तो आगे अन्य लोग भी इस तरह की मांग करेंगे। उन्होंने कहा कि जिन आधारों पर वांगचुक को हिरासत में लिया गया था, वे अभी भी कायम हैं। इसलिए स्वास्थ्य कारणों से रिहाई संभव नहीं है और ऐसा करना सही भी नहीं होगा। 24 सितंबर 2025 को लेह में हुई हिंसा भड़काने के आरोप में 26 सितंबर को एनएसए के तहत 26 वांगचुक को पुलिस ने हिरासत में लिया था। तब से वे जोधपुर जेल में हैं। इन प्रदर्शनों में चार लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 150 से अधिक लोग घायल हुए थे।

टी-20 वर्ल्ड कप में आज

श्रीलंका बनाम ओमान
समय : सुबह 11.00 बजे से

नेपाल बनाम इटली
समयः दोपहर 3.00 बजे से

भारत बनाम नामीबिया
समयः शाम 7.00 बजे से

प्रसारणः जियो हॉट स्टार और स्टार स्पोर्ट्स

दिल्ली पुलिस ने पेंगुइन इंडिया को भेजा नोटिस, पूछे सवाल

नई दिल्ली, जेएनएन। पूर्व आर्मी चीफ जनरल एमएम नरवणे की अप्रकाशित किताब 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' के लीक मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पेंगुइन इंडिया को नोटिस भेजा है। पुलिस ने नोटिस के जरिए कंपनी से कई सवाल पूछे हैं और जवाब मांगा है। पुलिस ने दर्ज एफआईआर में आपराधिक साजिश से जुड़ी धाराएं भी जोड़ी हैं। यह कार्रवाई सोशल मीडिया और कुछ ऑनलाइन न्यूज फोरम पर मिले इनपुट के आधार पर की गई, जिनमें दावा था कि किताब की प्री-प्रिंट कॉपी सर्कुलेट हो रही है। इससे पहले मंगलवार को पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने कहा था कि किताब अभी तक प्रकाशित नहीं हुई। इसका कोई हिस्सा सार्वजनिक नहीं किया गया। प्रकाशन के सभी राइट्स हमारे पास हैं। अब तक किताब की न तो कोई छपी हुई कॉपी आई है और न ही डिजिटल कॉपी सामने आई है। 24 घंटे में कंपनी ने एक्स पर दूसरा पोस्ट भी किया। इसमें प्रकाशित बुक और प्री-ऑर्डर कॉपी का अंतर समझाया गया। पोस्ट में कहा गया कि किताब की योजना बनी है, लेकिन फिलहाल बिक्री के लिए उपलब्ध नहीं है।

एफआईआर में आपराधिक धाराएं जोड़ीं

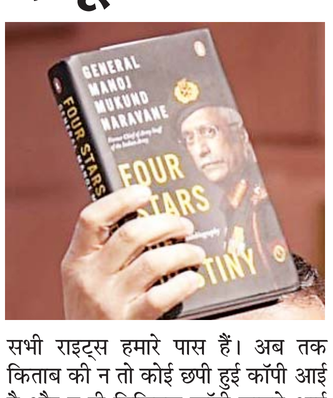

लोकसभाः नेता प्रतिपक्ष का केंद्र पर हमला, रिजिजू बोले-राहुल के आरोप झूठे

डील के जरिए प्रधानमंत्री ने भारत को बेच दिया: राहुल गांधी

नई दिल्ली, जेएनएन। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को बजट पर बोलते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील के जरिए भारत को बेच दिया, इसके अलावा उन्होंने लफ्जों के कई तीर छोड़े, जिन्हें लोकसभा के रिकॉर्ड से हटा दिया गया है। इनमें 8 शब्द शामिल हैं। देश बिक चुका है, बिकाऊ, बिका हुआ, एपस्टीन, अनिल अंबानी, प्रधानमंत्री ने 1.5 अरब लोगों का भविष्य बेच दिया, देश को बेचते हुए शर्म नहीं आई। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस डील के जरिए भारत को 'बेच' दिया है और यह 'थोक स्तर पर आत्मसमर्पण' है। राहुल ने कहा कि यह समझौता सिर्फ प्रधानमंत्री का नहीं, बल्कि 1.5 अरब भारतीयों के भविष्य का आत्मसमर्पण है। उन्होंने दावा किया कि सरकार ने भाजपा के फाइनेंशियल स्ट्रक्चर की सुरक्षा के लिए ऐसा किया। राहुल ने कहा, आपने भारत बेच दिया है, क्या आपको भारत बेचने का शर्म नहीं आती? आपने हमारी मां भारत माता को बेच दिया है।

रिकॉर्ड से हटाए गए राहुल की स्पीच के कुछ शब्द

बोलकर भाग जाते हैं नेता प्रतिपक्ष : रिजिजू

राहुल गांधी के आरोपों पर किरेन रिजिजू कहते हैं, राहुल गांधी जानबूझकर बार-बार ऐसा करते हैं... उनका भाषण, आम तौर पर झूठ और आरोपों से भरा होता है, उसके बाद वह सदन से भाग जाते हैं... वह मंत्री का जवाब सुनने के लिए कभी सदन में नहीं बैठते... हमारी पार्टी ने स्टैंड लिया है कि हम राहुल गांधी के झूठ का बाहर तो मुकाबला करेंगे, लेकिन सदन के अंदर एक नोटिस जारी किया जाएगा... हम स्पीकर को नोटिस देंगे। राहुल गांधी ने वादा किया है कि वह इसे प्रमाणित करेंगे, लेकिन मुझे पता है कि वह इसे प्रमाणित नहीं कर सकते, क्योंकि उन्होंने झूठ बोला... सदन में झूठ बोला। इसके पहले राहुल ने कहा बजट में कुछ नहीं है। देश के 140 करोड़ लोगों के सामने बहुत बड़ा चैलेंज है। भारत से एक बहुत बड़ा डाटा जेनरेट हो रहा है। एआई के आने से एक बहुत बड़ा संकट दिख रहा है। पुराने सिस्टम को चुनौती दी जा रही है।

एपस्टीन से मिले थे, पर शांति मुहिम के तहतः पुरी

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि वह यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से 3-4 मिले थे। यह बातचीत पूरी तरह से प्रोफेशनल थी, जो इंडिपेंडेंट कमीशन ऑन मल्टीलेटरलिज्म और दूसरे इंटरनेशनल कामों से जुड़ी थी। पुरी ने एपस्टीन विवाद में नाम लेने के बाद पीसी की। उन्होंने एपस्टीन के मामलों से कोई संबंध होने के आरोपों को बेबुनियाद बताया।

भारत को कांग्रेस ने बेचा, बाली में किया था सौदा : निर्मला

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में बजट को लेकर बात रखी। निर्मला ने कहा, राहुल के आरोप गलत हैं। डेटा को लेकर उनको जानकारी नहीं है। ये कहते हैं कि मोदी ने सरेंडर कर दिया। मैं बताती हूं कि भारत को किसने बेचा। इसे कांग्रेस ने बेचा। बाली में जाकर सौदा करके आए थे। ट्रेड फेलिसिटेशन पर साइन करके आ गए थे और भारत के फायदे के लिए उसमें कुछ नहीं था।

रिपोर्ट

टीएमसी सांसद के सवाल पर केंद्रीय कृषि मंत्री ने संसद में दी जानकारी

मप्र का हर किसान परिवार 74,420 रु. का कर्जदार

नई दिल्ली, जेएनएन। देश के अन्नदाताओं की आर्थिक हालत पर संसद में पेश की गई ताजा रिपोर्ट में मप्र के किसानों की तस्वीर सामने आई है। केंद्र सरकार के डेटा के मुताबिक, मप्र में हर किसान परिवार पर औसत बकाया कर्ज 74,420 रुपए है। यह आंकड़ा लगभग राष्ट्रीय औसत (74,121 रुपए) के बराबर है, लेकिन यहां के किसान दक्षिण भारत और पड़ोसी राजस्थान के मुकाबले कम कर्जदार हैं।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने टीएमसी सांसद कालीपद सरन खेरवाल के एक सवाल के जवाब में यह जानकारी दी। डेटा का एनालिसिस करने पर पता चलता है कि कर्ज के मामले में मप्र के किसान कई दूसरे राज्यों से बेहतर स्थिति में हैं। पड़ोसी राजस्थान में जहां हर किसान परिवार पर कर्ज़ का बोझ 113,865 रुपए है, वहीं मप्र में यह 74,420 रुपए है। हालांकि, छत्तीसगढ़ (21,443 रुपये) जैसे छोटे राज्यों के मुकाबले मप्र के किसान ज्यादा कर्जदार हैं। दक्षिणी राज्यों के किसान सबसे ज्यादा कर्जदार हैं।

किसान कर्ज में सबसे आगे राज्य	
आंध्र प्रदेश	₹2,45,000
पंजाब	₹2,03,000
हरियाणा	₹1,88,000
टेलंगाना	₹1,52,000
कर्नाटक	₹1,45,000

मप्र में किसान कल्याण वर्ष और जीरो इंटरेस्ट स्कीम

बढ़ते कर्ज और खेती की लागत को देखते हुए मप्र में मोहन यादव सरकार ने 2026 को 'किसान कल्याण वर्ष' घोषित किया है। सरकार ने किसानों को राहत देने के लिए कई बड़े कदम उठाए हैं।

- **बिना ब्याज के लोनः** राज्य में किसानों को जून 2026 तक 0 फीसदी ब्याज पर फसल लोन मिलता रहेगा। जो किसान समय पर अपना लोन चुकाएंगे, उन्हें 4 फीसदी की अतिरिक्त ब्याज सब्सिडी भी मिलेगी।
- **डिफॉल्टरों के लिए राहतः** सरकार ने कोऑपरेटिव बैंकों के उन किसानों को मुख्यधारा में वापस लाने की योजना बनाई है, जिन्होंने लोन की वजह से डिफॉल्ट किया था।
- **सिंचाई बढ़ानाः** नर्मदा-क्षिप्रा, दूसरे नदी जोड़ो प्रोजेक्ट के जरिए सिंचाई का एरिया बढ़ाना और खेती को फायदेमंद बनाना लक्ष्य है।

केसीसी का कर्ज 10 लाख करोड़ के पार

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि 30 सितंबर, 2025 तक किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के तहत बकाया रकम 10.39 लाख करोड़ तक पहुंच गई है। हालांकि, सरकार ने साफ़ किया कि 1 फरवरी, 2026 तक का सही डेटा मौजूद नहीं है, क्योंकि पिछला बड़ा सर्वे (एनएसएस 77वां राउंड) 2019 में किया गया था।

मप्र में बढ़ रहा केसीसी का कवरेज

डेटा के मुताबिक, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) क्रेडिट का सबसे बड़ा सोर्स बनकर उभरे हैं। मप्र में ग्रामीण बैंकों, कोऑपरेटिव सोसाइटियों के जरिए केसीसी का डिस्ट्रीब्यूशन भी तेजी से बढ़ा है। सरकार का कहना है कि इस लोन से किसानों की इन्वेस्टमेंट कैपेसिटी बढ़ती है, लेकिन एक्सपर्ट्स का मानना है कि फसलों के सही दाम (एमएसएपी) और प्राकृतिक आपदाओं की वजह से यह लोन किसानों के लिए बोझ बन जाता है।

ट्वीट पर कार्रवाई संभव, लेकिन सेवा से हटाना कठोर दंडः कोर्ट

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि यदि कोई कर्मचारी अपने नियोक्ता के खिलाफ सोशल मीडिया (जैसे एक्स/ट्वीट) पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाता है या आपत्तिजनक बातें लिखता है, तो उस पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। कोर्ट ने माना कि नियोक्ता के खिलाफ सार्वजनिक रूप से ट्वीट या रीट्वीट करना सेवा नियमों के तहत 'कदाचार' माना जा सकता है। हालांकि, अदालत ने कार्रवाई को संभव माना, लेकिन यह भी स्पष्ट किया कि केवल ट्वीट करने के आधार पर कर्मचारी को नौकरी से सीधे बर्खास्त कर देना बहुत कठोर सजा है। जस्टिस संजीव नरूला ने कहा कि हालांकि कर्मचारी का आचरण नियमों के खिलाफ था, लेकिन सजा तय करते समय उसकी पिछली लंबी सेवा और अन्य कारकों को ध्यान में रखा जाना चाहिए। कोर्ट ने सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के एक पूर्व वरिष्ठ प्रबंधक के मामले में यह फैसला सुनाते हुए संगठन को कर्मचारी की बर्खास्तगी की सजा पर पुनर्विचार करने का निर्देश दिया। पिटीशनर सीईएल में सीनियर टेक्निकल असिस्टेंट के तौर पर शामिल हुआ और जनवरी 2011 में उसे सीनियर मैनेजर (पब्लिक रिलेशन्स) के पद पर प्रमोट किया गया। हालांकि, उसे 2012, 2016 और 2017 सहित कई डिसिप्लिनरी कार्रवाई का सामना करना पड़ा।

नेताओं में खींचतान, कई जिलों में अटकी कार्यकारिणी

आठ माह पहले हो चुकी है जिलाध्यक्षों की घोषणा, कार्यकारिणी न बनने से शीर्ष नेतृत्व नाराज, जल्द सूची जारी करने के दिए निर्देश

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश भाजपा के कई जिलों की टीम गठित नहीं होने की वजह से शीर्ष नेतृत्व नाराज है और उन्होंने जल्द ही सूची जारी करने के निर्देश दिए हैं। लेकिन संबंधित जिला अध्यक्षों के सामने सबसे बड़ी चुनौती बड़े नेता, विधायक और सांसद हैं, जिनमें खींचतान की वजह से जिला कार्यकारणी की घोषणा नहीं हो पा रही है। मध्यप्रदेश भाजपा के एक दर्जन से ज्यादा ऐसे जिले हैं, जहां संगठन अध्यक्ष की नियुक्ति होने के छह से आठ माह के बाद भी जिले की टीम गठित नहीं हो पा रही है। जानकारों का कहना है कि इन जिलों में पार्टी के कद्दावर नेता, सरकार के मंत्री व अन्य वरिष्ठ नेता जिले की टीम में अपने-अपने समर्थकों को शामिल करना चाहते हैं, जिसकी वजह से जिलाध्यक्ष तय नहीं कर पा रहे हैं कि आखिर वे अपनी टीम में किन्हें शामिल करें। बताया गया है कि इस संबंध में कुछ जिलाध्यक्षों द्वारा अपनी दुविधा से पूर्व संगठन महामंत्री हितानंद को अवगत करा चुके हैं। जिनके द्वारा संबंधित नेताओं से चर्चा कर रायशुमारी के जरिए टीम बनाने को कहा गया, लेकिन फिर भी टीम नहीं बन सकी है। कहा जा रहा है कि कुछ जिलों में वरिष्ठ नेताओं और सरकार के मंत्रियों के बीच नामों पर सहमति नहीं बन पा रही है। सभी नेता अपने-अपने समर्थक कार्यकर्ता को जिले की टीम में अहम पद दिलाना चाहते हैं। इसे लेकर नेताओं की भोपाल स्तर पर बैठक भी हो चुकी है, लेकिन जिलों में आपसी सामंजस्य नहीं बन पा रहा है। पिछले दिनों बनाए गए जिलों के प्रभारियों से कहा गया है कि वे अपने प्रभार के क्षेत्र में जाकर जिले की टीम गठित होने में आ रही अड़चनों को दूर करें।

जामवाल ने दिए थे समन्वय बनाने के निर्देश

गौरतलब है कि बीते मंगलवार को पार्टी की एक अहम बैठक में क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल और प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने जिलों के अध्यक्षों से कहा था कि उन्हें अपने क्षेत्र के विधायक, सांसद, सरकार के मंत्रियों और वरिष्ठ नेताओं के साथ तालमेल बनाकर संगठन को और मजबूत बनाना है। जिन जिलों में टीम नहीं बन सकी है, वहां पर सभी नेताओं के साथ बैठकर सामंजस्य बनाया जाए और जिला कार्यकारणी की घोषणा की जाए।

इन जिलों की नहीं बन सकी टीम

जानकारी के अनुसार प्रदेश के भिंड, सागर, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, पाढुंर्ना, मंदसौर और नरसिंहपुर सहित 11 जिलों में अब तक जिला कार्यकारणी की घोषणा नहीं हो सकी है। कहा जा रहा है कि इनमें से कुछ जिलों में नेताओं के बीच अपने-अपने समर्थकों को टीम में रखवाने को लेकर दंद्ध मचा हुआ है, जिसमें आमसहमति नहीं बन पा रही है और जिलाध्यक्ष अपनी टीम का एलान नहीं कर पा रहे हैं।

एक साल बाद भी यति नहीं बना पा रहे सांमजस्य

इधर भोपाल जिले की टीम की सूची जारी होते ही होल्ड कर दी गई। कहा जा रहा है कि सूची को लेकर भोपाल के कुछ पार्टी विधायक अपने समर्थकों के नाम नदारत होने से नाराज हो गए और उन्होंने इसे लेकर प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल से शिकायत की, जिन्होंने तत्काल प्रभाव से सूची को होल्ड करने के निर्देश दे दिए। पार्टी से जुड़े सूत्रों का कहना है कि जिलाध्यक्ष रविन्द्र यति का पार्टी के कुछ विधायकों और दूसरे वरिष्ठ नेताओं से अपनी नियुक्ति से एक साल बाद भी सामंजस्य नहीं बन सका है, जिससे उनके निर्णयों में आम सहमति नहीं बन पा रही है। हालांकि सूची जल्द घोषित होने की बात जिलाध्यक्ष रविन्द्र यति द्वारा कही गई है। उन्होंने कहा कि शिवरात्रि के दिन शुभ मुहुर्त में जिले की टीम की घोषणा कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि तकनीकी कारणों से सूची को होल्ड किया गया है, इसमें किसी भी तरह का न तो कोई विवाद है और न ही नेताओं के साथ सामंजस्य की कमी जैसी स्थिति है।

संक्षिप्त खबरें

विधायक मसूद के बयान पर भाजपा ने ली चुटकी

विसं, भोपाल। कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद के एक बयान पर भाजपा नेताओं ने चुटकी ली है। उनका कहना है कि कांग्रेस को उनके ही विधायक आईना दिखा रहे हैं। दरअसल कांग्रेस विधायक ने बुरहानपुर की एक सभा में मतदाता सूची एसआईआर प्रक्रिया के दौरान लगाई गई आपत्तियों पर जमकर भड़ास निकाली। मसूद ने सभा में नहीं पहुंचे कांग्रेसियों को भी चेतावनी दी कि जो कांग्रेस नेता अभी लोगों के लिए खड़े नहीं हो रहे हैं, उन्हें घर बैठा दिया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया में सबसे ज्यादा आपत्तियां बुरहानपुर में दर्ज की गई हैं। आपत्तियां ऐसे क्षेत्रों में ज्यादा हुई हैं, जहां पर अल्पसंख्यक समुदाय रहता है और उन्हें टारगेट किया जा रहा है। कांग्रेस विधायक ने चेतावनी दी कि यदि किसी पात्र मतदाता का नाम काटा जाता है, तो वे प्रशासन के खिलाफ खड़े हो जाएंगे। उन्होंने लोगों से कहा कि वे अगले दो दिनों के भीतर अपनी मतदाता सूची में नाम की जांच कर लें। इस मामले पर मंत्री राव उदयप्रताप सिंह ने कहा कि इस संबंध में विधायक मसूद से सवाल पूछे जाएं। कांग्रेस नेता ही उन्हें आइना दिखाएंगे।

जनगणना के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

भोपाल। राज्य शासन द्वारा राज्य स्तरीय जनगणना के लिए गठित समन्वय समिति की बैठक में लिए गए निर्णय अनुसार उप सचिव सामान्य प्रशासन जयेंद्र कुमार विजयवत को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। विजयवत जनगणना 2027 के दोनों चरणों में शासन स्तर से संपादित किए जाने वाले विभिन्न कार्यों को समय पर सुचारू रूप से क्रियान्वयन एवं अनुवर्ती कार्यवाही का उत्तरदायित्व निभायेंगे।

पांडे का बालाघाट समिति ने पगड़ी पहनाकर किया सम्मान

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मप्र कर्मचारी मंच के प्रदेशाध्यक्ष अशोक पांडे का 28 वर्ष की संघर्षशील एवं सफलतम कर्मचारियों एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों तथा श्रमिकों की सेवा के लिए बुधवार को बालाघाट कर्मचारी समिति ने अध्यक्ष गोपाल देशराज की नेतृत्व भोपाल पहुंचकर सतपुड़ा भवन मे सम्मान का प्रतीक पगड़ी पहनाकर सम्मान किया। इस दौरान पुष्प हार पहनाकर अभिनंदन किया।

ई-विधान योजना के तहत सदन में मेजों पर लगाए गए टैबलेट

विधायक टैबलेट पर देख सकेंगे दस्तावेज

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा का बजट सत्र हाईटेक होगा। सत्र के दौरान सदन में विधायक अपनी मेज पर लगे टैबलेट पर कार्यवाही से जुड़े दस्तावेज देख सकेंगे। हालांकि पूरी तरह से ई-विधानसभा अगले सत्र तक ही शुरू हो सकेगी। गौरतलब है कि काफी समय से ई-विधानसभा बनाने की दिशा में राज्य सरकार और विधानसभा सचिवालय द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं, जिसमें कुछ हद तक परिणाम अगले सोमवार से शुरू हो रहे बजट सत्र में देखने को मिलेंगे। राष्ट्रीय ई-विधान एप्लिकेशन (एनईवीए) के तहत विधानसभा को तकनीकी तौर पर विकसित किया जा रहा है। जानकारों की मानें तो बजट सत्र से पहले सभी 230 विधायकों की बैठक व्यवस्था के स्थान पर मेज में टैबलेट लगा दिए जाएंगे। इसमें विधायकों को अगले बजट या दूसरी अन्य कार्यवाहियों से जुड़े दस्तावेज देखने को मिल सकेंगे। बताया गया है कि टैबलेट लगाने के लिए सदन में बिजली कनेक्शन लगाने और उन्हें इंटरनेट नेटवर्किंग से जोड़ने का काम पूरा हो चुका है। सत्र के उपरांत एक बार विधायकों के टैबलेट का इस्तेमाल कैसे करें,इसके लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। जिसके बाद ही टैबलेट का पूरी तरह से उपयोग किया जा सकेगा। जानकारी के अनुसार टैबलेट में अधिकांश दस्तावेज हिन्दी में अपलोड होंगे, जिन्हें सुविधानुसार अंग्रेजी में अनुवाद करने की सुविधा में रहेगी। बजट सत्र के दौरान विधायकों को सवालों और कार्यसूची देखने को मिल सकेगी, तो वे अपने माइक्रोफोन के जरिए बोलकर स्वयं की बांछित जानकारी भी खोज सकेंगे। सबसे अहम बात यह भी है कि विधायक अपने पासवर्ड के जरिए कहीं से भी नेवा (एनईवीए)साफ्टवेयर एक्सेस कर सकेंगे।

कई राज्यों में है व्यवस्था

केन्द्र सरकार के नवाचार के जरिए राज्यों की विधानसभा को पेपर-लेस बनाने के लिए काफी समय से काम किया जा रहा है। इसके लिए राज्य शासन के माध्यम से विधानसभा सचिवालय को आवश्यक वजट भी उपलब्ध करा दिया गया है। देश के महाराष्ट्र, कर्नाटक सहित कई ऐसे राज्य हैं, जहां पर ई-विधानसभा की व्यवस्था लागू है, जिससे वहां की विधानसभाओं में कागज की खपत में कमी आई है, तो वहीं विधानसभा से जुड़े कार्यों में भी तेजी आई है।

उज्जैन में खुलेगा आयुर्वेद का धनवंतरी इंस्टीट्यूट: सीएम

उज्जैन और भोपाल में हुए कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि उज्जैन में आयुर्वेद की पढ़ाई और चिकित्सा के क्षेत्र में जल्द बड़ी सौगात मिलेगी। यहां पर आयुर्वेद का धनवंतरी इंस्टीट्यूट खोला जाएगा। महाकाल लोक में उज्जैन को वैश्विक आध्यात्मिक पर्यटन का केंद्र बनाया है। सीएम बुधवार को उज्जैन के ग्राम हरियाखेड़ी में जल आवर्धन परियोजना के भूमि-पूजन के उपरांत आमजन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भगवान महाकाल के आशीर्वाद से सिंहस्थ की तैयारियों के लिए 1133.67 करोड़ रुपए की लागत वाली इस परियोजना से सिंहस्थ-2028 के दौरान श्रद्धालुओं और नागरिकों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध होगा।सरकार ने उज्जैन, ओरछा सहित प्रदेश के अन्य धार्मिक स्थानों पर शराबबंदी कर एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया गया है। प्रदेश के युवाओं और बहनों को रोजगार दिलवाने के लिए रोजगार आधारित उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंहस्थ:2028 में पूरी दुनिया के श्रद्धालु उज्जैन आएंगे। राज्य सरकार इसके लिए सभी तैयारियों को समय रहते हुए पूरा कर रही है। क्षिप्रा के घाटों पर सिंहस्थ में आए 5 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर सकेंगे। इधर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर लालघाटी स्थित प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित और जनसमुदाय को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जब विश्व में सभी ओर साम्यवाद और समाजवाद की विचारधाराओं का प्रभाव था, तब पं. दीनदयाल उपाध्याय ने भारत की सनातन विचारधारा को युगानुकूल रूप में प्रस्तुत करते हुए देश को एकात्म मानववाद और अंत्योदय की कल्याणकारी दृष्टि प्रदान की। यह हमारी सांस्कृतिक विरासत को निरंतरता प्रदान करने का प्रभावी प्रयास था। पं. दीनदयाल उपाध्याय एकात्म मानववाद और अंत्योदय के प्रणेता तथा समर्थ भारत निर्माण के चिंतक थे। पंडित दीनदयाल उपाध्याय संघ के चिंतक, संगठनकर्ता और भारतीय जनसंघ के सह संस्थापक रहे। दीनदयाल का विचार था कि स्वतंत्रता तभी सार्थक होती है, जब वो संस्कृति की अभिव्यक्ति का साधन बने। उनके विचारों के अनुरूप प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गरीब-किसान-युवा और महिलाओं कल्याण के साथ सभी को प्रगति के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

वंदेमातरम् को लेकर फिर सियासी बयानबाजी शुरू

विशेष संवाददाता, भोपाल। राष्ट्रगीत वंदेमातरम को लेकर एक बार फिर से सियासी बयानबाजी शुरू हो गई है। इस बीच सरकार के स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने एलान किया है कि अब मदरसों सहित हर संस्था और प्रत्येक स्कूलों में राष्ट्रगीत गायन के क्रियान्वयन को सुनिश्चित कराया जाएगा। मंत्री सिंह ने भाजपा दफ्तर में पत्रकारों से संवाद करते हुए कहा कि भारत एक प्रजातंत्र देश है, जहां कानून सभी के लिए समान है, जो भी राष्ट्र का नागरिक है, उसे राष्ट्र के कानून मानने होंगे। आजादी दिलाने का ठेका केवल कांग्रेस के पास नहीं था, आजादी की लड़ाई लड़ने वाले किसी एक दल के ठप्पे के साथ नहीं थे। यहां मौजूद स्वतंत्र प्रभार के राज्यमंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा जिस वंदे मातरम की लाइन को अंग्रेज भी नहीं मिटा पाए, लेकिन कांग्रेस तुष्टीकरण की राजनीति के चलते जिन्ना के दबाव में कुछ लाइनों को हटा दिया गया। उन्होंने कहा कि धारा 370 जब भी तब जम्मू-कश्मीर में कितनी कठिनाइयां थी, जब से धारा को हटाया गया, तो वहां घर-घर तिरंगा लहरा रहा है, सभी लोग राष्ट्र से जुड़े हैं। दरअसल केन्द्र सरकार ने राष्ट्रगीत को लेकर दिशा निर्देश जारी किए हैं, जिसमें कहा गया है कि अब जन गण मन से पहले 6 छंदों वाला वंदे मातरम् का गायन अनिवार्य होगा। कांग्रेस नेता एवं पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने कहा कि जिन्होंने देश की आजादी में भाग न लिया वह वंदे मातरम का महत्व बता रहे हैं। वंदेमातरम हमेशा से हर कार्यक्रम में अनिवार्य रहा है, क्योंकि यह राष्ट्रगीत हमारी आजादी की लड़ाई को याद दिलाता है। मदरसों के नाम पर राजनीति की जा रही है। हकीकत यह है कि मदरसों में हमेशा से ही राष्ट्रगीत का गायन होता आ रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकारें सिर्फ दिखावा करती हैं और ऐसे मामलों का उपयोग राजनीति के लिए किया जाता है।

प्रदेश के मदरसों में भी होगा वंदेमातरम् का गायन: मंत्री उदयप्रताप

किफायती आवास बनाने के लिए अलग से बनेगी नीति

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में लोगों को किफायती भवन उपलब्ध कराने सरकार अपनी अलग नीति तैयार करेगी। इसके लिए उसे अब पीएम आवास योजना को नियमों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। सरकार अब छोटे-बड़े नगरों और शहरों में जरूरत के हिसाब से किफायती आवास उपलब्ध कराने के लिए नई तैयार करा रही है। जिसमें बिल्डर संगठनों,टाउन एंड कन्ट्री प्लानिंग, विकास प्राधिकरण, नगर निगम और रेरा के सुझावों को भी महत्व दिया जाएगा। इस नई नीति में एफएआर में बदलाव के बिंदू भी शामिल किए जाएंगे। सरकार द्वारा शहरी आवासों का डाटा भी एकत्र कराया जाएगा। साथ ही बड़े शहरों के आसपास से हुए पलायन का भी विश्लेषण होगा। बताया गया है कि नीति में इस बात पर भी विचार किया जाएगा कि यदि जरुरी हुआ तो डेवलमेंट और रजिस्ट्री शुल्क में भी छूट दी जा सकेगी। जानकारी के अनुसार नई नीति तैयार करने के लिए स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर की मदद ली जाएगी। ड्राफ्ट बनने के उपरांत उस पर शासन स्तर पर मुहर लगवाई जाएगी। कहा जा रहा है कि राज्य की नई नीति बनने से जमीनों से जुड़े जहां विवाद खत्म होंगे,तो वहीं हितग्राहियों की समस्याओं का भी निराकरण हो सकेगा।

राज्य बाल अधिकार आयोग को 5 माह से गठन का इंतजार, शिकायतों का लगा ढेर

होली के बाद गठन होने के लगाए जा रहे कयास, आवेदनों की हो रही स्क्रूटनी

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। प्रदेश में 18 साल से कम उम्र के बच्चों के अधिकारों को सरंक्षित करने वाला राज्य बाल अधिकार आयोग पांच माह से गठन का इंतजार कर रहा। आयोग का गठन नहीं होने से कई प्रकरण लंबित पड़े हुए हैं। शिकायतें लगातार बढ़ती जा रही हैं और बच्चों के हितों का हनन हो रहा है। कार्रवाई नहीं होने से संस्थाएं भी मनमानी कर रही हैं।

हालांकि आयोग का गठन करने के लिए आवेदन जमा करा लिए गए हैं। अभी आवेदनों की स्क्रूटनी चल रही है। स्क्रूटनी के बाद उम्मीदवारों की प्रोफाइल को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, महिला बाल विकास विभाग की मंत्री निर्मला भूरिया और सचिव जीवी रश्मि देखेंगे। उक्त प्रोफाइल में से छह सदस्य और एक अध्यक्ष का चयन किया जाएगा। आयोग का गठन होली के बाद ही होने के कयास लगाए जा रहे हैं। बता दें कि तीन साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद सितंबर 2025 से आयोग में पद खाली हैं। नये अध्यक्ष और सदस्यों को नियुक्त करने के लिए शासन ने आवेदन जमा करा लिए हैं।

अंतिम तिथि तक शासन को करीब 400 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इसमें करीब 275 आवेदन सदस्य और करीब 165 आवेदन सिर्फ अध्यक्ष बनने के लिए दिए गए हैं। उम्मीदवारों ने अध्यक्ष बनने में ज्यादा दिलचस्पी दिखाई है। इसलिए कुछ उम्मीदवारों ने अध्यक्ष के साथ सदस्य बनने के लिए भी आवेदन जमा किए हैं। शासन स्तर पर आवेदनों की स्क्रूटनी कार्य कछुआ चाल की तरह धीरे-धीरे हो रहा है।

सिर्फ अग्रेषित हो रही हैं शिकायतें

प्रदेश में पांच माह से राज्य बाल अधिकार आयोग अस्तित्व में नहीं है। राज्य के अलग-अलग जिलों से लगातार शिकायतें आयोग के कार्यलय में पहुंच रही हैं। आयोग नहीं होने के कारण कार्यायल से शिकायतें सिर्फ अग्रेषित होकर जमा होती जा रही हैं। जब आयोग का गठन हो जाएगा। इसके बाद ही उनका निराकरण किया जाएगा।

सदस्य के साथ अध्यक्ष की भी दावेदारी

आयोग में रहते हुए कार्यकाल अध्यक्ष द्रविंद्र मोरे और सदस्य के तौर पर भोपाल की डा. निवेदिता शर्मा, सागर के ओंकार सिंह, ग्राम नहारखोदरा इंदौर की सोनम निनामा, हरदा के अनुराग पाण्डेय, शहडोल की मेधा पवार और भोपाल की डा. निशा श्रीवास्तव ने पूरा कर लिया है। इसमें से कुछ सदस्यों ने अध्यक्ष के लिए भी दावेदार की है। अब सीएम यादव समेत मंत्री भूरिया और सचिव रश्मि उनकी दावेदारी को अपनी कसौटी पर परखेंगी। इसके बाद ही अध्यक्ष सहित छह सदस्यों की नियुक्ति हो सकेगी। नियुक्ति में अभी एक माह का समय लग सकता है।

प्रदेश के कर्मचारियों को केंद्र से 3 फीसदी कम मिल रहा महंगाई भत्ता

जागरण संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश के 7 लाख 50 हजार नियमित कर्मचारियों को केंद्र की तुलना में महंगाई भत्ता 3 फीसदी कम मिल रहा है। प्रदेश के सभी कर्मचारी पिछले 8 माह से यह नुकसान झेल रहे हैं, जबकि उच्चतम न्यायालय ने इसे कर्मचारियों का अधिकार बताते हुए केंद्र के समान महंगाई भत्ता देने के आदेश जारी किए हैं। कर्मचारियों के अनुसार केंद्र सरकार के कर्मचारियों को 58 फीसदी वहीं प्रदेश के सभी कर्मचारियों को 55 फीसदी महंगाई भत्ता और राहत दी जा रही है। जिसके कारण चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को हर महीने 465 से 556 रुपए, तृतीय श्रेणी कर्मचारी को 585 से 1473 रुपए, द्वितीय श्रेणी अधिकारी को 1683 से 2019 रुपए और प्रथम श्रेणी अधिकारी को 2397 से 4230 रुपए प्रति माह वेतन में कम मिल रहे हैं। इसके अलावा प्रदेश के 4 लाख 50 हजार रिटायर कर्मचारी भी इसी समस्या से जूझ रहे हैं। तृतीय वर्ग कर्मचारी महासंघ के महामंत्री उमाशंकर तिवारी ने बताया कि इस समस्या के कारण कर्मचारियों को पिछले 8 माह से वेतन और पेंशन में आर्थिक हानि हो रही है।

अनदेखी — रिमाइंडर जारी, आदेश न मामने वालों पर अब होगी कार्रवाई

ऑफिशियल मेल जरूरी फिर भी उपयोग नहीं कर रहे अफसर

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश में सरकारी कामकाज को पूरी तरह डिजिटल और सुरक्षित बनाने की दिशा में सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने 2022 में ही ऑफिशियल ई-मेल का उपयोग अनिवार्य कर दिया था। उस समय जारी ई-मेल नीति के तहत सभी विभागों, निगमों और मंडलों के साथ सरकारी एजेंसियों में तैनात अफसरों, डॉक्टरों, इंजीनियरों के लिए आधिकारिक ई-मेल आईडी (एमपीडॉटजीओवीडॉटइन या विभागीय डोमेन) से ही सरकारी मेल भेजना अनिवार्य किया गया था। इसका मकसद सरकारी कामों में तेजी लाना, पारदर्शिता बढ़ाना और गोपनीय जानकारी की सुरक्षा सुनिश्चित करना था। लेकिन दो साल से ज्यादा बीत जाने के बावजूद कई अफसर अभी भी इस नियम की अनदेखी कर रहे हैं। वे व्यक्तिगत जीमेल, जोहो मेल, याहू या अन्य प्राइवेट ई-मेल आईडी का इस्तेमाल कर सरकारी फाइलें, पत्राचार, निर्देश और रिपोर्ट भेजते हैं, जिससे साइबर

अब कोई बहाना नहीं चलेगा

जीएडी ने पहले ही कई बार स्पष्ट निर्देश जारी किए थे, लेकिन पालन न होने पर अब विभागीय स्तर पर ऐसे अफसरों को सख्त रिमाइंडर भेजे गए हैं। इस रिमाइंडर में कहा गया है कि सरकारी मेल का इस्तेमाल न करने वालों का अब कोई बहाना नहीं चलेगा। आदेश का उल्लंघन करने वाले अफसरों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी, जिसमें जांच, वेतन वृद्धि रोक या अन्य अनुशासनात्मक कदम शामिल हो सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक जिन विभागों में प्राइवेट ई-मेल के इस्तेमाल की शिकायतें ज्यादा मिल रही हैं उनमें पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, नगरीय प्रशासन विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, राजस्व विभाग, वन विभाग और लोक निर्माण विभाग शामिल हैं।

केस नंबर 1

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में यह व्यवस्था लागू की गई थी। इसके बाद भी पालन न होने पर पिछले साल सामान्य प्रशासन विभाग को पत्र लिखना पड़ा। इसके बाद भी जब हालात नहीं सुधरे तो विभागीय स्तर पर फिर से रिमाइंडर जारी कर अफसरों को चेतावनी दे दी गई है।

केस नंबर 2

लोक निर्माण विभाग और पीएचई जैसे निर्माण से जुड़े विभागों में सरकारी ई-मेल के जरिए टेंडर टेंडर, निर्माण कार्य और बजट जैसे विषयों पर पत्राचार अनिवार्य किया गया है। इसके बाद भी विभाग के कई इंजीनियर ऑफिशियल मेल का उपयोग नहीं कर रहे हैं। यहां भी इंजीनियरों को ईएनसी की तरफ से मौखिक चेतावनी पिछले दिनों दी गई है।

केस नंबर 3

जिलों में प्रशासनिक स्तर पर इस तरह की समस्याएं सबसे अधिक हैं। हर जिले में कलेक्टर के पास ईमेल के जरिए ही उनके अधीनस्थ अपनी रिपोर्ट, जनशिकायतों के निवारण, सरकारी योजनाओं की प्रगति और समीक्षा, विकास कार्यों आदि की जानकारी भेजते हैं लेकिन प्रदेश के दो दर्जन जिलों में एसडीएम और एडीएम स्तर के अफसर अब भी सरकारी मेल के बजाय निजी भेल से ही पत्राचार कर रहे हैं।

आईटी सेल को भी दिया प्रशिक्षण

जीएडी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार आईटी सेल को भी ये प्रशिक्षण दिया जा चुका है कि उन्हें नई ईल आईडी सरकारी डोमेन पर किस तरह तैयार करनी है। अब प्रदेश सरकार इस मामले में सख्ती बरतने जा रही है। सरकार का दावा है कि डिजिटल इंडिया और ई-ऑफिस के युग में प्राइवेट ई-मेल का इस्तेमाल न सिर्फ नियमों का उल्लंघन है, बल्कि महत्वपूर्ण जानकारी लीक होने का बड़ा जोखिम भी पैदा करता है। रिमाइंडर में विभागाध्यक्षों को भी कहा गया है कि वे अपने अधीनस्थ अफसरों की ई-मेल आईडी की जांच करें और इसकी अनुपालन रिपोर्ट जीएडी को सौंपें।

संपत्ति वसूली में लापरवाही हुई, तो अधिकारी होंगे दोषी : आयुक्त

25 फरवरी और 15 मार्च को नगर निगमों में लगाएं विशेष वसूली शिविर

विसं, भोपाल। निकाय संपत्ति कर वसूली में किसी भी तरह की कोताही नहीं बरतें और नागरिकों की समस्याओं का फौरी तौर पर निराकरण किया जाए। ऐसा नहीं करने वाले निकायों के अधिकारी जिम्मेदारी माने जाएंगे और उन पर एक्शन लिया जाएगा। यह बात बुधवार को आयुक्त नगरीय विकास एवं आवास संकेत भोंडवे ने विभागीय समीक्षा के दौरान अधिकारियों से कही। उन्होंने 25 फरवरी और 15 मार्च को प्रदेश के सभी नगर निगमों में विशेष वसूली शिविर लगाने के निर्देश दिए। आयुक्त ने कहा कि नागरिकों की शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग किया जाए,जिससे समस्याओं का समाधान 2 से 3 घंटे के भीतर सुनिश्चित किया जा सके। इसके अलावा, ई-ऑफिस प्रणाली और डिजिटल लॉकर के माध्यम से प्रशासनिक कार्यों को पूर्णतः डिजिटल बनाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाने को कहा गया।

भोंडवे ने संसाधन प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में नवाचारी दृष्टिकोण अपनाते हुए उज्जैन, इंदौर और देवास को मिलाकर एक संयुक्त वॉटर सप्लाई बोर्ड के गठन के संकेत दिए। उन्होंने अनावश्यक बिजली व्यय रोकने के लिए सुचारू जलापूर्ति वाले क्षेत्रों में ट्यूबवेल बंद करने और शत-प्रतिशत स्मार्ट मीटर लगाने के निर्देश दिए। निगम के वाहनों में ईंधन चोरी रोकने के लिए जीपीएस और फ्यूल गेज की अनिवार्यता तय की। बड़े शहरों जैसे भोपाल, इंदौर और ग्वालियर को ई-व्हीकल संचालन में मॉडल के रूप में विकसित करने और नगर निगमों के कम से कम 5 प्रतिशत वाहनों को सीएनजी पर संचालित करने का लक्ष्य दिया गया। आयुक्त ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी)में 15 मार्च 2026 तक एक लाख आवासों के लिए सब्सिडी स्वीकृत और जारी करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया।

नगर में आज

क्षमता संवर्धन कार्यशाला

- **स्थान:** प्रशासन अकादमी।
- **समय:** सुबह 10:30 बजे।
- **आयोजक:** लोक निर्माण विभाग
- **आयोजन:** क्षमता संवर्धन कार्यशाला और रोड नेटवर्क मास्टर प्लान का शुभारंभ।

अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला

- **स्थान:** एमसीयू कैंपस, बिशनखेड़ी।
- **समय:** दोपहर 01:30 बजे।
- **आयोजक:** माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विवि
- **आयोजन:** फोटो रिपोर्ताज फॉर द मीडिया विषय पर अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला।
- **वक्ता:** रिया नोवोस्ती और स्पुतनिक न्यूज एजेंसी के अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ।

फेयरवेल पार्टी

- **स्थान:** रास्ता रेस्टोरेंट, बंसल वन।
- **समय:** दोपहर 03:00 बजे।
- **आयोजक:** सैफिया कॉलेज छात्र संघ
- **आयोजन:** फ्रेशर्स एवं फेयरवेल पार्टी रास्ता-2026।

माह का प्रादर्श

- **स्थान:** इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, श्यामला हिल्स।
- **समय:** शाम 4:00 बजे।
- **आयोजक:** इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय
- **आयोजन:** एग्जीबिट ऑफ द मंथ के तहत श्रीकालहस्ती की 3000 साल पुरानी पारंपरिक कलमकारी कला का प्रदर्शन।

चित्र प्रदर्शनी

- **समय:** दोपहर 12:00 बजे से
- **स्थान:** मप्र जनजातीय संग्रहालय
- **आयोजक:** लिखंदरा दीर्घा
- **आयोजन:** गोंड चित्रकार कुम्हार सिंह धुर्वे द्वारा बनाए गए चित्रों की प्रदर्शनी।

चित्र प्रदर्शनी 'उद्भव'

- **समय:** शाम 6:00 बजे
- **स्थान:** आलियांस फ्रांसेज दे भोपाल, बी-75 शाहपुरा
- **आयोजन:** उज्जैन के चित्रकार नितेश पंचाल की एकल प्रदर्शनी का शुभारंभ। इसमें भारतीय ज्योतिष और जन्म कुंडली के प्रतीकों को समकालीन कला के माध्यम से कैनवास पर उतारा गया है।

अब एनडीएसए की टीम करेगी बड़ा तालाब-कलियासोत डैम की देखरेख

झील की सुरक्षा, पानी की गुणवत्ता बनाए रखने सहित अन्य मामलों पर केंद्र के दिशा-निर्देशों के तहत काम करेगा भोपाल नगर निगम

जागरण संवाददाता, भोपाल। बड़े तालाब को संवारने और इसे प्रदूषण मुक्त रखने केंद्र सरकार ने मप्र को करोड़ों का अनुदान दिया है, लेकिन तालाब की सेहत सुधरने की बजाय खराब ही होती चली गई। अब बड़े तालाब को संवारने और सुरक्षा का काम केंद्र सरकार अपने हाथ में लेने जा रही है। नेशनल डैम सेफ्टी एक्ट 2021 लागू होने के बाद देशभर के डैम सूचीबद्ध किए जा रहे हैं और भविष्य में निगरानी केंद्र सरकार के कर्मचारियों के हाथ में सौंप दी जाएगी, जिसके तहत 10 मीटर से अधिक ऊंचे डैम को जोड़ा जा रहा है। गत दिवस नेशनल डेम सेफ्टी आथॉरिटी (एनडीएसए) के अधिकारियों ने भोपाल की बड़ी झील, कलियासोत और भदभदा डैम का जायजा लिया और कलियासोत को अपनी सूची में शामिल कर लिया। जानकारी के अनुसार नेशनल डेम सेफ्टी आथॉरिटी की टीम देशभर में ऐसी नदियों का जायजा ले रही है, जिनके डैम 10 मीटर से अधिक ऊंचे हैं। इसके अलावा कई राज्य को जोड़ने वाली नदियां और डैम भी इस प्रोजेक्ट में शामिल हैं। इसी के तहत भोपाल की बड़ी झील और कलियासोत डैम को भी शामिल कर लिया गया है।

इन जलस्रोतों की सुरक्षा करेगा केंद्र

बारिश के दिनों में सीहोर की कोलांस नदी बड़ी झील तक पानी की सप्लाई करती है। बड़ी झील के भरने के बाद पानी को भदभदा बांध से छोड़ा जाता है। यहां से पानी कलियासोत डैम में इकट्ठा होता है। कलियासोत डैम के पूरे भरने पर इसे कलियासोत नदी में छोड़ा जाता है। यहां से पानी बेतवा, आगे चलकर यमुना नदी और अंत में गंगा नदी में मिल जाता है, जो अंत में बंगाल की खाड़ी में जाकर गिरता है।

हाल ही में खोलकर देखा गया भदभदा डैम का गेट

गत दिनों एनडीएसए के चेयरमैन अनिल जैन के नेतृत्व में भोपाल आई टीम ने भदभदा बांध का जायजा लिया था। सुरक्षा व्यवस्था को परखने के लिए भदभदा डैम का गेट खोलकर देखा गया था। कुछ मिनट तक गेट की टेस्टिंग के बाद गेट को बंद कर दिया गया, ताकि वॉटर लेवल पर असर न पड़े। इसके बाद टीम कलियासोत डैम पहुंची और आगे की स्थितियों को परखा।

केंद्रीय जल आयोग की निगरानी में होगा काम

नगर निगम भोपाल के जलकार्य विभाग के अनुसार एनडीएसए की टीम केंद्रीय जल आयोग की निगरानी में काम काज करेगी। अब भविष्य में यह टीम समय समय पर आकर बांध की जांच और सुरक्षा का ऑडिट करेगी। एनडीएसए की टीम ने पहली बार बांध का जायजा लेने के लिए शहर का दौरा किया था। अब टीम समय-समय पर यह काम करती रहेगी। वहीं बांध के जलभराव क्षेत्र, पानी की गुणवत्ता बनाए रखने सहित अन्य कार्यों में केंद्र की गाइडलाइन का पालन किया जाएगा। एनडीएसए के द्वारा जारी दिशा निर्देश के मुताबिक ही नगर निगम काम करेगा।

देर रात 3 बजे ईरानी डेरा में घुसे 400 अधिकारी और पुलिसकर्मी, 8 महिला समेत 39 को दबोचा

तीन घंटे चली ताबड़तोड़ कार्रवाई, घरों के अंदर टंकी दीवान के नीचे, टीनशेड की चादर पर चढ़े बदमाश

1 करोड़ कीमती सोने के जेवरात मिले, दो बस समेत 15 गाड़ियों से पहुंची थी पुलिस, 40 घरों में की कार्रवाई

काला ईरानी और राजू ईरानी के गैंग के सदस्य हैं बदमाश, काला अब भी फरार

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। कॉम्बिंग गश्त के दौरान मंगलवार-बुधवार की दरम्यानी रात तीन बजे करीब 400 अधिकारी-पुलिसकर्मी ईरानी डेरा (अमन कालोनी) में आपरेशन रेड-2 के लिए घुसे। टीम पहले से तय करीब 40 घरों में दाखिल हुई और कुख्यात बदमाशों को दबोच लिया। तीन घंटे की कार्रवाई में पुलिस ने 8 महिला समेत 39 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके खिलाफ स्थाई व गिरफ्तारी वारंट जारी थे। पुलिस को देख हड़कंप मच गया। बदमाश टंकी के अंदर, दीवान के नीचे और टीनशेड की चादर पर चढ़ गए। कुछ महिलाओं ने पुलिस से उलझने की कोशिश की, लेकिन बल की संख्या देख वह सहम गईं। फिल्म की शूटिंग की तरह दरवाजे तोड़कर भी पुलिस घर में घुसी। बदमाशों के घर से पुलिस ने 644 ग्राम सोने व 240 ग्राम चांदी के जेवरात, डेढ़ किग्रा गांजा, 39 मोबाइल, 17 दो पहिया वाहन समेत अन्य सामान बरामद किया। दो बस समेत 15 गाड़ियों से पुलिस ने दबिश दी थी। बदमाशों ने काला ईरानी और राजू ईरानी दोनों गैंग के सदस्य शामिल हैं। निशातपुरा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ पुलिस का रास्ता रोककर शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने का केस दर्ज किया है। काला ईरानी अब भी फरार है। इसके पूर्व ईरानी डेरा पर 27-28 दिसंबर की दरम्यानी रात पुलिस ने दबिश देकर महिला समेत 32 बदमाशों को गिरफ्तार किया था। नवागत पुलिस कमिश्नर संजय कुमार के मुताबिक, मंगलवार-बुधवार की रात कॉम्बिंग गश्त की गई। चारों

जोन के अधिकारियों-पुलिसकर्मियों को रात साढ़े 11 बजे कंट्रोल बुलाया गया। इसके बाद राजधानी में कॉम्बिंग गश्त की गई। विगत माह से थाना निशातपुरा में अन्य राज्यों व जिलों से कई बार आरोपियों की तलाश में पुलिस की टीमें आ रही थीं। जिनके छिपे होने की सूचना ईरानी डेरा में मिली थी। पुलिस के जाने पर यहां के लोग एकजुट होकर पुलिस पर हमला कर भगा देते थे। इस आधार पर इलाके व बदमाशों के घरों की मैपिंग कर पुलिस के करीब 400 अधिकारी-कर्मचारी ने ईरानी डेरा पर दबिश देकर बदमाशों की धरपकड़ की है। डीसीपी जोन-फोर के नेतृत्व में यह टीम ईरानी डेरा में दाखिल हुई।

एक महिला से गांजा, दूसरी से जेवरात भरा बैग बरामद

पुलिस को देखकर हड़कंप मच गया। लोग दूसरों के घरों में भी भागे। पुलिस ने पीछा कर, घरों की छतों से कूदकर उनको दबोच लिया। यहीं की महिलाएं विरोध करने आगे आईं, लेकिन पुलिस बल देखकर वह पीछे हट गईं। पुलिस ने पहले से चिन्हित किए वारंटी उठाना शुरू किए। वारंटी के बाद संदेहियों को दबोचा। बिना नंबर प्लेट की दो पहिया वाहन, पल्सर में स्कूटी का नंबर डले होने पर 17 दो पहिया वाहन जब्त किए। गिरफ्तार किए बदमाशों में से 5 स्थाई वारंटी जिनके विरुद्ध 7 स्थाई वारंट जारी हुए थे। नाजमा पति हबीब अली से 1 किलो 700 ग्राम गांजा बरामद किया। एक महिला से सोने से जेवरात से भरा बैग जब्त किया, जोकि सीने से लगाए बैठी थी। आरोपियों से सवा लाख रुपए नकदी जब्त की। आरोपियों में शामिल शहादत हुसैन उर्फ शादाब फतेह उल्ला पर सवा लाख रुपए का ईनाम है। वह राजगढ़ से फरार चल रहा था।

दरवाजा तोड़कर घुसी पुलिस

डीसीपी मयूर खंडेलवाल ने अचानक ढाई बजे कॉम्बिंग गश्त कर रहे 400 अधिकारी-कर्मचारी को करोंद चौराहे पर बुलाया। टीम का नेतृत्व डीसीपी ने किया। उनकी टीम में दो एडिशनल डीसीपी, आठ एसीपी, 16 निरीक्षक थे। निर्देश के बाद टीम ने दबिश दी। इसके पूर्व डीसीपी ने गारंटी ली कि कोई भी ऊंच-नीच होगी, उसकी जिम्मेदारी वह स्वयं लेंगे। इससे टीम का मनोबल बढ़ गया। 14 टीमों यह लोग बंटे। इसमें करीब 40 से अधिक महिला पुलिसकर्मी थीं। गलियों को घेरकर सभी आगे बढ़े और अपने-अपने निर्धारित टारगेट पर धावा बोल दिया। जिसने आराम से दरवाजा खोला, उसके साथ पुलिस नरमी से पेश आई और जिसने बदमाशी दी उसके दरवाजे तोड़कर अंदर दाखिल हुई।

ईरानी डेरा से ये गिरफ्तार

सादिक अली रायत अली, काजी बाबू खान, रहमान इमदाद, गुलाब नबी, मोहम्मद अली उर्फ साविर हुसैन, सरु उर्फ यूसूफ अली, मुख्तार खान उर्फ मुकद्दर मिर्जा, बाकर अली, वसीम खान, शब्बीर अली, सज्जाद हुसैन, मिर्जा उर्फ पिल्लू, जावेद अली उर्फ ईशा, शब्बीर अली, जाकिर हुसैन, शब्बीर अली उर्फ एपी, जहीर अली, रायत अली, हसनैन अली, जाफर अली उर्फ मिच्चा, नबी हसन उर्फ नबलू, अब्बास अली उर्फ अब्बासी, सफदर अली उर्फ सबदर अली, हसन अली, मोहम्मद अली उर्फ टिड्डा, शहादत हुसैन उर्फ शादाब, हैदर अली, शब्बीर खान उर्फ शब्बे, अमजद अली उर्फ गब्बर, मुजायद उर्फ मुजाहिद नादर, जाकिर हुसैन खान समेत जायदा बी, मरीयम, फतीम बी, बानो अली, खुशनूर, राबिया, मरियम जाकिर अली और नाजमा।

कॉम्बिंग गश्त में कुल 408 आरोपी गिरफ्तार

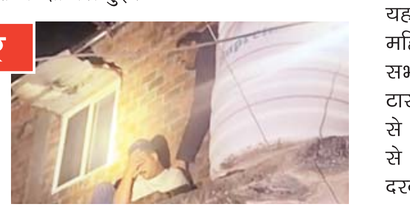

पुलिस कमिश्नरेट द्वारा की गई कॉम्बिंग गश्त के दौरान कुल 408 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। इसमें 283 स्थाई वारंटी और 125 गिरफ्तारी वारंटी शामिल हैं। गंभीर मामलों में फरार आरोपी, पूर्व वाहन चोर, नकबजन, जिला बदर समेत 21 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर कारोबारी से 1.60 लाख की ठगी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर कारोबारी से 1.60 लाख रुपए की ठगी सामने आई है। मुनाफे के लालच में आकर कारोबारी ने यह रकम गंवा दी। उन्हें सोशल मीडिया वाट्सएप के बाद टेलीग्राम के वीवीआईपी ग्रुप में जोड़कर झांसा दिया था। इस संबंध में पीड़ित ने राष्ट्रीय हेल्प लाइन नंबर 1930 में शिकायत की थी। जीरो पर केस दर्ज कर केस डायरी पिपलानी थाने भेजी गई है। पुलिस के मुताबिक, 50 जगजीत सिंह पिता स्व. वीर सिंह जेके रोड स्थित कर्मवीर नगर में रहते हैं। वह गैस के उपकरणों का निर्माण करते हैं। उनके वाट्सएप पर एक लिंक आई थी। इस लिंक को क्लिक किया था। इसमें शेयर मार्केट में निवेश करने पर अच्छे मुनाफे का लालच दिया गया। पहली बार जगजीत ने दो हजार रुपए निवेश किए, जिसमें उन्हें 1900 रुपए का फायदा हुआ। इसके बाद उन्हें टेलीग्राम में वीवीआईपी ग्रुप में जोड़ा गया। शुरुआत में उन्हें यहां भी मुनाफा मिला। लालच में आकर तीन किस्त में उन्होंने 1.60 लाख रुपए का निवेश किया। यह रकम जमा होने के बाद जालसाजों ने नंबर बंद कर लिए। ठगी का अहसास होने पर जगजीत ने तुरंत 1930 हेल्प लाइन में मदद मांगी। जिसके बाद उनकी जीरो पर प्रकरण दर्ज कर लिया गया। यह केस मंगलवार को पिपलानी थाने में कार्रवाई के लिए भेजा गया।

सोशल मीडिया वाट्सएप के बाद टेलीग्राम के वीवीआईपी ग्रुप में जोड़कर दिया झांसा

संक्षिप्त खबरें

नापतौल विभाग के कर्मचारी 16 को हड़ताल पर रहेंगे

जागरण संवाददाता, भोपाल। भिंड में नापतौल निरीक्षक सौरभ शर्मा के साथ पेट्रोल पंप मालिक के द्वारा गाली गलौच और जान से मारने की धमकी देने के विरोध स्वरूप पूरे प्रदेश के नापतौल कर्मचारी 16 फरवरी को एक दिवसीय सामूहिक हड़ताल पर रहेंगे। नापतौल विभाग के कर्मचारियों के अनुसार शासकीय ड्यूटी पर रहते हुए शर्मा के साथ गाली गलौच हुई है, लेकिन अब तक पेट्रोल पंप मालिक के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया है, जिसे देखते हुए कर्मचारी एकता दिखाते हुए आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करवाने के लिए हड़ताल करेंगे।

छात्रों की शिकायतें हल करने बीयू ने बनाई समिति

भोपाल। बरकतउल्ला विवि ने छात्रों की शिकायतों का निवारण करने विश्वविद्यालय छात्र शिकायत निवारण समिति (यूएसजीआरएस) का गठन कर दिया है। उक्त समिति का कार्यकाल सत्र 2025-26 से आगामी दो वर्ष लिए रहेगा। इसमें मनोविज्ञान विभाग के वरिष्ठ आचार्य प्रो भूपिन्दर सिंह को अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। अन्य सदस्यों में डीएसडब्ल्यू प्रो पवन मिश्रा, एक्सीलेंस कालेज के निदेशक प्रो प्रज्ञेश अग्रवाल, विधि विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो मोना पुरोहित, प्रौढ एवं सतत् शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो हेमंत खंडाई, समाजशास्त्र विभाग से प्रो अनीता धुर्वे और शारीरिक शिक्षा विभाग के एमपीएड में प्रवेशरत विद्यार्थी संजय भाबोर को शामिल किया गया है। विद्यार्थी अपनी समस्या के निराकरण के लिए उक्त समिति में शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

गोवंश मामले में फरार इनामी आरोपी गिरफ्तार

जागरण, भोपाल। ऐशबाग पुलिस ने गौवंश के हत्या के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार मंगलवार को मुखबिर से सूचना मिली थी कि पुष्पा नगर पार्किंग ग्राउंड के पास एक व्यक्ति पिस्टल लिए घूम रहा है। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस को देखकर आरोपी बस के पीछे छिप गया। लेकिन पुलिस ने उसे घेराबंदी कर पकड़ लिया। आरोपी की पहचान 25 वर्षीय मोहम्मद अमन पिता मोहम्मद जब्बार निवासी ऐशबाग के रूप में हुई।

बीमारी से परेशान होकर प्रोफेसर ने लगाई फांसी

सुसाइड नोट में किया जिक्र, गोल्डन सिटी रातीबड़ इलाके की घटना

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। बीमारी से परेशान होकर एक प्रोफेसर ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतक ने सुसाइड नोट छोड़ा है, जिसमें इसका जिक्र किया है। पुलिस ने सुसाइड नोट जब्त कर बुधवार को पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस के मुताबिक, 32 वर्षीय शैलेंद्र सिंह ठाकुर पिता महेंद्र सिंह ठाकुर मूल रूप से गोपालपुर गांव, आष्टा जिला सीहोर के रहने वाले थे। वह यहां गोल्डन सिटी रातीबड़ में रहते थे। शैलेंद्र एक निजी कालेज में बतौर प्रोफेसर नौकरी करते थे। मंगलवार रात को शैलेंद्र ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भिजवाया। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उसने लिखा है कि मैं बीमारी से परेशान हूं इसलिए जीना नहीं चाहता हूं। सभी को बहुत प्यार करता हूं। अपना ध्यान रखें और स्वस्थ रहें। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर सुसाइड नोट जब्त कर लिया है।

पत्नी को बच्चेदानी का कैंसर

शैलेंद्र ने भाई ने पुलिस को बताया कि शैलेंद्र को किसी तरह की गंभीर बीमारी नहीं थी। बीते कुछ समय से वह सर्दी और जुकाम बार-बार हो रहा था। कमजोरी आने से वह परेशान था। शैलेंद्र की पत्नी को बच्चेदानी का कैंसर है, जिसका इलाज एक साल से चल रहा है। फिलहाल अपनी गोपालपुर में मायके में है। मायके वाले ही उसका इलाज करवा रहे हैं। इस बात से भी शैलेंद्र तनाव में रहता था। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

नशे की हालत में युवक ने लगाई फांसी

टीला क्षेत्र में युवक ने फांसी लगा ली। मृतक ने कोई सुसाइड नोट नहीं छोड़ा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 30 वर्षीय भरत पवार सूबेदार कॉलोनी में रहता था। वह अपने भाई की फुटवियर की दुकान पर काम करता था। पिछले दो दिनों से वह ज्यादा शराब पी रहा था। मंगलवार सुबह उसके भाई ने भरत को दुकान खोलने के लिए कहा। जिस पर उसने मना कर दिया। इसके बाद मंगलवार रात आठ बजे उसने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। परिजनों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आटो चालक और उसके दो साथियों ने की लूट

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। पिपलानी इलाके में आटो चालक ने अपने दो साथियों के मिलकर सवारी युवक को पटक-पटक कर पीटा। इसके बाद उसे लूट लिया। पीड़ित ने घर जाने के लिए आटो रिक्शा किया था। चालक ने उसे अपने बगल में बैठाया। जबकि उसके दो साथी पहले से आटो में बैठे थे। पीड़ित की रिपोर्ट पर पिपलानी पुलिस ने सिर्फ मारपीट का केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, 30 वर्षीय प्रदीप लोधी पिता अनरथ लोधी दामखेड़ा छोला मंदिर में रहता है। वह पूर्व में नगर निगम के वाहन चलाता था। वर्तमान में कोकता ट्रांसपोर्ट नगर में कोई भी वाहन चलाने के लिए बोलता है उसे चलाने का काम करता है। बीती 7 फरवरी को प्रदीप कोकता से काम निपटाकर आनंद नगर चौकी के पास शराब दुकान पर पहुंचे।

मिनी ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। मिनी ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मोड़ पर मिनी ट्रक का पिछला हिस्सा उसके सिर से टकरा गया था। पहिए की रगड़ के साथ नीचे गिरा, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि उसका साथी घायल है। मूलतः सुल्तानपुर रायसेन निवासी 25 वर्षीय प्रवेश जाटव पिता रामस्वरूप जाटव यहां मराठी मोहल्ला आनंद नगर में रहता था। वह आनंद नगर स्थित राजकुमार साहू के टेंट हाउस में ड्रायवरी करता था। साइड का काम खत्म करने के बाद मंगलवार रात करीब 11 बजे प्रवेश अपने गांव के राममोहन कपोड़िया (17) के साथ बाइक पर सवार होकर गोदाम जा रहा था। वह अभी सुलभ कांपलेक्स के सामने आनंद नगर तिराहा के पास आगे चल रहे मिनी ट्रक में प्रवेश बगल से टकरा गया। इससे प्रवेश रगड़ खाते हुए नीचे सिर के बल गिरा। खून अधिक बहने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। साथी राममोहन को मामूली चोटें आई थीं। घटना के अचेत हालत में प्रवेश को हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया। डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सड़क हादसे में युवक की मौत : इधर, गांधीनगर इलाके में बीती 20 जनवरी को सड़क हादसे में घायल सोनू (26) की मंगलवार रात मौत हो गई। उसका एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस के मुताबिक, रतन कालोनी करोंद निवासी सोनू निजी काम करता था। घटना के रोज रात करीब 9 बजे वह बाइक से साथी के साथ घर की ओर जा रहा था। तभी नई जेल के सामने उसकी बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई थी। तब से उसका इलाज चल रहा था।

एसआईआर — 14 फरवरी को होना है ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन, रोज 6177 मतदाताओं की करनी होगी सुनवाई

जिले में 98.90 फीसदी मतदाता सत्यापित, तीन दिन में 18531 की होगी सुनवाई

जागरण संवाददाता, भोपाल। जिले में 98.90 फीसदी एसआईआर कार्य पूरा हो गया है। अब तक 16 लाख 68 हजार 502 मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में जोड़ दिए गए हैं, जबकि शेष बचे 18 हजार 531 मतदाताओं के दस्तावेज अगले तीन दिन में वेरिफाइड किए जाएंगे। इस तरह 14 फरवरी को जिले में मतदाताओं की कुल संख्या 16 लाख 87 हजार 033 हो जाएगी। बता दें कि जिले में 4 नवंबर को एसआईआर कार्य की शुरुआत हुई थी। तब मतदाताओं जिले में मतदाताओं की संख्या 21 लाख 25 हजार 908 थी। इन सभी मतदाताओं के नाम का मिलान 2003 की मतदाता सूची से किया जाना था। इस दौरान 4 लाख 38 हजार 875 मतदाता के नाम शिफ्ट होने, मतदाता सूची में दो बार नाम होने, मृत या अनुपस्थित होने के कारण काट दिए गए थे। जबकि लगभग 1 लाख 16 हजार 925 मतदाओं के नाम 2003 की सूची में नहीं मिले थे। इस कारण इन्हें नो मैपिंग में डाल दिया गया था। इसके बाद 23 दिसंबर से एसआईआर कार्य के द्वितीय चरण की शुरुआत हुई थी, जिसमें नो मैपिंग वाले मतदाताओं को नोटिस भेजने के साथ नई मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए फार्म-6 भरने, मृत मतदाताओं के नाम काटने के लिए फार्म-7 भरने और मतदाताओं के नाम, पते व मोबाइल नंबर में संशोधन के लिए फार्म-8 भरवाने की शुरुआत हुई थी। जिसमें फार्म भरने का कार्य 22 जनवरी तक किया गया, जबकि नो मैपिंग वाले मतदाताओं की सुनवाई 14 फरवरी तक चलना है।

जोड़े जाएंगे 80 हजार से ज्यादा मतदाता

इसके अलावा मतदाता सूची में 80 हजार 779 मतदाताओं को जोड़े जाना है। जिले में 23 दिसंबर से 22 जनवरी तक नए मतदाताओं को जोड़ने का काम भी शुरु हुआ था। इसके अलावा 10 हजार 534 मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काटे भी जाएंगे। इस तरह जिले में मतदाताओं की संख्या 17 लाख 57 हजार 278 तक पहुंच सकती है। हालांकि मतदाता सूची की स्पष्ट स्थिति 17 फरवरी को पता चलेगी। जब अंतरिम ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा और 21 फरवरी को फाइनल मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी।

भोपाल जिले में विधानसभा क्षेत्रों की स्थिति

विधानसभा	जोड़े गए मतदाता	जुड़ने वाला मतदाता	कुल मतदाता
बैरसिया	240976	40	241016
उत्तर	195885	2765	198650
नरेला	271229	2390	273619
द. पश्चिम	166901	3806	170707
मध्य	170580	6361	176941
गोविंदपुरा	301733	3124	304857
हुजूर	321198	45	321243
कुल	1668502	18531	1687033

गलत तरीके से कटवाए जा रहे नाम लोगों ने एसडीएम से की शिकायत

जागरण संवाददाता, भोपाल। एसआईआर के तहत गलत तरीके से फार्म 7 भरकर मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से कटवाने का प्रकरण सामने आया है। 12 मतदाताओं ने टीटी नगर एसडीएम अर्चना रावत शर्मा को शिकायती आवेदन देते हुए कहा कि गलत तरीके से उनके नाम मतदाता सूची से कटवाए जा रहे हैं, जबकि उनका नाम 2003 की मतदाता सूची में है। वर्तमान मतदाता सूची में भी उनका नाम है और वे न तो स्थानांतरित हुए हैं और न ही मतदाता सूची में उनका नाम दो बार है। इसके बाद भी गलत शिकायत कर उनका नाम मतदाता सूची से कटवाया गया है। सभी मतदाताओं ने पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना व अन्य के साथ मिलकर एसडीएम को ज्ञापन सौंप आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई करने और फिर ने नाम मतदाता सूची में जोड़ने की गुहार लगाई है। दक्षिण पश्चिम विधानसभा की निवासी रुकसाना बी ने बताया कि नेहरू कालोनी अंबेडकर नगर के रहने वाले पवन लोट द्वारा गलत फार्म 7 प्रस्तुत कर उनका नाम मतदाता सूची से कटवा दिया है। इसी तरह नसीम बानो ने बताया कि बाणगंगा निवासी महेंद्र वर्मा ने उनका नाम मतदाता सूची से कटवा दिया है, जबकि एसआईआर के दौरान उन्होंने गणना पत्रक भरकर जानकारी दी और उनका नाम 2003 की मतदाता सूची में भी है। इसी तरह से मनीष मैना ने रजिया, मोहम्मद सलीम और अमीन का नाम मतदाता सूची से कटवा दिया है।

वेदों और पुराणों में भगवान शिव के सगुण रूप के होते हैं दर्शन

जीवन दर्शन

प्रो. गिरिजा शंकर शास्त्री (अध्यक्ष, ज्योतिष विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय)

वेदों व पुराणों में भगवान शिव के सगुण रूप के दर्शन होते हैं जबकि शिव तत्व का वर्णन करना मनुष्य क्या देवी-देवताओं के लिए भी शक्य नहीं है। वेद तो उस तत्व के लिए नेति-नेति कहकर मौन धारण कर लेते हैं। पुराण सगुण शिव के चरित्र का वर्णन-कथा के रूप में करते हुए यत्किंचिद् उनकी महिमा पर प्रकाश डालते हैं। भगवान शिव की अतिशय प्रिय रात्रि ही शिवरात्रि है। भगवान शिव जिस पर्व को स्वयं उत्सव के रूप में मनाते हैं, उसे शिवरात्रि कहते हैं। चतुर्दशी तिथि के स्वामी भगवान शिव हैं। महाशिवरात्रि का महत्व अनेक कारणों से कहा गया है। वेदों में एक ही तत्व को अनेक रूपों में ब्रह्म, परमात्मा, भगवान, ईश्वर तथा सदाशिव कहा गया है। वेदों व पुराणों में भगवान शिव के सगुण रूप के दर्शन होते हैं, जबकि शिव तत्व का वर्णन करना मनुष्य क्या, देवी-देवताओं के लिए भी शक्य नहीं है। वेद तो उस तत्व के लिए नेति-नेति कहकर मौन धारण कर लेते हैं। पुराण सगुण शिव के चरित्र का वर्णन-कथा के रूप में करते हुए यत्किंचिद् उनकी महिमा पर प्रकाश डालते हैं। भगवान शिव की अतिशय प्रिय रात्रि ही शिवरात्रि है। कहा गया है कि 'पर्वोत्सवमयीह्येषा शिवरात्रि प्रशस्यते' अर्थात भगवान शिव जिस पर्व को स्वयं उत्सव के रूप में मनाते हैं, उसे शिवरात्रि कहते हैं। चतुर्दशी तिथि के स्वामी भगवान शिव हैं। महाशिवरात्रि का महत्व अनेक कारणों से कहा गया है। ईशानसंहिता के अनुसार, इसी तिथि के मध्यरात्रि में ब्रह्मा एवं विष्णु के विवाद का शमन करने हेतु अनंत ज्योतिर्लिंग का प्राकट्य हुआ था। शिवपुराण के अनुसार, इस तिथि को भूतभावन भगवान शिव का परिणय हिमालय की पुत्री पार्वती से हुआ था। स्कंदपुराण के अनुसार मां पार्वती रात्रि स्वरूपा हैं और भगवान शिव दिवा स्वरूप हैं। इसी रात्रि के समय भगवान शिव अपनी समस्त शक्तियों एवं गणों के साथ उत्सव मनाते हैं। अतः इस पर्व पर रात्रि जागरण की महिमा अतिविशिष्ट है। भगवती पार्वती को माया या प्रकृति कहा गया है, जबकि भगवान शंकर मायापति हैं। समस्त जगत उनका अवयव होने से वे सम्पूर्ण जगत में व्याप्त हैं। धर्मराज युधिष्ठिर ने एक बार भीष्म पितामह से शंकर जी के गुणों को जानने की जिज्ञासा की, तब भीष्म पितामह नें कहा था कि मैंने भगवान श्रीकृष्ण से शिव तत्व के विषय में पूछा था, उन्होंने कहा कि मैं पूर्णरूपेण महादेव के गुणों को कहने में असमर्थ हूं। वह सर्वगत होते हुए भी प्रत्यक्ष दृष्टिगोचर नहीं होते। अतः जो जीव गर्भ, जन्म, वृद्धावस्था से युक्त हैं, वे भला उनके गुणों को कहां से बता सकते हैं। इस कलिकाल में भगवान शिवजी का अवतार आदि शंकराचार्य के रुप में पृथ्वीलोक पर धर्म संस्थापनार्थ हुआ था। सनातन धर्म के क्षीण होने पर मान्यता है कि धर्म की स्थापना हेतु भगवान शंकर, शंकराचार्य के रूप में अवतरित हुए थे और यह कहा गया है कि शंकरः शंकरः साक्षात्॥ ये भगवान शंकर के साक्षात अवतार हैं। इसका प्रमाण इनके शैशवावस्था से मिलने लगा था।

पर्व एवं संस्कृति

श्री श्री रवि शंकर
आध्यात्मिक गुरु

योग में शिव चेतना की चौथी अवस्था है। तुरीय अवस्था। ध्यानस्थ अवस्था, जो जागृति, निद्रा और स्वप्नावस्था से परे है। शिव अद्वैत चेतना हैं, जो सब जगह उपस्थित हैं। इसलिए शिव पूजन से पहले अपने आप को शिव में विलीन करना होता है।

जगाएं अपनी शिव चेतना

आप शिव की पूजा तभी कर सकते हैं, जब आप स्वयं शिव हों, चिदानंद रूप, शुद्ध आनंद की चेतना। शिव तपो योगगम्य हैं, उन्हें तप और योग के माध्यम से जाना जा सकता है। ध्यान और प्राणायाम के माध्यम से शिव तत्व को अनुभव किया जा सकता है। महाशिवरात्रि (15 फरवरी) पर विशेष।

शिव गहन मौन और स्थिरता का एक ऐसा आकाश हैं, जहां पर मन की सभी गतिविधियां घुल जाती है। यह आकाश, आप जहां पर भी हैं, वहीं पर है। आपको दिव्यता पाने के लिए बड़े-बड़े तीर्थ करने की आवश्यकता नहीं है। आप जहां पर हैं, यदि वहां पर दिव्यता नहीं पा सकते तो इसे अन्यत्र पाना असंभव है। जिस क्षण आप केंद्र में स्थित होते हैं, आप दिव्यता को हर क्षण, हर स्थान पर देखते हैं। ध्यान में ऐसा ही होता है।

भगवान शिव का एक नाम अद्यंतहीन है, जिसका कोई आदि और अंत ना हो। हममें से अधिकतर लौकिक रूप में यह सोचते हैं कि शिव अपने गले में सर्प लपेटे हुए पहाड़ों पर बैठे हैं, लेकिन आध्यात्मिक रूप में शिव कोई व्यक्ति नहीं हैं, चेतना हैं। शिव वह हैं, जिसमें से हर एक का जन्म होता है, जो इस क्षण को चला रहे हैं। जिसमें हर रचना विलीन हो जाएगी। शिव की मूर्ति में जो भी रूप आप देख रहे हैं, वह उनका ही रूप है। सिर्फ उसी में नहीं, वे समस्त रचनाओं में समाए हुए हैं। ना तो उनका जन्म हुआ है, ना ही उनकी मृत्यु होगी। वे शाश्वत हैं।

शिव को विरुपाक्ष भी कहा जाता है। इसका अर्थ है, जिसका कोई आकार ना हो, लेकिन वह सब देखता हो। ऐसा क्वांटम मैकेनिक्स में भी बताया गया है। वह जो देखता है और जो देखा जाता है, दोनों ही देखने की प्रक्रिया से प्रभावित हो जाते हैं। हम जानते हैं कि हमारे चारों तरफ वायु है और हम इसे अनुभव भी कर सकते हैं, लेकिन तब क्या हो, जब हवा भी हमें अनुभव करना आरंभ कर दे? हमारे चारों तरफ आकाश है, हम इसे पहचानते हैं, लेकिन क्या हो यदि आकाश हमारी उपस्थिति को पहचानने लगे? दिव्यता हमारे चारो ओर है और आपको देख रही है। यह हमारे अस्तित्व का निराकार भाग है और यही उद्देश्य भी - दृष्टा, दृश्य और देखा जाना। यह निराकार दिव्यता ही शिव है।

महाशिवरात्रि के दिन शिव तत्व को इस प्रकार अनुभव करना ही जागृति है। प्रायः जब उत्सव होता है तो सजगता नहीं होती। गहन विश्राम और जागृति के साथ उत्सव ही शिवरात्रि है। इसमें हम पूरी सजगता के साथ विश्राम करते हैं। जब आप किसी समस्या का सामना करते हैं तो आप सजग और सावधान होते हैं। जब सब कुछ सही हो तो हम विश्राम की अवस्था में होते हैं। लेकिन शिवरात्रि पर हम विश्राम सजगता के साथ करते हैं। ऐसा कहा जाता है कि योगी तब भी जागता है, जब सब सो रहे होते हैं। एक योगी के लिए हर दिन शिवरात्रि होती है।

योग में शिव चेतना की चौथी अवस्था है। तुरीय अवस्था। ध्यानस्थ अवस्था, जो जागृति, निद्रा और स्वप्नावस्था से परे है। शिव अद्वैत चेतना हैं, जो सब जगह उपस्थित हैं। इसलिए शिव पूजन से पहले अपने आप को शिव में विलीन करना होता है। आप शिव की पूजा तभी कर सकते हैं, जब आप स्वयं शिव हों। जो कि चिदानंद रूप है - शुद्ध आनंद की चेतना। शिव तपो योगा गम्या हैं, उन्हें तप और योग के माध्यम से जाना जा सकता है। बिना योग के शिव अनुभव नहीं हो सकते। योग का अर्थ मात्र आसनों से नहीं है, ध्यान और प्राणायाम के माध्यम से शिव तत्व को अनुभव करना है।

शिव को पंचमुख भी कहते हैं। पंचतत्व। पांच तत्वों को शिव के पांच मुख माने गए हैं। जल, वायु, पृथ्वी, अग्नि और आकाश। पांच तत्वों को समझना ही तत्वज्ञान है। शिव पूजन का अर्थ है, शिव तत्व में विलीन होना और फिर प्रत्येक के प्रति शुभेच्छा रखना। सर्वे जना सुखिनो भवंतु। महाशिवरात्रि पर अनेकता से युक्त चेतना को एकरूप चेतना में परिवर्तित करना है, जो कि हर एक रचना का कारण है।

शिव की अर्द्ध परिक्रमा का रहस्य

गणेश जी गणाधिपति हैं, गण तीन तीन मात्राओं से ही निर्मित होता है, जो छंदशास्त्र में प्रसिद्ध है, अतः गणोश जी की तीन परिक्रमा तथा भगवान विष्णु चतुर्भुज हैं अतः चार परिक्रमा की जाती हैं। किंतु शंकर जी अर्धनारीश्वर हैं, अतएव आधी परिक्रमा ही मनीषियों द्वारा मान्य है।

**एकाचण्ड्या रवौसप्त, त्रिस्त्रः कुर्याद् विनायके।
हरौ चतस्त्रः कार्या शिवस्यार्ध प्रदक्षिणा॥**

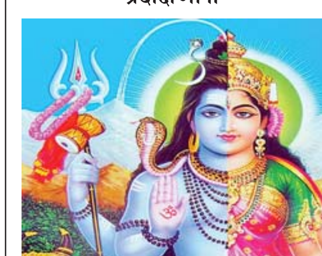

अर्थात दुर्गा आदि देवियों की परितकिमा एकबार, सूर्य की सात बार, गणेश जी की तीन बार, भगवान विष्णु की चार बार, जबकि भगवान शंकर की आधी परिक्रमा ही करनी चाहिए। दुर्गा जी एकमात्र शक्तिस्वरूपा हैं जैसा कि वह कहती हैं -'एकैवाहं जगत्यत्र द्वितीया का ममापरा' अतः इनकी एक परिक्रमा, भगवान सूर्य सप्तरश्मि हैं, सप्ताश्व हैं, अतः सात परिक्रमा। गणेश जी गणाधिपति हैं, गण तीन तीन मात्राओं से ही निर्मित होता है, जो छंदशास्त्र में प्रसिद्ध है, अतः गणोश जी की तीन परिक्रमा तथा भगवान विष्णु चतुर्भुज हैं अतः चार परिक्रमा की जाती हैं। किंतु शंकर जी अर्धनारीश्वर हैं, अतएव आधी परिक्रमा ही मनीषियों द्वारा मान्य है। शिवस्यार्ध प्रदक्षिणा। आधी परिक्रमा का कारण जलहरि का उल्लंघन न करना ही है। कहा जाता है कि गंधर्वराज पुष्पदंत ने इसका अतिक्रमण किया था, जिसका परिणाम हुआ कि वह गंधर्व पद से च्युत हो गया। बहुत काल पश्चात् जब वह शिवमहिम्नस्तोत्र की रचना करके महादेव की आराधना किया, तब उद्धार हुआ।

मंथन मीमांसा

आचार्य नारायण दास
श्रीमद्भागवत मर्मज्ञ

मन एव मनुष्याणां कारणं बंधमोक्षयोः

समुद्र-मंथन की कथा मनुष्य के सामाजिक व आध्यात्मिक जीवन का पथ प्रशस्त करती है और जीवन के साफल्य का बोध कराती है। आज समुद्र मंथन से निःसृत रत्नों की श्रृंखला में पढ़ें सातवें रत्न रंभादि अप्सराओं की आध्यात्मिक विवेचना...

समुद्र मंथन के सातवें क्रम में रंभादि अप्सराएं निकलीं, जिन्होंने स्वतः देवताओं का वरण कर लिया। अप्सराएं मन में निहित कल्प-कल्पांतर, युग-युगांतर और जन्म- जन्मांतर की वासनाओं का प्रतीक हैं। जब कोई साधक संसार मोह सागर को साधना की नौका से पार करने प्रयास करता है, उस संसार की वासनाएं अनेकानेक लुभावने रूप धारण कर उसे विचलित करने का प्रयास करती हैं।

स्मरण रहे, संसार की वासना आंख और कान के माध्यम से मनुष्य के अंदर प्रवेश कर, उसे पतित और लक्ष्य से च्युत कर उसका विनाश कर देती है। इंद्रियों द्वारा सांसारिक भोगों को भोगते समय प्रथम सुखानुभूति होती है, किंतु बाद में उसका परिणाम विभिन्न प्रकार के रोग दुखों के द्वारा त्रास देता है। जैसे-जैसे भोग और संग्रह की आसक्ति बढ़ती है, वैसे-वैसे पापाचार, मिथ्याचार और अनाचार बढ़ता है। यह सिद्धांत है हम जिससे सुख चाहेंगे, उसका दास बनना ही पड़ेगा। इसलिए परमार्थपथ के पथिक को संसार की नश्वर वासना के प्रति आंख और कान नहीं देना चाहिए, क्योंकि जहां आंख जाएगी वहां मन चला जाएगा। यह मन ही हमें संसार में फंसाता है और निकालता भी है। यही बंधन और मोक्ष का कारण भी है। 'मन एव मनुष्याणां कारणं बंधमोक्षयोः'।

इंद्रियां घोड़े हैं, मन लगाम है, बुद्धि सारथी है, रथ में बैठा जीव ही रथी है। संसार की विषय-वासना ही हरी-भरी घास है, जिसका मन भगवान में रमण करता है, उसके इंद्रिय रूपी घोड़े संसार की विषय-वासना में फंसकर अपना मार्ग नहीं भटकते हैं। अतः मन को भगवान की भक्ति में लगाना चाहिए, जिससे इंद्रियों रूपी घोड़े नश्वर विषय वासना की ओर नहीं भाग सकेंगे।

संक्षिप्त खबरें

पालक, चुकंदर व अपराजिता से हर्बल रंग बनाने का प्रशिक्षण

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी कालेज में बुधवार को पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम 2026 का उद्घाटन किया गया। कालेज के ईको क्लब और वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ हर्बल रंगों पर एक विशेष कार्यशाला के साथ हुआ। इसमें डॉ सरला पटेल ने विद्यार्थियों को पालक, चुकंदर, अपराजिता और गेंदा से विभिन्न प्रकार के हर्बल रंग बनाने का प्रशिक्षण दिया। इसमें विद्यार्थियों में सुहानी कुशवाहा, सविता बंजारा, अंशिका पंडाग्रे,नंदिनी तोलानी, परी जाटव, सलोनी बैरागी, अपेक्षा एवं भारी संख्या में अन्य विद्यार्थियों ने भागीदारी की। प्राचार्या डॉ. शालिनी सक्सेना ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला और छात्रों से इस दिशा में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। ईको क्लब प्रभारी डॉ. कीर्ति जैन ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में ईको क्लब के सदस्यों के प्रयासों की सराहना की। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ राजेश श्रीवास्तव ने कृत्रिम रंगों के हानिकारक प्रभावों से विद्यार्थियों को अवगत कराया एवं प्राकृतिक रंगों के महत्व पर प्रकाश डाला और साथ ही विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. एसडी सिंह ने भविष्य में भी ऐसे सार्थक आयोजनों की उम्मीद जताई।

सैम ग्लोबल यूनिवर्सिटी में 59वां स्थापना दिवस जोश और उत्साह के साथ मना

भोपाल। सैम ग्रुप ने सैम ग्लोबल यूनिवर्सिटी ऑडिटोरियम में 59वां फाउंडेशन डे पूरे जोश और उत्साह के साथ मनाया। यह सैम ग्रुप के स्वर्गीय फाउंडर चेयरमैन आई.एस. सलूजा की 86वीं जयंती पर मनाया गया। फाउंडेशन डे के तौर पर मनाया गया सैम-अर्थ 2026 - टेक-फेस्ट, स्पोर्ट्स और कल्चरल इवेंट्स का मेल में सैम ग्रुप के सभी 3 कैंपस के सभी इंस्टीट्यूशन्स से 3000 से च्यादा पार्टिसिपेंट्स ने हिस्सा लिया। फाउंडेशन डे की थीम थी वेदासं से विकसित भारत - 2047। इस 10 दिन के इवेंट में टेक्निकल फेस्ट में मॉडल प्रेजेंटेशन, पोस्टर मेकिंग, टेक्निकल रंगोली, रोबो-रेस आदि शामिल थे। सैम खेलोत्सव में टीमों के बीच कड़ा मुकाबला था, जिसमें टर्फ क्रिकेट, टग-ऑफ-वॉर, खो-खो, हेप्टाथलॉन और डिस्कस थ्रो, जेवलिन और शॉट-पुट जैसे इंडिविजुअल ट्रैक एंड फील्ड इवेंट्स शामिल थे। सैम गॉट टैलेंट, सैमियंस के बीच एक वार्षिक प्रतिभा खोज प्रतियोगिता थी जिसमें सोलो और ग्रुप डांस, बीट बॉक्सिंग, गायन, स्टैंड-अप कॉमेडी और अन्य श्रेणियों में भी प्रतिभागियों ने भाग लिया था।

स्मार्ट मीटर सभी उपभोक्ताओं के लिए फायदेमंद, कंपनी चला रही अभियान

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा 09 फरवरी से 23 फरवरी 2026 तक स्मार्ट मीटर पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस दौरान कंपनी कार्यक्षेत्र के अंतर्गत उपभोक्ता जागरूकता को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। कंपनी के प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग ने बताया कि स्मार्ट मीटर पखवाड़ा के दौरान उपभोक्ताओं को जहां स्मार्ट मीटर के फायदे बताए जा रहे हैं, वहीं जिज्ञासाओं का समाधान भी किया जा रहा है। प्रबंध संचालक गर्ग ने बताया कि इस दौरान उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर से होने वालें लाभों जैसे भुगतान सुविधा, रियल टाइम डेटा, खपत पर बेहतर नियंत्रण एवं पारदर्शी बिलिंग, बेहतर सेवा के संबंध में व्यापक रूप से अवगत कराया जा रहा है।

16 के बाद होगा ज्योति टॉकीज नाले का निर्माण, पुलिस चौकी का रास्ता हुआ बंद

ट्रैफिक डायवर्ट कर एक माह में नाले का निर्माण होगा पूरा

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। ज्योति टॉकीज चौराहे के नाले का निर्माण कार्य 16 फरवरी के बाद से शुरू हो जाएगा। सड़क को यातायात के लिए बंद कर दिया जाएगा। नाले को गुजरात में बनाए जाने वाले प्री-कास्ट बॉक्स कल्वर्ट (सीमेंट-कंक्रीट की तैयार पुलिया) से बनाया जाएगा। ठेकेदार 16 फरवरी के बाद से नाले का निर्माण कार्य शुरू करेगा। इसके पहले पीडब्ल्यूडी द्वारा बेरिकैटस लगाकर रास्ते को बंद किया जाएगा। बुधवार को पीडब्ल्यूडी ने निर्माण कार्य शुरु करने के पहले डायवर्जन करने के लिए ज्योति टाकीज से लगी पुलिस चौकी के सामने बेरिकैटस लगाकर एक तरफ का रास्ता बंद कर दिया है। उक्त सड़क को सीमेंट कंक्रीट डालकर तैयार किया जा रहा है, ताकि जब पुल का निर्माण कार्य शुरु हो सके, तो लोगों को आने जाने में कोई परेशानी नहीं उठाना पड़े। दो दिन में सड़क का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा, तो बेरिकैटस हटाकर नाले का निर्माण कार्य शुरु करने के लिए एक तरफ की सड़क को बंद किया जाएगा, जिससे ट्रैफिक जाम की स्थिति नहीं बन सके। करीब 32 मीटर चौड़ी सड़क पर एक सिरे से दूसरे सिरे तक 3×3×3 के 11 बॉक्स क्रेन की मदद से नाले में रखे जाएंगे। उक्त बॉक्स को रखने के लिए नाले को खोदकर उसका बेस तैयार किया जाएगा। बॉक्स को रखने के बाद उनके ऊपर दोबारा से सीमेंट कंक्रीट को डालकर पकाया जाएगा, ताकि उक्त नाले पर से भारी वाहन तक गुजर सके। उक्त निर्माण की लागत करीब 90 लाख रुपए बताई जा रही है।

1 माह तक ट्रैफिक रहेगा डायवर्ट

उक्त निर्माण में एक माह का समय लगेगा। इसलिए एक माह तक पूरा ट्रैफिक डायवर्ट किया जाएगा, ताकि निर्माण कार्य में व्यवधान नहीं आ सके। इसलिए पीडब्ल्यूडी एक तरफ की सड़क बंद का नाले का निर्माण किया जाएगा। जब एक तरफ का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। इसके बाद दूसरे तरफ की सड़क बंद का पूरा नाला तैयार किया जाएगा। ट्रैफिक कंट्रोल में नियंत्रित करने के लिए पीडब्ल्यूडी ट्रैफिक थाना से पत्र व्यवहार भी करेगा। क्योंकि उक्त सड़क पर काफी ट्रैफिक रहता है।

11 बाक्स से तैयार होगा नाला

बोर्ड ऑफिस से ज्योति टॉकीज आने वाली सड़क पर 17 जुलाई को अचानक आठ फीट का गड्ढा हो गया था। यह गडढ़ा नाले में पानी के बहाव बढ़ने के कारण हुआ था। तब पीडब्ल्यूडी ने महज दो दिन की मशक्कत में सुधार कार्य पूरा कर लिया था। प्री-कास्ट बॉक्स कंक्रीट से बने ढांचे होते हैं, जो सिर्फ गुजरात की फैक्ट्री में ही तैयार होते हैं। फिर उन्हें साइट पर स्थापित किया जाता है। ये बॉक्स कलवर्ट सामान्य तौर पर हाईवे और रेलवे में उपयोग की जाती हैं। अभी तक मप्र में शहरी सड़कों में इस तरह बॉक्स कल्वर्ट नहीं लगाए गए हैं। यह पहला मौका होगा जब गुजरात से लाग गए प्री कास्ट बाक्स से नाला तैयार किया जाएगा।

> अगले सप्ताह से ज्योति टॉकीज चौराहे पर प्री-कास्ट बॉक्स कलवर्ट से नाले को तैयार किया जाएगा। ट्रैफिक डायवर्ड कर नाला तैयार किया जाएगा।
>
> ■ **संजय मस्के,** चीफ इंजीनियर पीडब्ल्यूडी

एमबीबीएस छात्रा की खुदकुशी का मामला

रूममेट ने परिजनों को बताया था- पढ़ाई को लेकर डिप्रेशन में है रोशनी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। गांधी मेडिकल कालेज की एमबीबीएस छात्रा रोशनी कलेश की संदिग्ध परिस्थिति में हुई मौत के मामले में पुलिस की जांच जारी है। पीएम के बाद पुलिस ने बिसरा प्रिजर्व किया है। कोहेफिजा पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा। वहीं पुलिस की जांच में सामने आया है कि रोशनी की रूममेट वैष्णव मंडलोई ने फोन कर उसके परिजनों को बताया था कि रोशनी पढ़ाई को लेकर डिप्रेशन में है। उसे आप लोग समझाना। उसका कहना है कि परिजनों को उसे अभी घर से भेजना नहीं था। हो सकता कुछ समय बाद वह नार्मल हो जाती। कोहेफिजा पुलिस के मुताबिक, मूलतः अलीराजपुर निवासी 19 वर्षीय रोशनी कलेश पिता वंतर सिंह यहां कोहेफिजा स्थित बीडीए कालोनी में एक प्राइवेट हॉस्टल में पीजी के रूप में रहती थी। उसके साथ रूममेट वैष्णव मंडलोई भी रहती है। दोनों जीएमसी में फर्स्ट ईयर की छात्रा थीं। यहां एमबीबीएस की अन्य छात्राएं भी रहती हैं। 28 जनवरी को रोशनी के पेपर हुए थे। इसमें से रोशनी का पेपर बिगड़ गया था। बाद में छात्राओं के बीच पेपर बिगड़ने को लेकर आपस में बात हुई। पेपर बिगड़ने से रोशनी तनाव में आ गई। पेपर के बाद कुछ दिन की छुट्टी थी। रोशनी और उसकी रूममेट अपने-अपने गांव चली गईं। जहां से 8 फरवरी को रोशनी वापस लौटी। सोमवार को वह कालेज गई। सोमवार रात को फिर से पेपर बिगड़ने को लेकर रोशनी और वैष्णव के बीच बातचीत हुई। रोशनी काफी चिंता कर रही थी। वैष्णव ने उसे समझाया कि कोई बात नहीं अभी फर्स्ट ईयर है। धीरे-धीरे आ जाएगा। सभी के पेपर बिगड़े हैं। कोई बात नहीं। आगे हम अच्छा कर लेंगे। रात 12 बजे दोनों छात्राओं सोने चली गईं। मंगलवार सुबह बाथरूम में मृत मिली। उसने एसिड पीकर अपनी जान दे दी थी। पुलिस की जांच जारी है।

परीक्षाएं सिर पर, केंद्र में नियुक्त नहीं हुए डीपीसी

20 फरवरी से शुरू होना हैं पांचवीं एवं आठवीं की परीक्षाएं, व्यवस्थाएं चरमराईं

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। बीस फरवरी से पांचवीं एवं आठवीं की परीक्षाएं शुरू हो जाएंगी, पर राज्य शिक्षा केंद्र में डीपीसी अधिकारी का अभाव है। परीक्षाओं की व्यवस्थाएं हासिए पर आ गई हैं। कलेक्टर ने स्थिति को नियंत्रित करने संयुक्त कलेक्टर को अतिरिक्त प्रभार दिया है। एक दशक पहले डीपीसी वित्तीय अनियमितताओं के आरोप में हटाये गए थे। जिला प्रशासन ने गत वर्ष अक्टूबर में संयुक्त कलेक्टर को डीपीसी कार्यालय का प्रभार दिया है। राजधानी के शिक्षकों ने अपने पक्ष रखते हुए कहा है कि संयुक्त कलेक्टर प्रशासनिक अधिकारी हैं। उनके पास अन्य विभागों के काफी कार्य होते हैं, जिसके कारण वे डीपीसी का कार्य पूरा करने में चूक जाते हैं। डीपीसी शिक्षकों के बीच से ही उसकी वरिष्ठता के आधार पर नियुक्त होना चाहिए। जिला प्रशासन का नियंत्रण होने से शिक्षकों से लेकर बीआरसीसी भी संतोषजनक कार्य नहीं हो रहे हैं।

निरीक्षण कार्य ठप

स्कूलों का निरीक्षण कार्य बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। कार्यालय में बाबूगिरी हावी है। उनके मार्गदर्शन में ही सभी कार्य हो रहे हैं। इसके चलते शिक्षकों की नियमित बैठकें तक बंद हो चुकी हैं। पांचवी और आठवीं की परीक्षाएं 20 फरवरी से शुरु होना है। परीक्षाओं की तैयारियों को लेकर कोई खास व्यवस्थाएं स्कूलों में नहीं दिखाई दे रही हैं। शिक्षक नेता राकेश पटेल का कहना है कि राज्य शिक्षा केंद्र ने डीपीसी नियुक्त करने पांच माह पहले परीक्षा करा ली गई है लेकिन उसका रिजल्ट आज तक जारी नहीं हो सका है।

निजामुद्दीन कॉलोनी में बोर्ड परीक्षा के बीच लगा मेला, हटाने की मांग

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। प्रदेश में बोर्ड परीक्षाएं शुरू हो चुकी हैं और प्रशासन द्वारा सख्त गाइडलाइन जारी की गई है। इसके बाद भी भोपाल की निजामुद्दीन कॉलोनी में रहवासी क्षेत्र के बीचों-बीच मेले का आयोजन किया जा रहा है। इससे लेकर विवाद शुरू हो गए हैं। हाउसिंग को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड ने मेले पर तत्काल प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए प्रशासन को शिकायत सौंपी है। जानकारी अनुसार टीम क्लीन एंड ग्रीन हजरत निजामुद्दीन द्वारा महिला उद्यमी मेला 2026 का आयोजन गुरुवार से 15 फरवरी तक किया जाएगा। सोसायटी का आरोप है कि यह आयोजन बिना वैधानिक अनुमति के किया जा रहा है और इससे बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को गंभीर असुविधा हो सकती है। सोसायटी का दावा है कि जिस जमीन पर मेला लगाया जा रहा है, वह विवादित है। मामला न्यायालय में लंबित है। ऐसे में वहां आयोजन करना नियमों के विरुद्ध है। सोसायटी पदाधिकारियों का कहना है कि कुछ लोग मेले की आड़ में विवादित भूमि पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। इस मामले में ईओडब्ल्यू में शिकायत दर्ज कराए जाने की भी जानकारी सामने आई है। हाउसिंग सोसायटी के प्रतिनिधि सैय्यद शाहिद अली ने कहा कि बोर्ड परीक्षाओं के बीच ऐसे आयोजन अनुचित हैं।

पुलिस अभिरक्षा से संदेही के भागने के मामले में शाहपुरा थाना प्रभारी सस्पेंड

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। शाहपुरा थाना पुलिस का अभिरक्षा से चोर के भागने के मामले में पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने थाना प्रभारी की लापरवाही पाई। इस मामले में थाना प्रभारी लोकेंद्र ठाकुर को बुधवार को सस्पेंड कर दिया गया है। इस मामले में पूर्व में सिपाही को सस्पेंड किया जा चुका है।

जानकारी के मुताबिक, करीब दस दिन पहले शाहपुरा पुलिस ने एक संदेही चोर को गुपचुप तरीके से पकड़ा था। पांच दिन तक पुलिस उसे अपने पास कैमरों से बचाकर रखे रही। एक दिन सिपाही जितेंद्र गुर्जर ने उसे धूप सेंकने के लिए बाहर बैठा दिया। जहां से वह भाग निकला। इस पर पुलिस अभिरक्षा से भागने का केस दर्ज हुआ। इसकी जानकारी लगने पर अफसरों ने तुरंत सिपाही को सस्पेंड कर दिया। इस मामले की जांच जारी थी। जांच में पुलिस कमिश्नर ने थाना प्रभारी लोकेंद्र ठाकुर की लापरवाही पाई, जिसके बाद उन्हें सस्पेंड कर दिया है। बताया गया है कि संदेही का न तो कोई पुराना आपराधिक रिकार्ड मिला और न ही वर्तमान में उस पर पुलिस ने कोई केस दर्ज किया है। जिस मामले में पुलिस ने उसे पांच दिन तक रखा। उस मामले में एक महीने पहले खात्मा लग गया है। हम बता दें कि अगस्त 2025 में एक सीए के घर में चोरी हुई थी। चोर जेवर व नकदी चोरी कर ले गया था, लेकिन उसका चेहरा साफ दिखाई नहीं दिया था। इस मामले में पुलिस ने 12 दिसंबर 2025 को खात्मा लगा दिया था।

पुलिस कमिश्नर ने जारी किए आदेश, पूर्व में सिपाही भी हो चुका सस्पेंड

संक्षिप्त खबरें

दुष्यंत सभागार में बांके बिहारी भजन संध्या का आयोजन

जागरण, भोपाल। दुष्यंत कुमार पांडुलिपि संग्रहालय का सभागार बुधवार को श्रीराधे-कृष्ण के भक्तिमय भजनों से गुंजायमान हो उठा। अवसर था 'जरा पास बैठो हे बांके बिहारी' भजन संध्या का, जहां युवा और अनुभवी कलाकारों ने अपनी गायकी से दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ गायक हर्षित तिवारी और उनके साथियों ने 'वीणा वादिनी वर दे' सरस्वती वंदना से किया। इसके बाद गायिका निशा धुम्मेरिया ने मुख्य भजन 'जरा पास बैठो हे बांके बिहारी' की सुमधुर प्रस्तुति दी, जिसे श्रोताओं की खूब सराहना मिली। कलाकारों ने 'पायो जी मैंने राम रतन धन पायो', 'ऐसी लागी लगन' और 'सांवली सूरत पे मोहन दिल दीवाना हो गया' जैसे कालजयी भजनों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम का समापन होली गीत 'आज बिरज में होरी रे रसिया' के साथ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार साधना गंगराड़े ने की। मुख्य अतिथि के रूप में मोहन तिवारी और विशिष्ट अतिथि के रूप में राजेश श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

आदि महोत्सव : सदाबहार गीतों की स्वर लहरियों से सजी शाम

जागरण, भोपाल। आदि महोत्सव के मंच पर बुधवार को सुरों का जादू बिखरा, जहां पुरानी यादें थीम पर आधारित एक भव्य संगीतमय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विवेक दुबे और रश्मि दुबे के संयोजन में हुए इस कार्यक्रम में शहर के करीब 12 प्रतिष्ठित गायक-गायिकाओं ने अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में सह-आयोजक के रूप में अमित शर्मा और मुकेश पालीवाल ने सक्रिय भूमिका निभाई। संगीत संध्या की शुरुआत 'जिंदगी का नाम दोस्ती' जैसे गीतों के साथ हुई, जिसके बाद मोहन सावले और बंटी भाई सहित अन्य कलाकारों ने 'कोरा कागज था ये मन मेरा, सावन का महीना, हुस्न पहाड़ों का और सुहानी चांदनी रातें जैसे सदाबहार नग्मों को जीवंत कर दिया। जन्म-जन्म का साथ है तुम्हारा हमारा और बाहों में चले आओ जैसी प्रस्तुतियों पर दर्शकों ने तालियों के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। बड़ी संख्या में उपस्थित संगीत प्रेमियों के लिए यह शाम पुरानी यादों के सफर जैसी रही।

मिंटो हॉल में सजेगा भोपाल फिल्म फेस्टिवल का मंच

जागरण, भोपाल। मिंटो हॉल में आगामी 21 और 22 फरवरी को भोपाल फिल्म फेस्टिवल का आयोजन होने जा रहा है। दो दिवसीय इस महोत्सव में देश के विख्यात फिल्मकार और कलाकार सिनेमाई बारीकियों पर संवाद करेंगे। इस फेस्ट में हंसल मेहता (स्कैम 1992 फेम), अनुराग बसु (बर्फी फेम), अभिनेत्री हुमा कुरैशी और ऑस्कर विजेता निर्माता अचिन जैन जैसे दिग्गज शामिल होंगे। फेस्टिवल के दौरान मनोज बाजपेयी की जुनूनमा, अली फजल की द एस्ट्रोनॉट एंड हिज पैरट और वरुण ग्रोवर की किस जैसी चुनिंदा फिल्मों की स्क्रीनिंग होगी। साथ ही देश भर से आई 32 लघु फिल्मों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। आयोजन के दूसरे दिन निर्देशक बिजॉय नांबियार द्वारा एक विशेष मास्टर क्लास ली जाएगी, जिसमें वे आधुनिक फिल्म निर्माण की बारीकियां साझा करेंगे। फिल्मों के प्रदर्शन के बाद दर्शकों को फिल्मकारों से सीधे सवाल पूछने का मौका भी मिलेगा। सिनेमा के साथ-साथ यहाँ कार्निवल ऑफ कल्चर्स के तहत कला और व्यंजनों का आनंद भी लिया जा सकेगा।

उपभोक्ताओं को मिला सोलर ऑवर मिल रहा 20 प्रतिशत छूट का लाभ

जागरण, भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के अंतर्गत 05 लाख 20 हजार 457 स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनके मासिक विद्युत बिल में टाइम ऑफ डे (टीओडी) छूट का लाभ प्रदान करते हुए जनवरी 2026 में कुल 03 करोड़ 61 लाख 26 हजार की रियायत प्रदान की गई है जिसमें भोपाल शहरी एवं ग्रामीण वृत्त के 02 लाख 97 हजार 813 उपभोक्ताओं को 02 करोड़ 10 लाख 66 हजार की दिन के टैरिफ में छूट मिली है। कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनकी खपत के आधार पर टाइम ऑफ डे (टीओडी) छूट के तहत यह रियायत प्रदान की गई है। कंपनी ने बताया है कि स्?मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए जिसमें घरेलू, गैर घरेलू, सार्वजनिक जल कार्य और स्ट्रीट लाइट और निम्न दाब औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए सोलर ऑवर सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की अवधि के दौरान उपभोग की गई ऊर्जा के लिए ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर पर 20 प्रतिशत की छूट 10 किलोवाट तक स्वीकृत लोड/अनुबंध मांग वाले उपभोक्ताओं को ही दी जा रही है।

एथलेटिक्स प्रतियोगिता आज से

जागरण, भोपाल। केन्द्रीय क्रीडा एवं कला परिषद, एमपी पॉवर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड जबलपुर के तत्वावधान में 47वीं अंतरक्षेत्रीय खेल प्रतियोगिताओं के तहत वर्ष 2025-26 में विभिन्न अंतरक्षेत्रीय खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन राजधानी भोपाल में किया जा रहा है। दो दिवसीय अंतरक्षेत्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता 12 एवं 13 फरवरी को केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) बीएचईएल भोपाल में आयोजित होगी। इसके लिए महाप्रबंधक (संचारण/संधारण) भोपाल को प्रभारी अधिकरी नियुक्त किया गया है।

चढ़ गई हल्दी बंध गए कंगना, भोले चले हैं गोरा के अंगना

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। बड़ की जड़ में प्रकट हुए स्वयंभू बाबा बटेश्वर का मंदिर परिसर गुरुवार को विवाह के पूर्व पारंपरिक रीति रिवाज से लगाई जाने वाली हल्दी एवं मेहंदी के उत्सव में सराबोर रहा। इस अवसर पर महिलाएं पारंपरिक गीत गा रही थीं, हल्दी की छाई बहार आज गोरा के अंगना में, गूंजे झनक झंकार आज गोरा के अंगना में, चढ़ गई हल्दी बंध गए कंगना भोले चले हैं गोरा के अंगना, गोरे गोरे हाथों में मेहंदी लगेगी, हल्दी चढ़ेगी और मांग भरेगी, सोलह श्रृंगार मेरी गोरा करेगी, सज के आएंगे दूल्हे राजा, गोरा जी के हाथों में मेहंदी सजाई है, गौरा बनी दुल्हन, दूल्हा भोलानाथ हैं। मंदिर समिति के संजय अग्रवाल एवं प्रमोद नेमा ने बताया गोधूलि बेला में दूल्हा स्वरूप में सजी बाबा बटेश्वर की रजत प्रतिमा पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने हल्दी एवं मेहंदी लगाकर स्वयं के सौभाग्य की वहीं अविवाहित कन्याओं ने सुयोग्य वर की कामना की। इसके बाद महिलाएं भवानी मंदिर सोमवारा पहुंचीं। समिति अध्यक्ष आशीष सैनी ने सभी का स्वागत किया। दुल्हन बनी माता पार्वती को मेहंदी एवं हल्दी की रस्म के बाद श्रृंगार कर महाआरती की गई। प्रसादी के साथ सौभाग्य सामग्री का भी वितरण हुआ।

नए कलेक्ट्रेट भवन के लिए जगह तय, एसडीएम बैरागढ़ और आसपास की जगह पर होगा निर्माण

6 मंजिला भवन में 15 कार्यालयों को मिलेगी जगह, कलेक्ट्रेट से समन्वय कर करनी होगी शिफ्टिंग

जागरण संवाददाता, भोपाल। शहर में नवीन कलेक्ट्रेट भवन कोहेफिजा इलाके के पास एसडीएम बैरागढ़ नजूल कार्यालय और इसके आसपास की शासकीय जगह पर बनाया जाएगा। बुधवार को इस संबंध में बैठक लेते हुए संभाग आयुक्त संजीव सिंह ने नई 6 मंजिला इमारत में शिफ्ट होने वाले 15 कार्यालयों के प्रमुख को निर्देश देते हुए कहा कि शिफ्टिंग की प्रक्रिया जल्द से जल्द शुरू कर दी जाए और इसके लिए कलेक्टर भोपाल से समन्वय बनाकर काम किया जाए, ताकि योजना को साकार रूप देते समय किसी भी तरह के असमंजस की स्थिति न रहे। बता दें कि इस 6 मंजिला इमारत में नवीन संभाग आयुक्त कार्यालय, कलेक्टर कार्यालय, आईजी पुलिस कार्यालय, एसडीएम बैरागढ़, सहायक आबकारी आयुक्त कार्यालय, जिला खनिज कार्यालय, जिला पंचायत सीईओ कार्यालय सहित भोपाल के अन्य 15 कार्यालयों को जगह दी जाएगी। भवन में आरआई व पटवारियों के बैठने सहित राजस्व रिकॉर्ड रखने की भी व्यवस्था होगी। भवन में आम लोगों से जुड़े हुए कार्य निचले तलों पर किए जाएंगे, जबकि अन्य कार्यालयीन कार्य और रिकार्ड ऊपरी मंजिलों पर किया जाएगा। बैठक में संभाग आयुक्त संजीव सिंह के साथ एमपी हाउसिंग बोर्ड के चंद्रमौली शुक्ला, संयुक्त आयुक्त डॉ. विनोद यादव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

विभागों को आदेश जारी शिफ्टिंग की जगह बताएं

प्रारंभिक रूप से 15 विभागों को आदेश जारी किए गए हैं कि वे ये बताएं कि उन्हें शिफ्टिंग के लिए कितनी जगह की जरूरत होगी। ताकि उसी आधार पर इन कार्यालयों के लिए कुछ समय तक अस्थाई जगह उपलब्ध कराई जा सके। जितनी जल्दी शिफ्टिंग होगी, उतनी जल्दी नए भवन का निर्माण हाउसिंग बोर्ड के द्वारा शुरू किया जाएगा। बता दें कि भवन की डिजाइन हाउसिंग बोर्ड द्वारा संभाग आयुक्त को सौंप दी गई है।

नई इमारत में नए कार्यालय को नहीं मिलेगी जगह

आयुक्त ने कहा कि इस नई इमारत की योजना में किसी भी नए कार्यालय को शामिल नहीं किया जाएगा। इसी तरह से जो कार्यालय योजना में शामिल हैं, उन्हें वर्तमान योजना से बाहर नहीं किया जा सकता है। जितने भी कार्यालय इस योजना का हिस्सा हैं और शिफ्टिंग से प्रभावित होंगे। उन्हें कलेक्टर से समन्वय स्थापित कर शिफ्टिंग की सूची तैयार करने को कहा है।

अयोध्या बायपास झुग्गियां हटाने की तैयारी, विस्थापन की मांग

जागरण, भोपाल। अयोध्या बायपास चौड़ीकरण के आड़े आ रही केसर बस्ती की करीब 90 झुग्गियां हटाई जाएंगी। प्रशासन स्तर पर इसकी तैयारियां शुरू हो गई हैं। प्रशासन ने परिवारों को नोटिस दिए हैं। नोटिस मिलने के बाद सभी को दूसरी जगह विस्थापन करने की मांग उठ रही है। बुधवार को कांग्रेस नेता रवींद्र साहू झूमरवाला सहित कांग्रेसी केसर बस्ती पहुंचे। लोगों से बात की और प्रशासन से परिवारों को उचित मुआवजा और व्यवस्थित करने की मांग की। कांग्रेस नेता झूमरवाला ने कहा कि विकास जरूरी है, लेकिन किसी को बेघर करके काम नहीं होना चाहिए। प्रशासन को सभी को विस्थापित करना चाहिए, इसके बाद ही कार्रवाई शुरू की जाए। बता दें कि प्रशासन ने आनंद नगर तिराहे से भी 146 दुकानों को तोड़ने की कार्रवाई की है। अभी मंदिर,पुलिस चौकी,वार्ड कार्यालय व सुलभ कॉम्प्लेक्स को तोड़ा जाना है।

केंद्र की जन एवं श्रम नीतियों के खिलाफ देशव्यापी हड़ताल आज

मुख्य संवाददाता, भोपाल। केंद्र सरकार की नई जन एवं श्रम नीतियों के खिलाफ देश के श्रमिक संगठन मिलकर गुरुवार को हड़ताल पर रहेंगे। इस दौरान प्रदेश में बैंक, बीएसएनएल, आयकर, डाक और बीमा के कामकाज प्रभावित हो सकते हैं। हड़ताल की पूर्व संध्या पर प्रेस कॉम्प्लेक्स में कर्मचारियों ने मशाल जुलूस निकाला। विभिन्न ट्रेड यूनियनों से जुड़े कर्मचारी और अधिकारी अपने संगठनों के झंडे और बैनर लेकर जमा हुए। इसके बाद हाथों में जलती मशालें लेकर इन कर्मचारियों ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। सभा को संबोधित करते हुए श्रमिक नेता वीके शर्मा, शिव शंकर मौर्या और प्रमोद प्रधान ने आरोप लगाया कि सरकारी नीतियां अब केवल कॉरपोरेट्स को फायदा पहुंचा रही हैं, जबकि आम आदमी, कर्मचारी और मजदूर महंगाई की चक्की में पिस रहा है। सुबह 11 बजे पीएनबी प्रेस कॉम्प्लेक्स पर हड़ताल के दौरान धरना, प्रदर्शन और रैली निकालेंगे।

बैंकों समेत दफ्तरों में रहेगा कामकाज ठप: गुरूवार को प्रदेश के बैंक संगठनों से जुड़े लगभग 40 हजार से च्यादा बैंक अधिकारी और कर्मचारी हड़ताल में शामिल होंगे। इस कारण प्रदेश में बैंको की कई शाखाओं पर ताले लटके रह सकते हैं। इस हड़ातल के कारण सरकारी बैंकों में लेनदेन, चेक क्लियरिंग और ड्राफ्ट के काम अटकेंगे और करोड़ों का व्यापारिक लेन-देन प्रभावित हो सकता है। गौरतलब है कि हाली ही में केंद्र सरकार द्वारा 29 पुराने श्रम कानूनों को हटाकर लाए गए 4 नए लेबर कोड को कर्मचारी संगठनों गुलामी का दस्तावेज करार देकर इन्हें वापस लेने की मांग कर रहे हैं। संगठनों का कहना है कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के नाम पर अब हर वर्कर से 10 से 12 घंटे काम कराने की छूट दी जा रही है। इस स्ट्राइक को आंगनवाड़ी, आशा कार्यकर्ता और किसान संघों समेत इंटक, एआईटीयूसी, एचएमएस, सीटू जैसे 10 कर्मचारी और मजदूर संघों का भी समर्थन मिला है।

आईएचएम भोपाल में पर्यटन शिक्षा एक्सपो और पुरस्कार समारोह आयोजित

होटल मैनेजमेंट के विद्यार्थियों ने बनाया पर्यटन ब्रोशर

जागरण, भोपाल। इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (आईएचएम), भोपाल ने और इंडियाटूरिज्म मुंबई के सहयोग से बुधवार को पर्यटन शिक्षा एक्सपो एवं देखो अपना देश ब्रोशर प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया। प्राचार्य डॉ. रोहित सरीन के मार्गदर्शन में संपन्न हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग के सचिव एवं प्रबंध संचालक डॉ. इलैयाराजा टी. (आईएएस) रहे। विशिष्ट अतिथि मप्र पर्यटन बोर्ड के अतिरिक्त प्रबंध संचालक अभय अरविंद बेडेकर (आईएएस) और होटल ताज लेकफ्रंट के महाप्रबंधक परमवीर सिंह सहित शहर के प्रतिष्ठित होटलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। समारोह में 'देखो अपना देश' पहल के तहत आयोजित स्कूल ब्रोशर प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। राज्य स्तर पर पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, रतलाम-1 ने

10,000 रुपये का प्रथम पुरस्कार जीता। इसके अलावा बुरहानपुर जैसे छोटे शहरों के विद्यार्थियों की भागीदारी और सफलता ने कार्यक्रम को खास बनाया। एक्सपो के दौरान स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए होटल प्रबंधन, पाक कला और बेकरी से संबंधित लाइव प्रदर्शन आयोजित किए गए। इन प्रदर्शनों के जरिए छात्रों को पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र के भविष्योन्मुखी करियर और आधुनिक तकनीकों से अवगत कराया गया। डॉ. इलैयाराजा टी. ने विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए पर्यटन ब्रोशर की सराहना करते हुए इसे आत्मनिर्भर और समृद्ध पर्यटन की दिशा में बड़ा कदम बताया।

एआई के युग में भी रेडियो की विश्वसनीयता और मानवीय जुड़ाव अपूरणीय: हैनलोन

जागरण, भोपाल। विश्व रेडियो दिवस के उपलक्ष्य में यूनिसेफ मध्य प्रदेश और आकाशवाणी के संयुक्त तत्वावधान में 'एआई और रेडियो- बच्चों की आवाज' विषय पर एक विशेष संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि भले ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) स्क्रिप्टिंग और प्रोडक्शन में मदद कर सकता है, लेकिन रेडियो की भावनात्मक गहराई और मानवीय संवेदनाओं का विकल्प नहीं हो सकता। यूनिसेफ मध्य प्रदेश के प्रमुख विलियम हैनलोन ने कहा कि आपदा और स्वास्थ्य संकट के समय रेडियो सूचना का सबसे भरोसेमंद स्रोत रहा है। उन्होंने बाल अधिकारों को बढ़ावा देने में रेडियो की स्थायी भूमिका को रेखांकित किया। आकाशवाणी के कार्यक्रम प्रमुख राजेश भट ने संस्थान की 90 साल की विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि हर नई तकनीक रेडियो के लिए नवाचार का अवसर बनी है। यूनिसेफ के संचार विशेषज्ञ अनिल गुलाटी ने रेडियो को मन का रंगमंच बताते हुए कहा कि डिजिटल युग में भी इसने अपनी प्रासंगिकता और भरोसे को बरकरार रखा है। कार्यक्रम में धार, झाबुआ

और भोपाल के बच्चों सहित लेकसिटी लाइव के आरजे और मीडिया विशेषज्ञों ने भाग लिया। चर्चा में यह बात उभरकर आई कि एआई में वह संपादकीय समझ और नैतिक जिम्मेदारी नहीं हो सकती जो एक प्रशिक्षित रेडियो एंकर में होती है। कार्यक्रम का समापन इस संदेश के साथ हुआ कि तकनीक चाहे जितनी बदल जाए, रेडियो का मानवीय संबंध हमेशा अटूट रहेगा।

जयवर्धन द्वारा लिखित हास्य प्रधान नाटक 'घर का न घाट का' में दिखा घरेलू सच

दो पत्नियों के बीच फंसे 'अमन' की उलझनें देख लोटपोट हुए दर्शक

जागरण, भोपाल। रंगश्री लिटिल बेले ट्रूप सभागार में जयवर्धन द्वारा लिखित हास्य प्रधान नाटक घर का न घाट का का सफल मंचन किया गया। निर्देशक उबैद उल्ला खान के निर्देशन में सजे इस नाटक ने अपनी मजेदार पटकथा और कलाकारों के सटीक टाइमिंग से दर्शकों को पूरे समय हंसने पर मजबूर कर दिया।

कहानी : नाटक की कहानी अमन के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पेशे से कला समीक्षक है। उसकी पत्नी रमा एक सरकारी अफसर है, लेकिन कला में उसकी कोई रुचि नहीं है। शादी के कई साल बाद भी संतान सुख न मिलने पर रमा खुद ही अमन की दूसरी शादी प्रिया से करवा देती है, जो एक क्लासिकल

डांसर है। नाटक का असली रोमांच तब शुरू होता है जब बेचारा अमन दो पत्नियों के अलग-अलग मिजाज और उनकी मांगों के बीच पिसता है। यह स्थिति न केवल हास्य पैदा करती है, बल्कि व्यंग्यात्मक रूप से यह संदेश भी देती है कि दो पत्नियों के बीच तालमेल बिठाना

हिंदी भवन में विशेष संगोष्ठी आयोजित

ह्रदय तक पहुंचती है उषाकिरण खान की रचनाएं: विजय बहादुर

जागरण, भोपाल। हिन्दी और मैथिली की प्रख्यात साहित्यकार उषाकिरण खान की द्वितीय पुण्यतिथि पर बुधवार को हिन्दी भवन में आयाम- साहित्य का स्त्री स्वर संस्था द्वारा यादों के झरोखों में 'उषाकिरण खान एक शाश्वत इंद्रधनुष' शीर्षक से विशेष संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विख्यात आलोचक डॉ. विजय बहादुर सिंह ने कहा कि उषाकिरण खान की रचनाएं सीधे ह्रदय तक पहुंचती हैं। उन्होंने लेखिका के योगदान को याद करते हुए कहा कि मिथिला केवल ब्राह्मणों की ही नहीं, बल्कि विद्वानों की भूमि है, जिसे उषा जी ने वैश्विक पहचान दिलाई। भारत भवन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी प्रेम शंकर शुक्ल ने उन्हें ऐसी दुर्लभ लेखिका बताया जिन्हें बाबा नागार्जुन अपनी पुत्री समान मानते थे।

वरिष्ठ कथाकार डॉ. उर्मिला शिरीष ने उन्हें ज्ञान का अपरिमित स्रोत बताते हुए कहा कि उनका लेखन जितना समृद्ध था, व्यक्तित्व उतना ही विराट। सारस्वत अतिथि डॉ. संतोष श्रीवास्तव ने कहा कि उषा जी का साहित्य सीमाओं में नहीं सिमटा, बल्कि पूरे भारत की भाषाओं में पढ़ा जाता है। शिक्षाविद् डॉ. अरुणाभ सौरभ ने कहा कि आजादी के पूर्व के मिथिला समाज के दर्शन को समझने के लिए उनकी रचनाएं सबसे सशक्त माध्यम हैं। 46 पुस्तकों की रचना करने वाली उषाकिरण खान ने कोसी क्षेत्र के वंचितों के संघर्ष को नई आवाज दी। कार्यक्रम का संचालन रानी सुष्मिता और आभार प्रदर्शन जया केलकी ने किया।

नाट्य प्रस्तुति : एक है जानकी संगोष्ठी के दौरान उषाकिरण खान की प्रसिद्ध कहानी एक है जानकी का मंचन किया गया। अभिनेत्री कनुप्रिया शंकर पंडित ने अपनी भावभीनी एकल नाट्य प्रस्तुति से कहानी के पात्रों और संवेदनाओं को मंच पर जीवंत कर दिया। जानकी के संघर्ष और लेखिका के शब्दों के जादू ने सभागार में मौजूद हर व्यक्ति को भावविभोर कर दिया। दर्शकों ने इस नाट्य रूपांतरण की सराहना करते हुए इसे उषा जी को एक सच्ची श्रद्धांजलि बताया।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

साइबर डकैती पर सख्त रुख वक्त की जरूरत

देश में तेजी से बढ़ रहे साइबर ठगी के मामलों पर शीर्ष अदालत का सख्त रुख वक्त की जरूरत है। कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि देश में 54 हजार करोड़ रुपये का डिजिटल फ्रॉड सीधे-सीधे डकैती है। साइबर ठगी खासकर डिजिटल अरेस्ट के जरिये उपभोक्ताओं का करोड़ों रुपये हड़पने के मामले में सुनवाई करते हुए अदालत ने जवाबदेह हितधारकों की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। अदालत ने सीबीआई, बैंकों, आरबीआई की कोताही पर प्रश्न खड़े किए। कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि इन संस्थाओं ने लोगों के खून-पसीने की कमाई को बचाने के लिये समय रहते जरूरी कदम नहीं उठाये हैं। कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट मामलों में कतिपय बैंक अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए हैं। कोर्ट का कहना था कि यह कैसे संभव है कि बैंक अधिकारियों की नाक के नीचे साइबर ठग खाताधारकों का करोड़ों रुपया ठिकाने लगाने में कामयाब हो जाते हैं। कोर्ट ने आशंका जतायी कि इन साइबर ठगी में बैंक अधिकारियों की लापरवाही या मिलीभगत हो सकती है। साइबर ठगी को सीधी डकैती की संज्ञा देते हुए अदालत ने कहा कि इस ठगी पर रोक के लिये केंद्र सरकार स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर यानी एसओपी तैयार करे। इतना ही नहीं कोर्ट ने गृह मंत्रालय को निर्देश दिया कि आरबीआई, दूरसंचार विभाग और अन्य हितधारकों के लिये चार सप्ताह में एसओपी का ड्राफ्ट तैयार किया जाए। बैंकों की कारगुजारी पर नाराजगी जताते हुए कोर्ट ने कहा कि बैंकों को अहसास होना चाहिए कि वे जनता के पैसों के ट्रस्टी हैं। उन्हें जनता के भरोसे को नहीं तोड़ना चाहिए। कोर्ट ने गंभीर चिंता जताई कि आखिर कैसे साइबर ठगी के लाखों केस सामने आ रहे हैं।

अकसर सवाल उठाये जाते रहे हैं कि डिजिटल अरेस्ट व अन्य धोखाधड़ी के मामलों में करोड़ों रुपये साइबर अपराधी दूसरे खातों में डाल रहे होते हैं तो बैंक समय पर कार्रवाई क्यों नहीं करते? जबकि बैंकों के पास डेबिट कार्ड को अस्थायी रूप से होल्ड करने का भी अधिकार है। इसमें दो राय नहीं कि बैंकों के पास ऐसा सिस्टम होना जरूरी है, जिसके जरिये निगरानी हो सके कि कैसे किसी के खाते से निकाली गई बड़ी धनराशि जल्दी-जल्दी दूसरे खातों में हस्तांतरित हो रही है। निश्चित तौर पर बैंकों के सुरक्षा सिस्टम को तत्काल ऐसे मामलों में संज्ञान लेना चाहिए। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट को रिजर्व बैंक के बाबत टिप्पणी करनी पड़ी कि साइबर ठगी के जरिये जिन खातों से पैसा ठिकाने लगाया जाता है, उस पर संबंधित बैंकों की जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। यह सवाल तार्किक है कि अब तक संबंधित बैंक हाथ पर हाथ धरे क्यों बैठे रहे हैं? इसमें दो राय नहीं कि यदि बैंक, पुलिस और अन्य एजेंसियां समय रहते तत्काल कार्रवाई करें तो लोगों के खातों में डकैती से हुए नुकसान को कम किया जा सकता है। वैसे एक साल में बाइस लाख साइबर ठगी की शिकायतें सामने आने के बाद कहना कठिन है कि सीबीआई और अन्य एजेंसियां साइबर ठगी के मामलों में तत्काल अंकुश लगा पाएंगी।

वक्त की जरूरत है पुलिस व अन्य एजेंसियों को इतना सक्षम बनाया जाए कि वे इन अपराधों की संख्या पर रोक लगा सकें। यह तभी संभव है जब देश का गृह मंत्रालय, केंद्रीय बैंक और टेलीकॉम अथॉरिटी मिलकर इस दिशा में तुरत-फुरत काम करें। इसके लिये जरूरी है कि पूरे देश में यथाशीघ्र एसओपी लागू किया जाए। जिसके लिये शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को चार सप्ताह के भीतर ड्राफ्ट तैयार करने को कहा है। निश्चित ही यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि एक छोटे राज्य के सालाना बजट से अधिक करीब 54 हजार करोड़ रुपये की धनराशि साइबर डकैती से लूट ली गई है। जिसमें राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय साइबर ठगों की भूमिका बनी हुई है। आज देश के बुजुर्गों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों व भोले-भाले लोगों को जिस तरह साइबर ठगी का शिकार बनाया जा रहा है, उसके खिलाफ केंद्र सरकार को राज्य सरकार व अन्य एजेंसियों के साथ तालमेल बनाकर युद्ध स्तर पर काम करने की जरूरत है।

पर्यावरण संरक्षण

राष्ट्रों के बीच प्रतिद्वंद्विता में परास्त हो रहा वैश्विक सहयोग

हर देश को खुद तय करना होगा अपना भविष्य

सुनीता नारायण

पुराना जमाना खत्म हो रहा है, और नया जमाना आने के लिए जूझ रहा है। अब राक्षसों का समय है।' इटली के दार्शनिक एंटोनियो ग्राम्शी का यह उद्धरण आज राजनीतिक-नीति जगत में अक्सर दोहराया जाता है। यह गलत नहीं है। जनवरी 2026 में मौजूदा विश्व व्यवस्था में और अधिक उथल-पुथल तथा उतार-चढ़ाव देखने को मिला। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कुछ सचबयानी की। उन्होंने कहा कि पुरानी नियम आधारित विश्व व्यवस्था का अंत हो चुका है और अब वह वापस नहीं आने वाली है।

बात को जरा साफ-साफ समझते हैं- अब स्थापित रूप से यह दुनिया 'ताकतवर लोगों' की दुनिया है। इसमें हर देश को अपने आर्थिक भविष्य की राह, अपने गठबंधन और अपनी तरक्की का रास्ता खुद तय करना होगा। इसके निहितार्थ और भी मायने रखते हैं। चीन और अमेरिका के बीच श्रेष्ठता की होड़ नए क्षेत्रीय तनावों को जन्म देगी। जैसा कि हम वेनेजुएला और ग्रीनलैंड में देख रहे हैं। तकनीक के क्षेत्र में भी ऐसा ही होगा। उदाहरण के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों और नवीकरणीय ऊर्जा बनाम दहन इंजन तथा तेल, गैस और कोयला आदि के क्षेत्र में।

राष्ट्रों के बीच की इस तीव्र प्रतिद्वंद्विता में वैश्विक सहयोग परास्त हो रहा है, जबकि जलवायु परिवर्तन जैसी अस्तित्वगत चुनौतियों से निपटने के लिए यह अत्यंत आवश्यक है। इसका संबंध कच्चे माल की आपूर्ति श्रृंखलाओं पर नियंत्रण से भी है। दुर्लभ खनिजों से लेकर कोयला और तेल तक ऐसे तमाम क्षेत्र हैं। इसका संबंध प्रसंस्करण क्षमता और तकनीक पर नियंत्रण से भी है। तेल या प्राकृतिक गैस पर निर्भर देशों और बिजली आधारित ऊर्जा पर निर्भर देशों के बीच का विभाजन स्पष्ट है और यह संघर्ष अत्यधिक कठोर है। जलवायु परिवर्तन यहां एक संपार्श्विक क्षति यानी कोलैटरल डैमेज के रूप में सामने आ रहा है।

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि आज की भू-राजनीति में आर्कटिक (और ग्रीनलैंड) क्यों महत्वपूर्ण हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण, दुनिया का यह 'रेफ्रिजरेटर' पिघल रहा है, और महाद्वीपों को जहाज पृथ्वी के 'शीर्ष' से होकर तेजी से पार कर सकते हैं। ये मार्ग रणनीतिक हैं क्योंकि वे रूस और चीन को पश्चिमी गोलार्ध तक पहुंचने में सहायता प्रदान करते हैं। पीछे हटती बर्फ़ इलाके के तेल और खनिज संपदा को भी दोहन के लिए उजागर करेगी। इस बीच नुकसान यह हो रहा है कि दुनिया का यह रेफ्रिजरेटर मौसम प्रणालियों को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, लेकिन इस वाणिज्यिक विश्व व्यवस्था में, यह सब अब महत्वहीन प्रतीत होता है। यहां हर चीज का संबंध धन कमाने से है। चाहे इसके लिए वैश्विक स्तर पर व्यापक हानि और विनाश ही क्यों न हो रहा हो।

नए युग की हरित तकनीक वाली दुनिया के लिए खनिजों के उत्खनन का प्रश्न है। यह भी कि इसका क्षेत्रीय खोज तथा पर्यावरण पर क्या प्रभाव होगा। हाल तक यह माना जाता था कि दुनिया कोयला, लौह-अयस्क और बॉक्साइट जैसे खनिजों की मांग के चरम तक पहुंच चुकी है। लेकिन विद्युतीकरण, हरित प्रौद्योगिकी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अधोसंरचना की ओर बढ़ते प्रयासों के साथ अब अनुमान है कि अगले दशक या उससे अधिक में वैश्विक तांबे की मांग दोगुनी हो जाएगी। जिन देशों के पास सबसे बड़े तांबे के भंडार हैं, उदाहरण के लिए पेरू, चिली और कांगो गणराज्य आदि, वे अब केंद्र में हैं।

चीन वैश्विक तांबे का लगभग 50 फीसदी प्रसंस्करण और परिष्करण करता है। मांग बढ़ने के साथ, और अधिक खदानें खुलेंगी, अक्सर घने जंगलों और जैव-विविधता से भरपूर क्षेत्रों में, और तांबे के स्मेल्टरों की आवश्यकता होगी। ऐसी सुविधा जिनमें प्रदूषण नियंत्रण के लिए भारी निवेश की जरूरत होती है। यही स्थिति दुर्लभ खनिजों, जैसे लिथियम से लेकर ग्रेफाइट तक, के लिए भी है।

चीन न केवल इन आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित करने में भारी बढ़त रखता है, बल्कि वह ग्रीन टेक्नॉलजी में भी अग्रणी है। अन्य देश अब नई खदानें खोजने और समझौते करने की होड़ में हैं। इसका हमारे भविष्य पर क्या असर होगा, यह आज की झड़पों में ही दिखाई देने लगा है। मेरे विचार में, दो व्यापक प्रश्न हैं जो हमारी वास्तविक दुनिया में सामने आएंगे।

पहला, जब देश वैश्विक व्यापार को 'ऑन-शोरिंग' के लिए पुनर्गठित करेंगे। यानी आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित करने और औद्योगीकरण को पुनर्जीवित करने के लिए घरेलू उत्पादन बढ़ाएंगे तो क्या समृद्ध देश, जिन्होंने पहले पर्यावरण और श्रम की ऊंची लागतों के कारण 'ऑफ-शोरिंग' को प्राथमिकता दी थी, अब उन लागतों को घरेलू स्तर पर स्वीकार करेंगे? या वे सभी के लिए मानकों को पुनर्गठित करेंगे और दुनिया भर में उत्पादन लागत बढ़ाएंगे?
यूरोपीय संघ की दक्षिण अमेरिका के साथ मर्कोसुर साझेदारी का उसके किसानों द्वारा खाद्य-सुरक्षा मानकों के कारण विरोध किया जा रहा है। इसी तरह, कार्बन सीमा समायोजन प्रणाली (सीबीएएम) को आगे बढ़ाया जा रहा है, भले ही यह उभरती दुनिया के उद्योगों में कार्बन घटाने की लागत को बढ़ा देगा।

दूसरा प्रश्न यह है कि यह विशाल अंतर ग्रीन टेक्नॉलजी की वृद्धि के लिए क्या मायने रखेगा, जो जलवायु परिवर्तन के असर को सीमित करने के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। विश्व आर्थिक मंच में भी यह विरोधाभास स्पष्ट था। एक ओर अमेरिकी नेतृत्व में जीवाश्म ईंधन का दबाव था, तो दूसरी ओर चीन के उप-प्रधानमंत्री विभिन्न देशों से 'हरित अधोसंरचना, हरित ऊर्जा, हरित खनिज और पर्यावरण के अनुकूल वित्त' पर सहयोग करने का आग्रह कर रहे थे।

देश घरेलू और आयातित ऊर्जा आपूर्ति के बीच, और प्रतिस्पर्धी गठबंधनों के बीच फंसे हुए हैं, जिन पर उन्हें अपनी भविष्य की आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए भरोसा करना होगा। साथ ही यह प्रश्न भी है कि देश घरेलू स्तर पर क्या उत्पादन करेंगे और क्या वे चीनी प्रतिस्पर्धा के सामने अपने उद्योगों को बनाए रख पाएंगे। पिछले वर्ष चीन ने 1.2 लाख करोड़ डॉलर का रिकॉर्ड व्यापार अधिशेष दर्ज किया।

वह लगभग हर चीज का उत्पादन और आपूर्ति अधिकांश देशों से सस्ते दरों पर कर सकता है। इसका विभिन्न देश की घरेलू विनिर्माण और आर्थिक वृद्धि की योजनाओं पर क्या असर होगा? एक नई दुनिया आ रही है। हमें ऐसा उत्तर चाहिए जो यह सुनिश्चित करे कि यह दुनिया लोगों और पृथ्वी दोनों के लिए बेहतर हो।

(लेखिका सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट से जुड़ी हैं।)

खुला मंच

इसी जन्म में मिलता है लौकिक प्रेम

पीए सिद्धार्थ

अपना प्रेम लौकिक है और कबीर साहिब का अलौकिक। इस विरोधाभास के बावजूद वह मुझे बचपन से ही प्रिय हैं। फिर प्रेम तो प्रेम है। प्रेम भले जूते खा के मिले, लेकिन मिलता तो इसी जन्म में है। पुनर्जन्म को नकारने वाली चार्वाक परम्परा अगर ऋण लेकर भी घी खाने की बात करती है तो अपने जैसे आशिक जूते खाकर भी प्रेम करने में यक़ीन रखते हैं। शशि थुरूर को हो देख लीजिए। न उम्र की सीमा है, न जन्म का है बंधन। कम तो अपने दिग्गी राजा या उमर अब्दुल्ला भी नहीं। पर मौका मिलने पर कौन किसी से कम होता है।

एपस्टीन फाइल में बड़े-बड़े सूरमाओं के नाम सामने आ रहे हैं। सब मन का खेल है, जो किसी पर भी आ सकता है। यह प्रेम, है ही ऐसी चीज़ कि शांतनु, विश्वामित्र, पाराशर जैसे कितने ऐसे नाम हैं, जो खुद से कई बरस छोटी आयु वाली लड़कियों से नैन मिला बैठे और इतिहास में अमर हो गए। अपने बच्चों की शादी करने की उम्र में घोड़ी पर चढ़ बैठे।

कई बार प्रेम मिलता है, कई बार फटकार और कई बार मार। पर जहां मिल जाता है, वहीं अपना कश्मीर हो जाता है। मुझे तो आनंद फिल्म में राजेश खन्ना अभिनीत वह डायलॉग आज भी अच्छी तरह याद है- 'बाबूमोशाय, जब तक ज़िंदा हूं तब तक मरा नहीं, जब मर गया तो डर किस बात का'। उनकी यह लाइन हम जैसे सच्चे आशिकों को खुलकर ज़िंदगी जीने का संदेश देती है। बस इस डायलॉग को मेरे जैसे आशिक इस तरह सुधार लेते हैं- 'बाबूमोशाय, जब तक ज़िंदा हैं प्रेम करते रहेंगे, जब मर गए तो प्रेम कैसा और किससे...।'

हां, नए ज़माने में प्रेम करना तनिक जोखिम भरा भी है और महंगा भी। जोखिम भरा इसलिए कि अगर किसी को चौदह सैकेंड से अधिक देखते (घूरते) रहे और मोहतरमा ने पुलिस में शिकायत कर दी, जो ससुराल जाने का डर बना रहता है। महंगा इसलिए कि अगर माशूक ने फरमायश कर दी कि सोने के कंगन चाहिए तो एक बार में ही पांच लाख का फटका लगना तय है। ऑनलाइन प्रेम में तो इससे भी बड़ा ख़तरा है। बंदे हनीट्रेप में इस तरह फंसते हैं कि सारी पोल-पट्टी खुल जाती है। पैसे दिए तो बैंक एकाउंट ख़ाली, मीडिया में करतूत सामने आई तो कलई खुल जाती है। फिर मरने तक मुंह छिपाते हुए कहते फिरो- न खुदा ही मिला न विसाल-ए-सनम, न इधर के हुए न उधर के हुए। उधर, अपने तुलसी बाबा तो दोनों के उस्ताद हैं- लौकिक के भी, अलौकिक के भी। हम तो अंत में अपने साहिब की तरह यह ही कह सकते हैं- 'जा जग घट प्रेम न संचरे, सो घट जान मसान।'

प्रसंगवश

असहनीय नुकसान से डर गया पाकिस्तान

पाकिस्तान की यही नियति थी। उसे इसी तरह यू टर्न लेना था। उसने सिर्फ बांग्लादेश की पैरोकारी और अंततः 'मुस्लिम ब्रदरहुड' की खातिर टीम इंडिया से मैच खेलने का बहिष्कार किया था। यह टी-20 विश्व कप का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का आयोजन है। पाकिस्तान हो या कोई अन्य देश हो, इस आयोजन के बेमानी बहिष्कार के मायने गंभीर और संवेदनशील होते हैं। देश अपनी पहचान तक खो सकते हैं, लंबी पाबंदियां झेलनी पड़ सकती हैं और आर्थिक नुकसान असहनीय होता है। पाकिस्तान ने 1970-71 के दौर में बांग्लादेश के 'मुक्ति संग्राम' के दौरान लाखों बेगुनाह लोगों की लाशें बिछाई थीं, औरतों के साथ वहशी बलात्कार किए गए थे, बच्चों के कत्लेआम किए गए थे, बांग्लादेश उस दौर को कैसे भूल सकता है? पाकिस्तान के साथ नए रिश्तों की पींगें कैसे बढ़ा सकता है? कोई तानाशाह, संवेदनहीन व्यक्ति भी इन सवालों के जवाब नहीं दे सकता।

बहरहाल पाकिस्तान की विडंबना देखिए कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी ऐलान किया था कि उनकी क्रिकेट टीम भारत के साथ मैच नहीं खेलेगी, लेकिन दो दिन बाद ही उन्हें अपनी नौटंकी वापस लेनी पड़ी कि दोस्तों का आग्रह है, लिहाजा 15 फरवरी को भारत-पाकिस्तान मैच में उनकी टीम खेलेगी। कितना बौना, असहाय, नासमझ है पाकिस्तान का वजीर-ए-आजम! क्योंकि पाकिस्तान का 'संवैधानिक शाह' जनरल मुनीर और उसके साले, पाक गृहमंत्री, पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी अंदरूनी तौर पर चाहते थे कि भारत के साथ मैच खेला जाना चाहिए। लिहाजा कुछ शर्तों का भी ढोंग किया गया।

गौरतलब यह है कि आईसीसी ने तीनों ढोंगिया शर्तें खारिज कर दीं और साफ किया कि यह उसका विशेषाधिकार नहीं है। आईसीसी ने भारत के साथ मैच खेलने का पाकिस्तान का आखिरी फैसला जानना चाहा। ये औपचारिकताएं अंतरराष्ट्रीय मंच पर करनी जरूरी हैं। अलबत्ता पीसीबी को आगाह किया गया कि यदि मैच का बहिष्कार किया जाता है, तो उसे करीब 315 करोड़ रुपए का नुकसान झेलना पड़ सकता है। पाकिस्तान पर कई पाबंदियां लगाई जा सकती हैं। आईसीसी मैचों की मेजबानी की सूची से उसे बाहर किया जा सकता है। पाकिस्तान को कुल करीब 1000 करोड़ रुपए की चपत लग सकती है। आखिर भूखा, नंगा, कटोरा देश इतने बड़े नुकसान की भरपाई कैसे कर सकता है? सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, चीन, तुर्किए सरीखे देशों ने 'उधारी' देने से इंकार कर दिया है, बल्कि चीन तो कर्ज के पैसे वापस मांग रहा है। ऐसे हालात के तहत घबराते, डरते, कांपते हुए पीसीबी को मैच खेलने की हामी भरनी पड़ी। आईसीसी ने इतना जरूर माना कि टी-20 विश्व कप से हटने पर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड पर कोई जुर्माना नहीं लगाया जाएगा। सहमति यह भी बनी कि 2031 से पहले बांग्लादेश किसी आईसीसी आयोजन की मेजबानी करेगा। आईसीसी का पहला मेल भी सख्त था, जिसमें टूर्नामेंट के किसी मैच से हटने के संभावित नतीजों का जिक्र था। इसमें पैसे की चर्चा स्वाभाविक थी। हमें यह समझने की जरूरत है कि पाकिस्तान की इतनी बुरी हालत के बावजूद भारत के खिलाफ उसके मैच की कीमत 25 करोड़ डॉलर से कम नहीं है। आईसीसी अपने हर सदस्य देश को पैसे देता है। इसमें भी दोनों मुल्कों के बीच फर्क है। भारत को करीब 38 फीसदी कमाई मिलती है, जो लगभग दो हजार करोड़ रुपये है। पाकिस्तान को साल के करीब 3.5 करोड़ डॉलर मिलते हैं। आईसीसी के कुल रेवेन्यू का यह करीब छह फीसदी है। ऐसे में, आईसीसी अगर दंड लगाता, तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि छोटी से छोटी पेनल्टी उसकी एक साल की कमाई से बहुत ज्यादा होती। हालांकि पीसीबी ने 15 फरवरी का मैच कोलंबो (श्रीलंका) में खेलने की रजामंदी दे दी है, लेकिन अभी भी कुछ भारतीय पाक से क्रिकेट नहीं चाहते।

पोक्सो एक्ट संशोधन

पोक्सो एक्ट में नाबालिगों की यौन गतिविधियों में संलिप्तता स्वतः ही अपराध

किशोरों की स्वायत्तता को व्यावहारिकता से देखना जरूरी

केपी सिंह

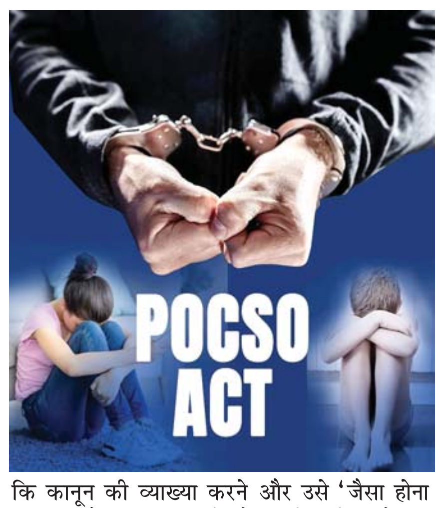

किशोरावस्था में शरीर में प्राकृतिक रूप से हार्मोनल परिवर्तन होते हैं। इस उम्र में आकर्षण, अनुराग और प्रेम जैसे कोमल भाव तथा विपरीत लिंग की यौनता को जानने की तीव्र इच्छा किशोरों के सामान्य लक्षण हैं। उचित मार्गदर्शन व जानकारी के अभाव में प्रायः किशोर भटकते है।
किशोर यौन शोषण संरक्षण अधिनियम, 2012 (पोक्सो एक्ट) के दुरुपयोग को लेकर चिन्ता व्यक्त करते हुए, सर्वोच्च न्यायालय ने केन्द्र सरकार से यह विचार करने को कहा है कि क्यों न 'रोमियो-जूलियट' उपबन्ध जोड़कर किशोरों के बीच पारस्परिक सहमति से बने यौन व्यवहार को अपराध के दायरे से बाहर कर दिया जाए। इस परामर्श का उद्देश्य किशोरों को अपराधीकरण से बचाने के साथ उनकी यौन स्वायत्तता को व्यावहारिकता के नजरिए से देखना भी है।
राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के प्रकाशन 'क्राइम इन इण्डिया-2023' के अनुसार पूरे देश में 'पोक्सो एक्ट' के अन्तर्गत कुल 7,305 मामले दर्ज हुए थे, इनमें से 4,321 मामले बलात्कार, 2,619 गलत यौन-स्पर्श और 264 मामले अन्य प्रकार के यौन-उत्पीड़न से सम्बन्धित थे। इन मामलों में 18 वर्ष से कम आयु के 2,478 नाबालिगों की संलिप्तता भी पाई गई थी जिन्हें हिरासत में लिया गया था।

18 वर्ष से कम उम्र के किशोरों के बीच शारीरिक सम्बन्ध 'पोक्सो एक्ट' के प्रावधानों के अनुसार पूर्णतया प्रतिबन्धित है और घोषित संगीन अपराध है। अतः नाबालिगों के बीच सहमति से बने शारीरिक सम्बन्धों के मामलों में कानून लागू करने वाली एजेंसियां अक्सर इस दुविधा में पड़ जाती है कि कानून को 'जैसा है वैसा ही' लागू किया जाए या 'जैसा होना चाहिए' वैसा लागू किया जाए। विदित हो कि कानून की व्याख्या करने और उसे 'जैसा होना चाहिए' वैसा लागू करने के आदेश देना केवल संवैधानिक न्यायालयों का अधिकार क्षेत्र है। पुलिस और निचली अदालतें कानून को जस का तस लागू करने के लिए ही अधिकृत हैं, इसलिए सर्वोच्च न्यायालय ने केन्द्र सरकार को इस विषय पर ऐसा उपाय करने का सुझाव दिया है, जिससे सहमति से यौन सम्बन्ध बनाने वाले अवयस्कों को कानून का संरक्षण प्राप्त करने के लिए बार-बार उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय की शरण में न आना-जाना पड़े। इस उपाय को सर्वोच्च न्यायालय ने 'रोमियो-जूलियट' उपबन्ध की संज्ञा दी है।
'रोमियो-जूलियट' उपबन्ध अंतर्राष्ट्रीय कानूनी प्रथाओं में पहले से ही मौजूद है, जहां अवयस्कों के बीच बने सम्बन्धों और निकटता की बारीकियों को मानव विकास प्रक्रिया का एक आवश्यक हिस्सा माना जाता है। इन कानूनों को इस प्रकार बनाया गया है कि आपराधिक यौन-विचलन और सहमति पर आधारित गैर-शोषणकारी किशोर शारीरिक सम्बन्धों के बीच कानून लागू करने वाली संस्थाएं अपने स्तर पर ही विभेद कर सके ताकि किशारों के अनावश्यक अपराधीकरण को रोका जा सके।
संयुक्त राज्य अमेरिका के कम से कम 43 राज्यों ने यौन गतिविधियों में संलिप्त किशोरों को अपराधी बनाए जाने से बचाने के लिए 'क्लोज-इन-एज' छूट (आयु-समीपता अपवाद) सिद्धांत को अपनाया है। कनाडा में 14 और 15 वर्ष के अवयस्क अपने से पांच वर्ष के आयु-अन्तर वाले साथी के साथ सहमति से सम्बन्ध स्थापित कर सकते हैं। फिलीपींस के कानून में 16 वर्ष की आयु वाले किशोरों को तीन वर्ष के आयु-अन्तर वाले साथी के साथ शारीरिक निकटता की अनुमति है। जॉर्जिया में नाबालिगों द्वारा परस्पर सहमति से तीन वर्ष तक के आयु-अन्तर वाले साथी के साथ यौन व्यवहार को बलात्कार नहीं दुर्व्यवहार माना जाता है। भारत में यौन सहमति की आयु 18 वर्ष है, 'पोक्सो एक्ट' एक लिंग-निरपेक्ष कानून है और इस कानून में अवयस्कों द्वारा यौन व्यवहार के लिए दी गई पारस्परिक तथ्यात्मक सहमति की मान्यता नहीं है। तदानुसार, नाबालिगों द्वारा यौन गतिविधियों में संलिप्तता स्वतः ही अपराध बन जाती है।
सहमति से सम्बन्ध स्थापित करने वाले किशोरों की सूचना पुलिस तक पहुंचाने में 'पोक्सो एक्ट' की धारा 19(1) का प्रमुख योगदान है, जिसके अन्तर्गत कोई भी व्यक्ति, जिनमें चिकित्सा पेशेवर भी शामिल हैं, यदि किसी नाबालिग के यौन गतिविधि में शामिल होने की जानकारी प्राप्त कर लेता है, तो उसे इसकी सूचना पुलिस को देना कानूनी रूप से अनिवार्य हो जाती है। परिणामस्वरूप, नाबालिग अविवाहित किशोर अपनी चिकित्सीय समस्याओं के निदान के लिए योग्य डाक्टरों के पास जाने से कतराते हैं।
वर्ष 2023 में 'पोक्सो एक्ट' के अन्तर्गत 2,478 मामले नाबालिगों के विरुद्ध दर्ज हुए थे। इनमें से कुछ परस्पर सहमति से जिज्ञासावश बनाए गए सम्बन्ध भी शामिल हैं।
'पोक्सो एक्ट' का मूल उद्देश्य वयस्कों द्वारा बच्चों के यौन शोषण को रोकना और उनकी रक्षा करना है। यह उचित प्रतीत नहीं होता कि किशोरों के बीच कौतूहलवश तथा सहमति से बने यौन सम्पर्क को भी इस अधिनियम के अन्तर्गत अपराध की श्रेणी में रखा जाए। दूसरी ओर, किशोरों के सभी सहमति-आधारित सम्बन्धों को पूरी तरह अपराधमुक्त करना भी कठिन प्रतीत होता है। इसीलिए, मौजूदा कानूनों में ही कुछ संशोधन करके उचित रास्ता निकालने की जरूरत है।
'एक्स' बनाम प्रधान सचिव, स्वास्थ्य एवं अन्य, प्रकरण में 29 सितम्बर, 2022 को सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया था कि पोक्सो अधिनियम की धारा 19(1) के अन्तर्गत पुलिस को दी जाने वाली सूचना में चिकित्सा पेशेवरों को नाबालिग की पहचान और अन्य व्यक्तिगत विवरण प्रकट करने की आवश्यकता नहीं है। यह व्याख्या संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत नाबालिगों के निजता के अधिकारों के बीच टकराव को रोकती है। इस फैसले को नजीर मानकर अवयस्कों द्वारा सहमति से बनाए गए यौन-सम्बन्धों को अपराध नहीं दुर्व्यवहार की श्रेणी में रखा जा सकता है। उन्हें उचित मार्गदर्शन देने की व्यवस्था की जा सकती है।
इसके अतिरिक्त, 16 से 18 वर्ष आयु-समूह के वे किशोर, जो सहमति से यौनाचार के मामलों में संलिप्त हो जाते हैं, को किशोर न्याय अधिनियम, 2015 की मौजूदा व्यवस्था के अनुसार वयस्कों की तरह मुकदमा चलाकर दण्डित करने के प्रावधानों की भी समीक्षा करने की जरूरत है। इसके बजाय, ऐसे किशोरों को सामुदायिक सेवा और निगरानी में सदाचार की परिवीक्षा (प्रोबेशन) जैसे गैर-हिरासती सुधारात्मक उपायों के दायरे में लेकर उन्हें मार्गदर्शन देने के प्रयास होने चाहिए।

(लेखक पूर्व पुलिस महानिदेशक रहे हैं।)

जीवन दर्शन

शिक्षा वह ताकत है जो डर से मुक्ति दिलाती है

शिक्षा हमारे जीवन का वह प्रकाश है जो हमारे अज्ञानता रूपी अंधकार को दूर करती है। शिक्षा का होना हर व्यक्ति के जीवन में अनिवार्य है। शिक्षा से अज्ञानता के बादल छंटते हैं और ज्ञान रूपी नया सवेरा होता है। आपने कभी सोचा है कि हम शिक्षा क्यों ग्रहण करते हैं? इतिहास, गणित, भूगोल पढ़ने की क्या जरूरत है? क्या कभी सोचा है कि आप स्कूल और कॉलेज क्यों जाते हैं? आपका जवाब होगा, माता-पिता भेजते हैं। शायद इसलिए कि वे भी परीक्षाएं पास कर गए, डिग्रियां ले लीं। उन्हें नौकरी मिल गई। आपने शिक्षकों से पूछा कि वे स्कूल, कॉलेजों में क्यों आए? शिक्षक भी बताएंगे कि वे पढ़ाई-लिखाई करके नौकरी पाने के लिए यहां आए हैं। हम अपनी नजर के सामने सारा संघर्ष देखते हैं- अध्ययन करने का, परीक्षा उत्तीर्ण करने का, जीने का संघर्ष है। घर से दूर किसी स्थान पर सहजता से रह सकें, वह भी एक संघर्ष है। अच्छी तरह से हंसते-खेलते जीवन गुजार सकें, इसके लिए भी संघर्ष करते हैं। जीवन यापन के लिए कमाई तो करनी ही पड़ेगी। गुजरते हुए परीक्षाओं से क्या आप जीवन का पूरा महत्व समझने जा रहे हैं? कुछ लोग परीक्षा पास करने में बहुत अच्छे होते हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि वे बहुत बुद्धिमान हैं। दूसरे जो परीक्षा उत्तीर्ण करना नहीं जानते, या परीक्षा के हिसाब से पढ़ाई नहीं कर पाते हैं, हो सकता है कि वे कहीं अधिक बुद्धिमान हों। हो सकता है वे अधिक सक्षम हों। हो सकता है वे चीजों को उस व्यक्ति की तुलना में अधिक गहराई से सोचें जो केवल पास होने के लिए रटते हैं।

बहुत से लड़के केवल नौकरी पाने के लिए पढ़ते हैं, और यही उनके जीवन का पूरा उद्देश्य है। लेकिन नौकरी मिलने के बाद क्या होता है? वे शादी करते हैं, उनके बच्चे होते हैं और परिवार में फंसकर जीवन गुजार देते हैं। क्लर्क, वकील, पुलिसकर्मी बन तो जाते हैं, लेकिन पत्नियों के साथ, अपने बच्चों के साथ उनका संघर्ष भी चलता रहता है। क्या आपको अपने परिवार से इन सबके बारे में जानकारी नहीं मिली है? तो आप शिक्षित क्यों होना चाहते हैं, आप क्यों पढ़-लिखकर कुछ बनना चाहते हैं। इसलिए कि माता-पिता चाहते हैं कि आप शिक्षित हों और इस पर लंबा-चौड़ा भाषण देते हैं। तो क्या आपको शिक्षा का अर्थ नहीं जानना चाहिए, जिसका अर्थ केवल पढ़ने में सक्षम होना और परीक्षा पास करना नहीं है। शिक्षा का उद्देश्य बुद्धि का विकास करना है। बुद्धि से मेरा मतलब चालाकी से नहीं है। किसी और से आगे निकलने के लिए चतुर बनने की कोशिश करना बुद्धिमानी नहीं है। जब आप किसी से आगे निकलने की कोशिश करते हैं तो डरे रहते हैं। शिक्षक की डांट, आलोचना का डर, कक्षा में लोकप्रिय नहीं होने का डर रहता है। लेकिन जब आप डरते नहीं हैं तो वहां आपकी बुद्धिमत्ता काम करती है। निश्चित रूप से यही शिक्षा का सार है। डर के कारणों को समझने और उसके निदान के लिए शिक्षा जरूरी है। मान लीजिए कि आपने कुछ ऐसा किया है, जिसमें आपके माता-पिता और समाज शामिल नहीं है। वह ऐसा करने से मना कर रहे हैं। मान लीजिए आप किसी ऐसे व्यक्ति से शादी करना चाहते हैं जो आपकी जाति या वर्ग का नहीं है। क्या आपको डर नहीं लगेगा कि लोग क्या कहेंगे? इसी तरह आप बीमारी से, मौत से डरते हैं। हममें से ज्यादातर लोग डरते हैं। अगर हम इसके बारे में सोचें तो देखेंगे कि लगभग हर किसी को डर सता रहा है। डर से मुक्ति दिलाने वाली सबसे बड़ी ताकत शिक्षा है।

॥ गीता ज्ञान ॥

श्लोक

विषया विनिवर्तन्ते निराहारस्य देहिनः।
रसवर्जं रसोऽप्यस्य परं दृष्ट्वा निवर्तते॥

भावार्थ

इंद्रियों के विषय त्याग देने पर भी, उनमें आसक्ति बनी रहती है; किंतु परम तत्व के दर्शन के बाद वह भी समाप्त हो जाती है।

पूर्व व वर्तमान बैंक कर्मचारियों का बना सबसे बड़ा बैंकर्स क्लब

सदस्य संख्या हुई 400 से पार, अशोक नए उपाध्यक्ष व राहुल सचिव बने

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। संत हिरदाराम नगर से 1993 में मात्र 10 बैंक कर्मचारियों एवं अधिकानियों की संख्या से शुरूआत हुई बैंकर्स क्लब अब वटवृक्ष का रूप ले चुका है, जिसकी सदस्या 400 से पार हो गई है और इसमें वर्तमान तथा सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं अधिकारी राजधानी के कोने कोने से सदसय हैं।

इसकी स्थापना 1993 में उस समय हुई थी, जब बैंकों में काम करने वाले कर्मचारियों व अधिकारियों का कोई क्लब नहीं थी, इस क्लब की स्थापना बैंकों से अपने अधिकारों की मांग व समस्याओं के निराकरण के लिए नहीं बल्कि क्लब के जरिए सहकारिता क्षेत्र एवं रचनात्मक कार्यो को अंजाम देना था। आज यह क्लब पूरी तरह से वटवृक्ष का रूप ले चुका है। इसमें राजधानी एवं मुख्य रूप से संत हिरदाराम नगर के बैंक कर्मचारियों, अधिकारियों एवं पूर्व कर्मचारियों की संख्या बढ़कर अब 400 तक पहुंच चुकी है। क्लब द्वारा एक क्रेडिट शाखा का भी संचालन किया जाता है, जिसमें आकस्मिक तौर पर सदस्यों को 50 हजार तक का लोन भी दिया जाता है, वैसे इस क्रेडिट फंड का कम ही सदस्य इस्तेमाल

अशोक वासवानी

राहुल वासवानी

करते हैं, क्योंकि बैंक कर्मचारियों एवं अधिकारियों का वेतन वैसे भी अन्य किसी भी सरकारी क्षेत्र के कर्मचारियों की तुलना में संतोषजनक है।

सामूहिक एकता बनी पहचान

महासचिव गुलाब जेठानी बताते हैं कि बैंकर्स क्लब की बड़ी सफलता विशाल परिवार होना है, इसके 400 सदस्यों में बैंकों के एजीएम, डीजीएम तक शामिल है इसके अलावा चैयरमैन भी इसकी शोभा बढ़ा रहे हैं। बैंकों में अधिकारी पद को सुशोभित कर चुके जाने माने समाज सेवी एव ंसन सिटी गार्डन के संचालक श्यामसुंदर गोपलानी, एसी साधवानी, गोविंद सिंह अहिरवार जैसे सदस्य शामिल हैं। गुलाब जेठानी के अनुसार न केवल लगभग हर माह क्लब की एक पारिवारिक बैंक होती है, जिसमें एक साथ मिलकर विभिन्न खेलों, प्रतिस्पर्धात्मक क्विज के अलावा सामूहिक रूप से भोजन करते हुए एक दूसरे के विचारों को साझा करते हुए क्लब के उत्थान के अलावा इस बहाने अपनी निजी एवं व्यक्तिगत समस्याओं का भी एक दूसरे की मदद से समाधान किया जाता है।

संभवतः राजधानी भोपाल ही नहीं बल्कि प्रदेश के वर्तमान एवं पूर्व बैंक कर्मचारियों व अधिकारियों की यह एक ऐसी संस्था है, जिसमें एक दूसरे को सहयोग करने एवं क्लब को आगे बढ़ाना ही अब तक मुख्य उद्देश्य रहा है।

प्रतिभा का प्रदर्शनः इसके नए अर्गेनाइजिंग सचिव राहुल वासवानी के अनुसार क्लब की वार्षिक एवं मासिक बैंठकों में क्लब के सभी सदस्यों के परिजन भी शामिल होते हैं, और परिवार का जो भी सदस्य गायन, लेखन, भाषण व खेलों में माहिर है तों उन्हें मैदान व मंच प्रदान किया जाता है, इस तरह क्लब के सदस्यों के अलावा उनके परिजनों की प्रतिभा का भी जबरदस्त प्रदर्शन होता है, इससे आपसी संबंध में मजबूत बन रहे हैं।

नए पदाधिकारियों का चयन

हालांकि बैंकर्स क्लब के समय समय पर हुए चुनाव में सुंदर किशनानी एवं गुलाब जेठानी कभी अध्यक्ष कभी महासचिव बनते रहे हैं, इस बार भी जहां सुंदर किशनानी को नया अध्यक्ष एवं गुलाब जेठानी को महासचिव का दायित्व दिया गया है, वहीं पहली बार स्टेट बैंक आफ इंडिया से रिटायर हुए वरिष्ठ सदस्य अशोक वासवानी को वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं जाने माने एंकरिंग करने वाले तथा मंच संचालन में महारथ हासिल युवा पूर्व बैंक कर्मचारी राहुल वासवानी को नया अर्गेनाइजिंग सेक्रटरी बनाया गया है। अशोक वासवानी ने बताया कि बैंकर्स क्लब की नीव सुंदर किशनानी ने रखी थी, जो आज वटवृक्ष का रूप ले चुकी है। इस परिवार के ही संस्थापक सदस्यों में संजू किशनानी, दिलीप किशनानी, दिनेश किशनानी एवं जागृति किशनानी पिछले तीन दशक से अधिक समय से अपनी निरंतर सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय में वार्षिक उत्सव संपन्न

रंगारंग प्रस्तुतियों व पुरस्कार वितरण ने बांधा समां

जागरण, बैरसिया। स्वामी विवेकानंद शासकीय कॉलेज में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का अंतिम दिवस उत्साह और उमंग के साथ संपन्न हुआ। महाविद्यालय परिसर में आयोजित इस समारोह में विविध सांस्कृतिक गतिविधियां, नृत्य प्रतियोगिता एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम ने वातावरण को उल्लासमय बना दिया। विद्यार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक विष्णु खत्री रहे। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. राजू तिलंथे के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में आयोजित किया। महाविद्यालय परिवार की ओर से

मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया। नृत्य प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने पारंपरिक एवं आधुनिक नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से सांस्कृतिक विविधता की सुंदर झलक प्रस्तुत की। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त वर्ष भर शैक्षणिक, खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। अपने प्रेरणादायक संबोधन में विधायक विष्णु खत्री ने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारण, अनुशासन और कड़ी मेहनत का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति ही देश का भविष्य है तथा शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों का होना भी अत्यंत आवश्यक है। प्राचार्य डॉ. राजू तिलंथे ने सभी विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धियों के लिए शुभकामनाएं दीं और प्राध्यापकों व आयोजन समिति के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. आरती दुबे ने किया।

निःशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर संपन्न

जागरण, मंडीदीप। परम संत हिरदाराम साहिब जी के आशीर्वाद तथा श्रद्धेय सिद्धभाऊ जी के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय द्वारा 11 फरवरी 2026 को पटेल नगर, मंडीदीप स्थित सेवा सदन आंख जांच केंद्र पर निःशुल्क नेत्र रोग निदान एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया गया। नगर के वरिष्ठ समाजसेवी

जगदीश प्रसाद शंकरलाल सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित हुआ, जिसमें क्षेत्र के निर्धन एवं जरूरतमंद मरीजों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। शिविर में कुल 35 मरीजों की ओपीडी दर्ज की गई, जिनमें 19 पुरुष एवं 16 महिलाएं शामिल रहीं। विशेषज्ञों द्वारा की गई जांच के दौरान 22 मरीजों (10 पुरुष, 12 महिलाएं) में मोतियाबिंद की पुष्टि हुई। इनमें से 8 मरीजों को निःशुल्क ऑपरेशन हेतु सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय, शासकीय सिविल अस्पताल के पीछे, संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़), भोपाल रेफर किया गया। वहीं 5 मरीज पेड श्रेणी में पंजीकृत किए गए। शिविर में एक अटेंडर की भी उपस्थिति रही। चयनित मरीजों के ऑपरेशन भोपाल स्थित चिकित्सालय में किए जाएंगे, जहां ऑपरेशन, लेंस प्रत्यारोपण, काला मोतिया (ग्लूकोमा) सहित अन्य नेत्र रोगों का उपचार निःशुल्क किया जाएगा।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया स्मरण

पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम

जागरण, मंडीदीप। औद्योगिक नगरी मंडीदीप में भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रख्यात विचारक एवं जनसंघ के संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि श्रद्धा और संकल्प के साथ मनाई गई। कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर 'अंत्योदय' की भावना को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया। मुख्य आयोजन वार्ड 01 स्थित विनायक होटल में संपन्न हुआ। यहां उपस्थित जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों - विशेषकर एकात्म मानववाद और समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान - पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि उनका दर्शन केवल राजनीतिक सिद्धांत नहीं, बल्कि समावेशी विकास का व्यावहारिक मार्गदर्शन है। नपा परिसर में भी श्रद्धांजलि सभा हुई। यहां पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल, पूर्व जिला उपाध्यक्ष अरविंद जैन, जीवन सिंह पाल, प्रेमशंकर साहू, मंडल महामंत्री राजेश भवरे, सहित अन्य नेताओं ने माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। मंडल महामंत्री अमित जैन ने बताया कि संगठन द्वारा 'समर्पण दिवस' के रूप में विशेष कार्यक्रम कर कार्यकर्ताओं को जनसेवा के लिए प्रेरित किया गया।

महाशिवरात्रि पर कृष्णा कॉम्पलेक्स परिसर में होंगे 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन

स्टेशन रोड पर तीन दिवसीय सिंधी भक्ति गीत गूंजेगे

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। संत हिरदाराम नगर के विभिन्न स्थानों पर महा शिवरात्रि का पर्व उत्साह से मनाया जाएगा। ब्रम्हकुमारी संस्थान द्वारा कृष्णा प्लाजा काम्पलेक्स परिसर में भव्य मेले का आयोजन किया गया है। संस्थान से जुड़े समाज से घनश्याम चंदनानी ने बताया कि मेला सीआरपी स्थित केन्द्र द्वारा रखा गया है, जिसमें भारत के प्रसिद्ध 12 ज्योतिलिंग, अमरनाथ बर्फानी बाबा, माता वेष्णो देवी एवं खाटू श्याम बाबा की आकर्षक एवं सुंदर झांकिया सजाई जा रही हैं। यहां प्रोजेक्टर के माध्यम से राजयोग मेडिटेशन की सरल विधि का ज्ञान प्रदान किया जाएगा। इसी तरह मोबइल एडिक्शन और अन्य बुराईयों के साथ ही व्यसन मुक्ति प्रदर्शनी भी लगाई जा रही है। शुभारंभ महाशिव रात्रि के दिन 14 फरवरी को होगा और दो दिन यह आम जनता के लिए खुली रहेगी। दोपहर 12 से रात 9 बजे तक कोई भी व्यक्ति यहां आ सकेगा। रविवार को सुबह 6 से रात 9 बजे तक प्रदर्शनी खुली रहेगी।

कंबल पाकर जरूरतमंदों के चेहरे खिले

जागरण, बैरसिया। राष्ट्रीय सेवा भारती के सहयोग से ग्राम नहरिया में जरूरतमंद परिवारों को कंबलों का वितरण किया। उल्लेखनीय है कि ग्राम नहरिया के अधिकांश निवासी अत्यंत गरीबी में जीवन यापन कर रहे हैं। यहां के लोग मेहनत-मजदूरी एवं जलाऊ लकड़ी बेचकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। ठंड के मौसम को देखते हुए ग्राम की इस सेवा बस्ती में प्रत्येक घर तक पहुंचकर कंबलों का वितरण किया। इस सेवा कार्य के दौरान पूरे ग्राम में उत्सवपूर्ण वातावरण देखने को मिला। ग्रामीणों ने इस पहल के लिए राष्ट्रीय सेवा भारती और सहयोगी कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। कंबल पाकर जरूरतमंद परिवारों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। इस अवसर पर पर्वत सिंह राजपूत, राजीव शर्मा, पूरन सिंह पटेल, दिलीप सिंह ठाकुर, यतीश शर्मा, तारान सिंह, राजेश जाट, सरपंच मनवीर गुर्जर थाना प्रभारी वीरेंद्र सेन प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

गोपलानी बने वीएसएस युवा विंग भोपाल के अध्यक्ष

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। सिंधियों की अग्रणी इंटरनेशनल सामाजिक संस्था विश्व सिंधी सेवा संगम की भोपाल यूथ विंग का लवलीत गोपलानी को अध्यक्ष बनाया गया है। लवलीत गोपलानी वरिष्ठ समाज सेवी एवं सनसिटी गार्डन के संचालक तथा विश्व सिंधी सेवा संगम से सक्रिय रूप से जुड़े श्याम गोपलानी के सुपुत्र हैं। हाल ही में 9 से 11 नवम्बर तक विश्व सिंधी सेवा संगम को राजधानी में इंटरनेशनल सिंधी सम्मेलन हुआ था, जिसमें बड़ी संख्या में विदेशों से भी प्रतिनिधि शामिल हुए थे। इसके इंटरनेशनल अध्यक्ष मुम्बई के समाज सेवी राजू मनवानी हैं। इस नियुक्ति पर उन्हें संत नगर की अग्रणी सामाजिक संस्था सिंधी सेन्ट्रल पंचायत के अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश इसरानी, महासचिव सुरेश जसवानी, संयोजक कन्हैयालाल इसरानी, उपाध्यक्ष नरेश चोटरानी के अलावा अभा सिंधी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष त्रिलोक दीपानी, समाज सेवी गुलाब जेठानी आदि ने बधाई दी है।

SUDOKU 145

8	9		7				4	
	6	7						2
	4					6		
			8			5		
	3	8		6		4	9	
		4			5			
		3					5	
9						7	6	
	5				4		2	9

SOLUTIONS 144

1	6	8	7	2	3	4	5	9
3	7	4	9	6	5	2	1	8
9	2	5	8	4	1	6	7	3
7	4	6	1	8	2	9	3	5
8	3	1	6	5	9	7	4	2
2	5	9	3	7	4	8	6	1
6	8	2	5	3	7	1	9	4
4	1	3	2	9	6	5	8	7
5	9	7	4	1	8	3	2	6

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : आज मन ऊर्जा और उत्साह से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके प्रयासों की सराहना होगी और वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। व्यापार और पेशेवर अवसर लाभकारी रहेंगे।

वृषभ : आज आप अपने कार्यों में अधिक सक्रिय और सतर्क रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपके प्रयास फलदायक रहेंगे। आर्थिक स्थिति संतोषजनक रहेगी।

मिथुन : कार्यक्षेत्र में नए विचार और योजनाएं बनेंगी। वरिष्ठ अधिकारी आपके प्रयासों को सराहेंगे। व्यापार में लाभ के संकेत हैं।

कर्क : आज भावनाओं को नियंत्रित करना आवश्यक होगा। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, पर निवेश सोच-समझकर करें।

सिंह : आज आपका आत्मविश्वास उंचा रहेगा और नेतृत्व क्षमता प्रकट होगी। कार्यक्षेत्र में आपके प्रयासों का उचित फल मिलेगा। व्यापार और पेशेवर अवसर लाभकारी रहेंगे।

कन्या : कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से पूरा करना लाभदायक रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत सराही जाएगी। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी।

तुला : कार्यक्षेत्र में आपके प्रयास सफल रहेंगे और नई संभावनाएं बनेंगी। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, पर खर्चों में संयम आवश्यक है। परिवार और मित्रों के साथ संबंध मधुर रहेंगे।

वृश्चिक : कार्यों में संयम और धैर्य की आवश्यकता होगी। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत फलदायक साबित होगी। व्यापार में लाभ के अवसर बन सकते हैं। वाहन सुख में वृद्धि होगी।

धनु : आज भाग्य आपका साथ देगा। कार्यक्षेत्र में नई संभावनाएँ बनेंगी, प्रयासों की सराहना होगी। व्यापार में लाभ के संकेत हैं।

मकर : मेहनत का उचित फल मिलेगा। कार्यक्षेत्र में उन्नति के संकेत हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी, पर खर्चों में संयम आवश्यक है।

कुंभ : आपके मन में नए विचार और रचनात्मकता आएगी। कार्यक्षेत्र में प्रयास सफल रहेंगे। आर्थिक स्थिति संतोषजनक रहेगी।

मीन : आज आपका मन शांत रहेगा और आप संतुलित निर्णय लेने में सक्षम होंगे। कार्यक्षेत्र में प्रगति के संकेत हैं और प्रयास सराहनीय होंगे। आर्थिक लाभ की संभावना है।

आज का पंचांगः 12 फरवरी गुरुवार 2026। **दिशाशूल :** दक्षिण दिशा में रहेगा। **विशेष :** सूर्य कुंभ राशि में तुला में नवमांश में। **भद्रा :** दोपहर 12 बजकर 23 मिनट तक। विक्रम संवत 2082 शके 1947 उत्तरायण, दक्षिणगोल, शिशिर ऋतु फाल्गुन मास फाल्गुन पक्ष की दशमी तत्पश्चात एकादशी ज्येष्ठा नक्षत्र 13 घंटे 43 मिनट तक, तत्पश्चात मूल नक्षत्र हर्षण योग तत्पश्चात वज्र योग वृश्चिक में चंद्रमा तत्पश्चात धनु में।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं, जितेन्द्र कुमार दोहरे आत्मज श्री आज्ञाराम दोहरे, आयु-वयस्क, निवासी मकान नंबर-230, प्रियदर्शिनी नगर, भोपाल म.प्र.। यह कि मेरे आधार कार्ड, पैन कार्ड, जाति प्रमाण आदि दस्तावेजों में मेरा नाम Jitendra Kumar Dohare अंकित है। यह कि मैं केनरा बैंक, बैरागढ़ शाखा भोपाल म.प्र. में सहायक कर्मचारी के पद पर कार्यरत हूँ तथा मेरे सर्विस रिकॉर्ड में मेरा नाम Jitendra Kumar अंकित है। अतः भविष्य में मुझे जितेन्द्र कुमार दोहरे Jitendra Kumar Dohare के नाम से जाना व पहचाना एवं पढ़ा जावे।

जाहिर सूचना

यह कि मैं आफरीन जावीद शैख पत्नी श्री जावीद शैख निवासी 149, अमन सोसायटी-1, अंजाना, चौरासी, सूरत, गुजरात हाल मुकाम भोपाल की निवासी हूँ। यह कि पूर्व में मेरा नाम श्रीमती आफरीन पत्नी श्री नदीम अहमद के नाम से जाना पहचाना जाता था। यह कि मेरे पति श्री नदीम अहमद का स्वर्गवास दिनांक 18.08.2018 को हो जाने के उपरांत मेरा विवाह दिसम्बर 2019 में दोनों परिवारों की सहमति से श्री जावीद शैख के साथ सम्पन्न हुआ था। यह कि वर्तमान में मुझे आफरीन जावीद शैख पत्नी श्री जावीद शैख के नाम से ही जाना पहचाना जाता है। यह कि मेरे द्वारा अपने आधिपत्य का भूखण्ड क्रमांक 27, जो कि खसरा क्रमांक 156/2 का अंश भाग स्थित ग्राम खजूरी कलां, तहसील हुजूर जिला भोपाल जिसका इन्द्राज उप पंजीयक कार्यालय भोपाल में पुस्तक क्रमांक अ-1, ग्रंथ क्रमांक 33160 दस्तावेज क्रमांक 1470 (3) दिनांक 25.03.2014 पर दर्ज है। जिसमें मेरा नाम श्रीमती आफरीन पत्नी श्री नदीम अहमद दर्ज है। मेरे द्वारा उक्त भूखण्ड को विक्रय किया जा रहा है। जिसमें किसी को कोई आपत्ति या विवाद उत्पन्न होता है तो उसकी संपूर्ण जबावदारी मेरी स्वयं की होगी।

भवदीय **आफरीन जावीद शैख**
निवासी 04, ए सेक्टर, हजरत निजामुद्दीन कॉलोनी, नरेला शंकरी, भोपाल म.प्र.
मो. नं. - 7802833362

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल
प्रगति भवन प्रेस कॉम्प्लेक्स ज़ोन-1, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल

प्रॉपर्टी आई.डी. नं. 5426000030,
आवेदन क्रमांक-10760, आवेदन दिनांक-17.01.2026

क्रमांक 1017/राजस्व/भौविप्रा/26 भोपाल, दिः 03.02.2026

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकारण की रत्नागिरी योजना में स्थित भूखण्ड क्रमांक 30 ए, श्री लखन लाल ग्वाले आ. बूदराम मोची के नाम पर आवंटित है। आवंटी श्री लखन लाल ग्वाले का स्वर्गवास दिनांक 19.09.2020 को हो जाने के कारण आवंटी के वारिस 1- सावित्री ग्वाले पत्नी स्व. श्री लखन लाल ग्वाले 2- चंद्रकला बरगले 3- अनिल कुमार ग्वाले 4- ममता अहिरवार 5- अरविंद कुमार ग्वाले 6- राकेश कुमार ग्वाले पुत्र एवं पुत्री गण स्व. श्री लखन लाल ग्वाले द्वारा आवेदन पत्र के साथ आवंटी का मृत्यु प्रमाण-पत्र, शपथ-पत्र, आधार कार्ड, समग्र आई.डी. प्रस्तुत कर उक्त भूखण्ड संयुक्त नाम पर नामांतरण चाहा गया है।

उक्त नामांतरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं सक्ष्य/दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/दावा प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात् कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

राजस्व अधिकारी
भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस
कार्यालय प्राचार्य, शासकीय नर्मदा महाविद्यालय, नर्मदापुरम म.प्र.

विज्ञप्ति

शासन की योजनांतर्गत शासकीय नर्मदा महाविद्यालय के पुस्कालय विभाग में कम्प्यूटर क्रय किये जाने हेतु एम.पी.टेंडर पोर्टल पर बिड क्रमांक 2026_HED_ 481696_1 जारी की गयी है। नियम एवं शर्तों की जानकारी mptenders.gov.in की वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

निविदा प्रकाशन दिनांक	11/2/2026 के सायं 04.00 बजे
निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की प्रारम्भिक दिनांक	11/02/2026 के सायं 05.00 बजे
निविदा जमा करने की प्रारम्भ दिनांक	14/2/2026 के प्रातः 09:00 बजे
निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक	25/2/2026 के सायं 05.00 बजे
निविदा खोलने की दिनांक	27/2/2026 के प्रातः 11:00 बजे

प्राचार्य,
शासकीय नर्मदा महाविद्यालय,
नर्मदापुरम

पंजाब नैशनल बैंक punjab national bank
मंडल कार्यालय, भोपाल
अरेरा हिल्स, भोपाल
फोन नं. 0755-2550020

अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 (6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु **ई-नीलामी विक्रय नोटिस**

आम लोगों को और विशेष रुप से उधार लेने वाला और प्रत्याभूतिदाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल सम्पत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी/प्रभारित है, का प्रलक्षित/वास्तविक कब्जा/सांकेतिक कब्जा (इनमें से जो भी लागू होता हो) प्रतिभूत लेनदार के द्वारा लिया गया है, को ''जहां है जैसा है और जो कुछ भी है'' के आधार पर निम्नलिखित ऋणियों एव जमानतदारों से बैंक/प्रतिभूत लेनदार की निम्नलिखित रुपए की बकाया राशि की वसूली हेतु निम्न दिनांक को बेचा जाएगा। आरक्षित मूल्य एवं अग्रिम धनराशि निम्नलिखित है:-

ई नीलामी दिनांक : 06.03.2026
(ई-नीलामी का समय : प्रातः 11.00 बजे से दोपहर 5.00 बजे तक प्रत्येक 10 मिनिट के असिमित विस्तार के साथ)

निविदाकार अपने प्रस्ताव रु. 25000/- (रु. पच्चीस हजार मात्र) के गुणांक में बढ़ा सकेंगे।
मंडल कार्यालय, भोपाल | प्राधिकृत अधिकारी : श्री योगेश कृष्ण सक्सेना | फोन नं. 0755-2550020/9425013866

ऋणी/बंधनकर्ता का नाम एवं बंधक संपत्ति का विवरण	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि	मांग नोटिस दि. / कब्जा दिनांक / बकाया राशि
श्री ग्यासीराम रायकवार (भौतिक आधिपत्य) आवासीय फ्लैट नं. टी-1, प्लाट नं. 212 पर निर्मित बहुमंजिला इमारत निरंजन अपार्टमेंट के तृतीय तल पर, खसरा नं.13, 18, 16, 904/16/2, 8/2 का भाग, ''गोपाल नगर'' ग्राम-खजूरीकलां, वार्ड नं. 61 ,तहसील-हुजूर,जिला- भोपाल, क्षेत्रफल : 750 वर्ग फिट , सीमाएँ :- पूर्व : लॉबी , पश्चिम : ओपन स्काई, उत्तर :ओपन स्काई, दक्षिण : प्लाट नं. 211 (नोट: लोन से संबंधित सभी मूल दस्तावेज आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (EOW) भोपाल में जमा है)	(₹) 14,17,500/- / (₹) 1,41,750/-	14-09-2018 / 15-03-2019 / ₹1988147.00 + दिनांक 01.09.2018 से देय ब्याज एवं अन्य खर्चे
पूनम विश्वकर्मा पुत्री परमानन्द विश्वकर्मा (सांकेतिक आधिपत्य) बंधक संपत्ति का समस्त भू-भाग मकान नं.एस-132, सेक्टर -ए, सतलापुर, मंडीदीप, तहसील-गौहरगंज, जिला-रायसेन (म.प्र.), क्षेत्रफल : 54.00 वर्ग मीटर, सीमाऐं : पूर्व- प्लाट नं. एस-133, पश्चिम-रोड, उत्तर- प्लाट नं. एस-165 एवं 164, दक्षिण - रोड, संपत्ति मालिक :श्री परमानन्द विश्वकर्मा पुत्र श्री तुलसीराम विश्वकर्मा	(₹) 17,01,000/- / (₹) 1,70,100/-	29-08-2023 / 04-01-2024 / ₹1808314.54 + दिनांक 01.08.2023 से देय ब्याज एवं अन्य खर्चे
श्री मनीष कुमार वर्मा पुत्र श्री चंद्रशेखर वर्मा (भौतिक आधिपत्य) आवासीय फ्लैट नं.03, तृतीय तल, नर्मदा ब्लॉक-04, प्लाट नं.10 डी सेक्टर पर स्थित, इंडस्ट्रीयल एरिया, मंडीदीप, गोहरगंज,रायसेन क्षेत्रफल : 600 वर्ग फिट, सीमाऐं : पूर्व-नीचे खुला, पश्चिम-नर्मदा ब्लॉक नं. 4, उत्तर-नर्मदा ब्लॉक नं. 3 , दक्षिण - कोरिडोर, संपत्ति मालिक : श्री मनीष वर्मा	(₹) 5,85,000/- / (₹) 58,500/-	16-09-2021 / 27-12-2021 / ₹1921998.25 + दिनांक 01.09.2021 से देय ब्याज एवं अन्य खर्चे
श्री सीता सरन सूर्यवंशी बंधक सम्पत्ति प्लॉट नं. 108, फेस-2, शिवनगर, ग्राम भानपुर, भोपाल (म.प्र) स्थित । क्षेत्रफल 600 वर्गफिट। सीमाएं : - पूर्व : प्लॉट नं. 109, पश्चिम : प्लॉट नं. 107,उत्तर : 20 फिट चौड़ी सड़क, दक्षिण : प्लॉट नं. 126,संपत्ति :- श्री सीता सरन सूर्यवंशी।	(₹) 14,40,000/- / (₹) 1,44,000/-	20-07-2017 / 31-03-2018 / ₹ 630762.00 + दिनांक 01.07.2017 से देय ब्याज एवं अन्य खर्चे
श्री बृजेश याग्निक पुत्र श्री उदयवीर सिंह (भौतिक आधिपत्य) फ्लैट नं. 04, प्लॉट नं. 10, सेक्टर डी, चतुर्थ तल, क्षिप्रा ब्लॉक नं. 01, इंडस्ट्रीयल एरिया, मंडीदीप, वार्ड नं. 13, तहसील गोहरगंज, जिला रायसेन, क्षेत्रफल-600 वर्ग फिट। सीमाऐं :- पूर्व: खुला भाग, पश्चिम: क्षिप्रा ब्लॉक 01, चतुर्थ तल 05, उत्तर : गलियारा, दक्षिण : क्षिप्रा ब्लॉक 02, चतुर्थ तल 03, सम्पत्ति मालिक: श्री बृजेश याग्निक पुत्र श्री उदयवीर सिंह।	(₹) 7,30,000/- / (₹) 73,000/-	01.08.2019 / 22.10.2019 / ₹ 1518496.62 +देय ब्याज एवं अन्य खर्चे
मेसर्स अम्बे ट्रडर्स (भौतिक आधिपत्य) कामर्शियल संपत्ति दुकान नं.04, भूतल '' अंशिका काम्प्लेक्स'' साहु समाज मंदिर के पास, बाबू सहाब परिसर के सामने, गली, घोड़ा निकास, जिला- भोपाल, क्षेत्रफल: 119 वर्ग फीट, सीमाऐं : पूर्व-पैसेज, पश्चिम-मंदिर साहु समाज, उत्तर-दुकान नं. 05, दक्षिण-दुकान नं. 03, संपत्ति मालिक : श्री मनीष मतानी	(₹) 8,20,000/- / (₹) 82,000/-	21-01-2016 / 11-03-2019 / ₹1482000.00 + दिनांक 01.01.2016 से देय ब्याज एवं अन्य खर्चे
श्री अभिनव सिंह एवं श्री राजेन्द्र प्रसाद सिंह (सांकेतिक आधिपत्य) बंधक संपत्ति समस्त भूभाग फ्लैट नं. बी-17, द्वितीय तल (राजवेद गृह निर्माण सहकारी समिति) मधुवन पार्क फेस-1 स्थित (निर्मित प्लाट नं. 105,106,107 एवं 108, सेक्टर -टी, बहुमंजिला बिल्डिंग खासरा नं. 19, नया खासरा नं. 123) ग्राम-बैरागढ़ चीचली, तहसील-हुजूर, कोलार रोड, भोपाल (म.प्र.) क्षेत्रफल : 604.17 वर्ग फिट, सीमाऐं सेल डीड अनुसार : पूर्व-फ्लैट नं. बी-19 एवं कोरिडोर, पश्चिम-फ्लैट नं. बी-16, उत्तर-कोरिडोर, दक्षिण- अन्य संपत्ति, संपत्ति मालिक : श्री अभिनव सिंह एवं श्री राजेन्द्र प्रसाद सिंह	(₹) 11,76,000/- / (₹) 1,17,600/-	19-11-2022 / 29-04-2023 / ₹1229671.00 + दिनांक 01.11.2022 से देय ब्याज एवं अन्य खर्चे
श्री महेन्द्र जाटव पुत्र श्री श्यामलाल जाटव (भौतिक आधिपत्य) बंधक संपत्ति दुकान नं. 08, भूतल मल्टी स्टोरी काम्पलेक्स, भवानीधाम, (भवानी कैम्पस-2), खसरा नं. 293/152, 349/153/2 का भाग, भवानीधाम, फेस-2 के पास, ग्राम- नरेला शंकरी, तहसील-हुजूर, मुनसिपल वार्ड नं. 68, जिला भोपाल (म.प्र.) स्थित। क्षेत्रफल-दुकान का बिल्टअप एरिया 8.30 x20 = 166 वर्ग फिट, i.e. 15.42 वर्ग मीटर । सीमाएं- पूर्व: कोरिडोर एवं पार्किंग, पश्चिम: दुकान नं. 7, उत्तर: दुकान नं. 09, दक्षिण: कोरिडोर एवं पार्किंग, संपत्ति मालिक :- श्री महेन्द्र जाटव पुत्र श्री श्यामलाल जाटव।	(₹) 6,75,000/- / (₹) 67,500/-	05-09-2018 / 24-12-2019 / ₹ 1042509.00 + दिनांक 01.05.2018 से देय ब्याज एवं अन्य खर्चे
1.श्रीमती. निधि पारोथी पत्नी श्री चरणजीत पारोथी 2. श्री चरणजीत परोथी पुत्र कालूराम परोथी (सांकेतिक आधिपत्य) संपत्ति का वह पूरा हिस्सा जिसमें एक फ्लैट नं. 302, तृतीय तल , ब्लॉक ''सी''(यशोदा हाइट्स) है जिसका निर्मित क्षेत्रफल 506 वर्ग फीट (47.02 वर्ग मीटर) है, जिसमें खसरा नंबर 2/1, 2/2 और 3 का 59.10 वर्ग मीटर का सुपर-निर्मित क्षेत्रफल है, जो अर्जुन वार्ड, तहसील - हमलापुर, जिला - बैतूल 46000 में स्थित है, जिसकी सीमा इस प्रकार है : पूर्व में- फ्लैट नं. 304 सी, पश्चिम में- गार्डन और नाला, उत्तर में- फ्लैट नं. 301 सी, दक्षिण में- ओपन डक (गोविंदा हाइट्स), संपत्ति मालिक - श्री चरणजीत परोथी पुत्र कालूराम परोथी और श्रीमती निधि परोथी पत्नी श्री चरणजीत परोथी	(₹) 18,60,000/- / (₹) 1,86,000/-	17-09-2025 / 26-11-2025 / ₹ 1745480.30 + देय ब्याज एवं अन्य खर्चे
मेसर्स कुलदीप ट्रेडर्स प्रो. कुलदीप सिंह पटेल (सांकेतिक आधिपत्य) आवासीय मकान पी.सी. नं. 20, खसरा नं.384/60, निदान अस्पताल एरिया के पीछे, ग्राम-हथवास, तह.पिपरीया , जिला होंशगाबाद (नर्मदापुरम) म.प्र 461775, क्षेत्रफल 861 वर्ग फिट, प्लाट क्षेत्रफल एवं आर.सी.सी फ्रेमयुक्त संरचना जी+1 स्टोरी बिल्डिंग निर्मित , सीमाऐं : पूर्व-अद्युत खरे का मकान, पश्चिम-श्याम बाई की भूमि, उत्तर- 20 फिट चौड़ा कच्चा रोड, दक्षिण- मंजू साहू की भूमि, सपंत्ति मालिक - श्री रमेश कुमार पुरविया पुत्र श्री खुमान सिंह ठाकुर (पुरविया)	(₹) 28,57,000/- / (₹) 2,85,700/-	18-04-2023 / 13-07-2023 / ₹1312826.06 + देय ब्याज एवं अन्य खर्चे

नियम एवं शर्ते :- 1. विक्रय सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम व शर्तों के आधीन होगा तथा निम्नलिखित शर्तो का पालन करना होगा। 2. सम्पत्तियों की बिक्री ''जहां है जैसा है एवं जिस अवस्था में है'' के आधार पर होगी। 3. ऊपर वर्णित सम्पत्तियों का विवरण प्रतिभूत लेनदार को प्राप्त जानकारी के आधार पर है। किन्तु प्रतिभूत लेनदार किसी भी त्रुटि, गलत जानकारी, घोषणा में चूक लिये जिम्मेदार नहीं होगा। 4. विक्रय अधिकृत ऑनलाईन ई-निलामी सेवा प्रदाता के द्वारा **दिनांक 06/03/2026 को वेबसाइट** https://baanknet.com पर किया जायेगा। इच्छुक बोली लगाने वाले / खरीददारों को नीलामी के उचित समय से पहले बैंक से मान्यता प्राप्त सेवा प्रदाता PSB Alliance के संबंधित ई-नीलामी वेब पोर्टल https://baanknet.com में रजिस्ट्रेशन कर अपने ग्लोबल ईएमडी वॉलेट में ऑनलाईन मोड का उपयोग करके ईएमडी राशि को ट्रांसफर करना होगा । यदि ग्लोबल ईएमडी वॉलेट में ईएमडी राशि उपलब्ध नहीं है, तो सिस्टम बोली लगाने की अनुमति नहीं देगा। बिक्री के विस्तृत नियम व शर्तो के लिए https://baanknet.com और www.pnb.bank.in पर देखें ।

दिनांकः 10/02/2026, स्थानः भोपाल — प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब नैशनल बैंक

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

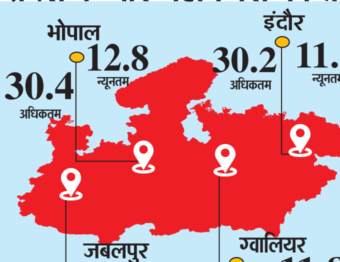

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
भोपाल	30.4	12.8
इंदौर	30.2	11.4
जबलपुर	29.5	12.1
ग्वालियर	29.2	11.8

देश के चार महानगरों का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	28.6	9.2
मुंबई	31.6	19.0
चेन्नई	34.2	17.6
कोलकाता	28.0	15.2

सूर्यास्त 6:13 PM
सूर्योदय 6:56 AM
चन्द्रोदय 01:07 AM
चन्द्रास्त 11:56 PM

देवास में वाहन हटाने पर की गाली-गलौज, वकील नहीं करेंगे आरोपी की पैरवी

न्यायाधीश से अभद्रता करने पर भाजपा नेता गिरफ्तार, अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

जागरण, देवास। प्रदेश के देवास में एक भाजपा नेता के न्यायाधीश के साथ अभद्रता करने का मामला सामने आया है। इस मामले में जहां पुलिस ने भाजपा नेता के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। वहीं प्रशासन ने भी मामले में सख्त रुख अपनाते हुए भाजपा नेता के अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाकर जमींदोज कर दिया। इस घटना से अभिभाषक संघ में भी आक्रोश है और उन्होंने इस मामले में आरोपियों की पैरवी नहीं करने का निर्णय लिया है। प्राप्त जानकारी अनुसार मंगलवार सुबह करीब 10.20 बजे जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश प्रसन्न सिंह बहारावत अपने घर से न्यायालय जा रहे थे। इसी दौरान धन लक्ष्मी मैरिज गार्डन के पास सड़क पर भाजपा नेता पंकज धारू और उसके साथियों ने स्कॉर्पियो बीच सड़क में खड़ी कर दी, जिससे न्यायाधीश का वाहन आगे नहीं निकल सका। न्यायाधीश के रास्ता खुलवाने के लिए वाहन हटाने का कहने पर आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी, जब न्यायाधीश ने कार्रवाई के उद्देश्य से मोबाइल से वाहन की फोटो लेने की कोशिश की तो आरोपियों ने फोटो लेने से रोक दिया और उन्हें घेरकर कार का दरवाजा खोलने नहीं दिया। घटना के दौरान आरोपियों द्वारा पालतू कुत्तों से हमला करने का प्रयास करने का भी उल्लेख शिकायत में किया गया है। न्यायाधीश की शिकायत पर नाहर दरवाजा पुलिस ने पंकज धारू, भीम धारू सहित अन्य व्यक्तियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। इस मामले को लेकर अभिभाषक संघ अध्यक्ष अशोक वर्मा ने निर्णय लिया कि आरोपी के पक्ष में संघ का कोई भी अभिभाषक पैरवी नहीं करेगा।

शासकीय कांकड़ की करीब सवा बीघा जमीन पर था कब्जा

न्यायाधीश के साथ अभद्रता मामले को जिला प्रशासन ने भी गंभीरता से लिया है। प्रशासन ने पंकज धारू के दो अवैध निर्माणों पर बुलडोजर एक्शन लिया है। तहसीलदार सपना शर्मा ने बताया कि भोपाल रोड स्थित देवास ग्रीन कॉलोनी में रास्ते पर पंकज धारू ने अतिक्रमण कर रखा था, उसे हटाया गया है। इसके बाद ब्राह्मणखेड़ा बिलावली मार्ग पर स्थित शासकीय कांकड़ की करीब सवा बीघा जमीन पर पोल्ट्री फार्म बनाकर अतिक्रमण किया था, जिसे भी हटाया गया है। तहसीलदार ने बताया कि पूर्व में भी हमने नोटिस जारी किए और न्यायालय से आदेश जारी किया जा चुका है, लेकिन आदेशों की अवहेलना की जा रही थी। चेतावनी के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाने पर प्रशासन बलपूर्वक कार्रवाई करनी पड़ी।

इनका कहना है

गाड़ी निकालने की बात पर न्यायाधीश से पंकज धारू, भीम धारू सहित एक अन्य ने विवाद किया था। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। बाकी की तलाश जारी है।

अमित सोलंकी
टीआई, नाहर दरवाजा थाना

गांव की सबसे बड़ी चोरी, सोते रह गए घर वाले

एक किलो सोना, ढाई किलो चांदी और 20 लाख कैश ले उड़े बदमाश

शिवपुरी में एक ही रात में टूटे दो घरों के ताले

जागरण, शिवपुरी। छत पर चढ़कर घुसे चोर दो घरों के ताले तोड़कर एक ही रात में डेढ़ करोड़ से अधिक का माल उड़ा ले गए। दोनों घर किसानों के ही हैं। एक घर में चोरों ने एक किलो से अधिक सोना, दो किलो चांदी और 20 लाख कैश उड़ा दिए। दूसरे घर से 12 तोला सोने के जेवर, 500 ग्राम चांदी चोरी हुए हैं। चोरी की यह दोनों ही घटनाएं शिवपुरी जिले के इंदार की है। चंद्रवंशी रघुवंशी के घर में रात करीब 12 बजे बदमाश छत के रास्ते से घुसे और कमरे का ताला तोड़ लिया। कमरे में रखे बक्सों में ही सारा सामान और नकदी थी। तीनों बक्शों के ताले तोड़कर चोर 17 सोने की अंगूठियां, 3 सोने के हार, 4 सोने की चेन, पुरानी सोने की मोहरें और करीब दो किलो चांदी के जेवरात ले गए। इनमें करीब 50-60 तोला सोना नया था, जबकि 50 तोला सोना पुश्तैनी था, जिसे एक ही स्थान पर रखा गया था। आशीष रघुवंशी ने पुलिस को बताया कि 15 लाख रुपए का मक्का बेचा है, 5 लाख रुपए पहले से रखे थे। चोर 20 लाख रुपए नकद भी ले गए। कुल 130 बीघा जमीन के किसान चंद्रप्रकाश रघुवंशी के तीन बेटे हैं, उनमें से एक देवेंद्र रघुवंशी गुना में पटवारी हैं। दो बेटे गांव में माता-पिता के साथ गांव में रहते हैं।

एक और घर को बनाया निशाना

मंगलवार रात ही इसी गांव के रामवीर सिंह रघुवंशी के घर को भी अज्ञात चोरों ने निशाना बनाया। परिजन शिव कुमार रघुवंशी के अनुसार, चोर कमरे का ताला तोड़कर अंदर घुसे और करीब 12 तोला सोने के जेवरात, लगभग 500 ग्राम चांदी के आभूषण और 3 से 4 हजार रुपए नकद चोरी कर ले गए। इतनी बड़ी चोरी होने पर पुलिस भी सक्रिय हो गई है ।

भांजे की हल्दी रस्म में नाच रहे मामा की स्टेज पर मौत

जागरण, आलीराजपुर। अचानक दबे पांव हो रहीं मौतों का आंकड़ा दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। आलीराजपुर के छक्कला गांव में विवाह की खुशियां उस समय मातम में तब्दील हो गईं जब हल्दी की रस्म में पत्नी संग खुशी से नाच रहे मामा नाचते-नाचते अचानक गिर पड़े और स्टेज पर ही उनकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक राकेश वाणी अपनी पत्नी के साथ स्टेज पर खुशी में नाच रहे थे। परिवार के लोग भी जश्न में शामिल थे। नाचने के बाद वे पानी पीने के लिए स्टेज से नीचे उतरे। इसी दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। बताया जा रहा है कि उन्हें दिल का दौरा पड़ा और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। मौत से कुछ ही मिनट पहले अपनी पत्नी के साथ स्टेज पर परफार्म कर रहे राकेश को देखकर किसी को तबीयत बिगड़ने का आभास तक नहीं हुआ। इसके पहले उन्हें किसी तरह की कोई शिकायत भी नहीं थी। अचानक हुई इस घटना से शादी का माहौल गम में बदल गया।

इंजीनियर को जेसीबी से कुचलने की कोशिश

जागरण, इंदौर। मेट्रो रेल प्रोजेक्ट की एरोड्रम साइट पर एक इंजीनियर को जेसीबी से कुचलने की कोशिश की गई। इंजीनियर ने ऐन वक्त पर पीछे हटकर अपनी जान बचाई। इसका वीडियो बुधवार को सामने आया है। पहले टक्कर मारने, फिर पंजे से कुचलने की कोशिश वीडियो में दिख रहा है कि मेट्रो साइट पर जेसीबी ड्राइवर और इंजीनियर के बीच किसी बात को लेकर बहस हो रही है। इसी दौरान ड्राइवर जेसीबी आगे बढ़ा देता है।

रीवा में स्विफ्ट को बना दिया लेम्बोर्गिनी, काटा चालान

जागरण, रीवा। पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान रीवा शहर में एक मॉडिफाइड कार को रोककर वाहन चालक के खिलाफ कार्रवाई की है। यह कार दिखने में लेम्बोर्गिनी जैसी लगती है, लेकिन असल में यह मारुति सुजुकी स्विफ्ट है। कार मालिक ने इसे पूरी तरह मॉडिफाई कर सुपरकार का रूप दे दिया था। पुलिस ने मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई शुरू कर 3500 रुपए का चालान काटा और गाड़ी को थाने में खड़ा करवाया है। जांच में सामने आया कि गाड़ी का मूल मॉडल स्विफ्ट है, लेकिन इसे लेम्बोर्गिनी स्टाइल में डिजाइन किया है। कार में लेम्बोर्गिनी जैसी ऊपर की ओर खुलने वाली स्किसर डोर्स कस्टम फ्रंट बंपर, स्पोर्ट्स स्प्लिटर, आफ्टर मार्केट अलॉय व्हील्स और लो-राइड सस्पेंशन लगाया गया है। इसके अलावा आकर्षक ब्लू पेंट और मॉडिफाइड लाइटिंग सिस्टम भी है, जिससे यह सुपरकार जैसी दिखाई देती है। शहर में यह कार लंबे समय से लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई थी। सोशल मीडिया पर भी इस सुपरकार की तस्वीरें वायरल हो रही थीं। वाहन के दस्तावेजों की जांच की जा रही है।

मॉडिफाइड कार पकड़ी, सीएसपी बोले-यह नियमों का उल्लंघन

बाहर से ताला लगाकर गया पति, अंदर पत्नी ने लगा ली फांसी

जागरण, रतलाम। सुबह-सुबह पति घर बाहर से लॉक कर अपनी चाची के तीसरे में चला गया। कुछ घंटों बाद पत्नी ने फोन लगाकर साथ ले जाने को कहा तो पति ने मना कर दिया। इससे नाराज पत्नी ने फांसी लगाकर जान दे दी। दोनों की छह माह पहले ही दूसरी शादी हुई थी। मृतका के परिजनों ने मौत को संदिग्ध बताते हुए जांच की मांग की है। हैरान करने वाला यह मामला रतलाम के पीएनटी कॉलोनी क्षेत्र में बुधवार सुबह का है। फांसी लगाने वाली नवविवाहिता आरजू (32) के पति ने पुलिस को बताया कि वह सुबह 6.30 बजे घर पर बाहर से ताला लगाकर अपनी चाची के निधन के बाद आयोजित उनके तीसरा कार्यक्रम में शामिल होने गया था। करीब 9.30 बजे पत्नी ने फोन कर उसे ले जाने के लिए कहा, लेकिन उसने मना कर दिया। इसके बाद सुबह 11.30 बजे पति ने दो बार कॉल किया, लेकिन आरजू ने रिसीव नहीं किया। इसके बाद वह दोपहर में लौटा तो पत्नी फंदे पर लटकी मिली। पति ऑटो डील का काम करता है।

पोते पर दुष्कर्म का केस, घर से दादा को उठा लाई पुलिस, 5 घंटे बाद छोड़ा

महिला वकील ने एसआई पर लगाया अभद्रता करने का आरोप

जागरण, मुरैना। जिले के कैलारस में पुलिस की मनमानी का अनोखा मामला सामने आया है। पुलिस दुष्कर्म के मामले में आरोपी पोते के 73 साल के दादा को घर से उठाकर ले गई और 5 घंटे थाने में बिठाए रखा। परिवार ने ग्वालियर हाईकोर्ट की महिला वकील से संपर्क किया। वकील ने थाने पहुंचकर कार्रवाई का कारण और कानूनी आधार पूछा, तो संबंधित एसआई ने स्पष्ट जवाब तो नहीं दिया उलटा महिला वकील से अभद्रता की। परिजनों के अनुसार कैलारस के तोड़िका गांव के रहने वाले अरुण धाकड़ का कैलारस की एक लड़की से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों परिवारों का एक-दूसरे के घर आना-जाना था। करीब चार साल की दोस्ती के बाद लड़का-लड़की ने 7 अक्टूबर 2025 को ग्वालियर के आर्य समाज मंदिर में विवाह कर लिया। शादी के बाद सुरक्षा की मांग लेकर जोड़े ने मुरैना एसपी दफ्तर में आवेदन दिया। आरोप है कि शादी के कुछ दिनों बाद लड़की का परिवार उसे बहला-फुसलाकर साथ ले गया। इसके बाद लड़की पिता के साथ कैलारस थाने पहुंची और अरुण पर रेप का केस दर्ज करा दिया। पीड़िता ने बताया कि अरुण ने एक होटल में उससे दुष्कर्म किया और अरुण के एक दोस्त ने इसका वीडियो भी बनाया। कैलारस पुलिस ने अरुण के खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

किसी भी तरह की अभद्रता नहीं हुई: टीआई

कैलारस टीआई वीरेश कुशवाह के अनुसार अरुण आरोपी है, उसकी शादी हुई है या नहीं, इसकी जानकारी थाने को नहीं है। वह रेप के मामले में फरार है, इसलिए पूछताछ के लिए उसके दादा गोपाल धाकड़ को थाने लाया गया था, जिन्हें बाद में छोड़ दिया। महिला वकील को सिर्फ मामले की जानकारी दी गई थी, उनके साथ किसी तरह की अभद्रता नहीं हुई।

एफआईआर में 28 सितंबर की घटना का हवाला दिया गया, जबकि आर्य समाज मंदिर में दोनों ने 7 अक्टूबर को शादी की। एफआईआर के अनुसार-अरुण ने रेप की घटना को शादी से सात दिन पहले अंजाम दिया।

बिजनेस प्लस

आयुर्वेदिक पेट सफा ने फिल्म भाभी जी घर पर हैं के साथ पार्टनरशिप की

चंडीगढ़। पॉपुलर टेलीविज़न शो भाभी जी घर पर हैं पर बनी एक फिल्म दर्शकों को हंसी और मस्ती से एंटरटेन करने के लिए तैयार है। फिल्म को शशांक बाली और राजन वाघधरे ने डायरेक्ट किया है। इसमें जाने-माने एक्टर रवि किशन, आसिफ शेख, रोहिताश्व गौर, शुभांगी अत्रे और विदिशा श्रीवास्तव हैं। एंटरप्रेन्योर और इन्वेस्टर डॉ. संजीव जुनेजा ने फिल्म भाभी जी घर पर हैं की पूरी टीम को इसकी सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। एक्टर्स ने यह भी बताया कि असली मज़ा और एंटरटेनमेंट तभी मिलता है जब मन खुश हो और शरीर हल्का और हेल्दी महसूस करे। इसी बात को ध्यान में रखते हुए, दिविसा हर्बल्स प्राइवेट लिमिटेड के एक स्पोक्सपर्सन ने कहा कि फिल्म की पॉजीटिव एनर्जी और दर्शकों के साथ इसके मज़बूत कनेक्शन को देखते हुए, उन्होंने फिल्म के प्रमोशन के लिए अपने प्रीमियम प्रोडक्ट्स पेट सफ़ा आयुर्वेदिक ग्रेन्यूल्स और टैबलेट्स को चुना। आयुर्वेदिक पेट सफ़ा कब्ज़, गैस और एसिडिटी जैसी आम पाचन समस्याओं से राहत दिलाने में मदद करता है, जिससे आप आराम से जिंदगी का मजा ले सकते हैं। पेट सफ़ा आयुर्वेदिक ग्रेन्यूल्स और टैबलेट्स 16 आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों के मिश्रण से बने हैं, जिनमें सोनामुखी, काला नमक, अजवाइन, हरीतकी, निशोथ, सर्जीक्षार, सेंधा नमक, सौंफ और आंवला शामिल हैं। यह पहली रात से ही काम करना शुरू कर देता है और इसकी आदत नहीं लगती। पेट सफ़ा पूरी तरह से आयुर्वेदिक है।

पतंजलि शहद पर किया गया शोध अंतरराष्ट्रीय रिसर्च जर्नल में प्रकाशित

हरिद्वार। पतंजलि अपने प्रत्येक उत्पाद में गुणवत्ता, शुद्धता और उपभोक्ता सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। इस प्रतिबद्धता को एक और सशक्त वैज्ञानिक मान्यता उस समय मिली, जब पतंजलि शहद पर किया गया विस्तृत शोध विश्व प्रसिद्ध Elsevier प्रकाशन के प्रतिष्ठित रिसर्च जर्नल Applied Food Research में प्रकाशित हुआ। इस अवसर पर आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि भारतीय खाद्य उत्पादों को लेकर लंबे समय से वैश्विक मंच पर संदेह की दृष्टि से देखा जाता रहा है, किंतु अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित इस शोध द्वारा यह सिद्ध हुआ है कि भारत में भी विश्वस्तरीय अनुसंधान संभव है। यह उपलब्धि न केवल पतंजलि के लिए, बल्कि समूचे भारतीय एफएमसीजी उद्योग के लिए गर्व का विषय है। अध्ययन के दौरान यह भी प्रमाणित हुआ कि पतंजलि शहद में किसी प्रकार की बाहरी शर्करा, सिंथेटिक सिरप या अवांछित रासायनिक अवशेष नहीं पाए गए हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि पतंजलि की आपूर्ति श्रृंखला, कच्चे माल की सोर्सिंग से लेकर अंतिम पैकेजिंग तक, कठोर गुणवत्ता नियंत्रण प्रक्रियाओं से गुजरती है। यह शोध इस बात का प्रमाण है कि पतंजलि शहद गुणवत्ता, शुद्धता और वैज्ञानिक प्रमाणिकता के वैश्विक मानकों पर पूरी तरह खरा उतरता है। इस अवसर पर पतंजलि के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. अनुराग वार्ष्णेय ने इस शोध के बारे में बताते हुए कहा कि इस शोध में, पतंजलि शहद के 25 विभिन्न बैचों का उन्नत वैज्ञानिक तकनीकों, HPLC, HPTLC और HPLC के माध्यम से व्यापक परीक्षण किया गया। शोध के निष्कर्षों के अनुसार सभी बैच FSSAI द्वारा निर्धारित खाद्य सुरक्षा एवं मानकों पर पूर्णतः खरे उतरे, तथा बैच-टू-बैच गुणवत्ता में उल्लेखनीय एकरूपता पाई गई।

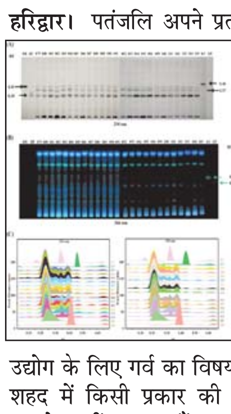

गांधीधाम क्षेत्र से उत्तरी भारत के लिए टिंबर के रेल परिवहन को बढ़ावा देने हेतु बैठक आयोजित

नई दिल्ली। गांधीधाम में सेंट्रल वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन के प्रतिनिधियों एवं रेल अधिकारियों के बीच गांधीधाम क्षेत्र से दिल्ली तथा अन्य उत्तरी क्षेत्रों के लिए टिंबर के रेल परिवहन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अहमदाबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक वेद प्रकाश, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक डॉ. जेनिया गुप्ता, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अनू त्यागी, गांधीधाम के क्षेत्रीय रेल प्रबंधक आशीष धानिया सहित रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त, सेंट्रल वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन के प्रतिनिधियों तथा कांडला टिम्बर एसोसिएशन के नौ सदस्यों ने भी बैठक में भाग लिया बैठक का मुख्य उद्देश्य टिंबर के परिवहन को सड़क मार्ग से रेल मार्ग की ओर स्थानांतरित करने के लिए प्रोत्साहित करना था। चर्चा के दौरान यह उल्लेख किया गया कि गांधीधाम क्षेत्र में लगभग 750 आरा मिलें (सॉ मिल्स) हैं, इसके बावजूद रेल मार्ग से टिंबर का परिवहन अभी बहुत कम है। बैठक में रेल आधारित टिंबर लोडिंग को बढ़ावा देने, लॉजिस्टिक्स समन्वय को सुदृढ़ करने तथा परिचालन संबंधी चुनौतियों के समाधान हेतु विभिन्न रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया।

अमेजन के प्राइम सदस्यों के लिए सबसे तेज डिलीवरी वाला साल रहा 2025

नई दिल्ली। अमेजन ने घोषणा की कि 2025 प्राइम सदस्यों के लिए अब तक का सबसे तेज़ डिलीवरी वाला साल रहा। इस दौरान 55 करोड़ से अधिक प्रोडक्ट्स की डिलीवरी उसी दिन या अगले दिन की गई, जो साल-दर-साल 40 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। प्राइम सदस्यों ने औसतन अपनी वार्षिक मेंबरशिप फीस से दोगुना से अधिक बचत की, जबकि टॉप 10 प्रतिशत सदस्यों ने आठ गुना तक बचत की। 70 प्रतिश से ज्यादा नए प्राइम साइन-अप नॉन-मेट्रो शहरों से आए। प्राइम सदस्य नॉन-प्राइम ग्राहकों की तुलना में पांच गुना अधिक खरीदारी करते हैं। अमेजन ने 2025 में लॉजिस्टिक्स नेटवर्क मजबूत करने के लिए 2,000 करोड़ रुपये से अधिक निवेश किया। प्राइम में फ्री सेम-डे और नेक्स्ट-डे डिलीवरी, अमेजन नाऊ की मिनटों में डिलीवरी, एक्सक्लूसिव डील्स, प्राइम वीडियो, अमेजन म्यूजिक, प्राइम रीडिंग और गेमिंग बेनिफिट्स शामिल हैं। वार्षिक मेंबरशिप 1,499 से शुरू होती है।

कार लोन सस्ता: बैंक ऑफ बड़ौदा ने ब्याज दर में की 30 बीपीएस की कटौती

मुंबई। बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपने कार लोन की ब्याज दरों में 30 बेसिस पॉइंट्स (बीपीएस) की कटौती की घोषणा की है, जो तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। इस कटौती के बाद बैंक की अनियत (फ्लोटिंग) ब्याज दर अब 7.60 प्रतिशत प्रति वर्ष से शुरू होगी, जो पहले 7.90 प्रतिशत थी। वहीं, बैंक 8.50 प्रतिशत प्रति वर्ष से शुरू होने वाली आकर्षक नियत (फिक्स्ड) ब्याज दर पर भी बड़ौदा कार लोन उपलब्ध करा रहा है। नई 7.60 प्रतिशत की प्रारंभिक दर नई कार खरीदने पर उपलब्ध होगी और यह उधारकर्ता के क्रेडिट प्रोफाइल से जुड़ी रहेगी। ब्याज दर में कमी के साथ बैंक ने व्यक्तिगत उधारकर्ताओं के लिए अनियत ब्याज दर वाले कार लोन पर समयपूर्व या आंशिक पूर्व-चुकौती पर शून्य प्रभार की सुविधा भी प्रदान की है।

बाघ ने चरवाहे को जबड़े में फंसाकर उछाला, बकरियों ने बचाई जान

जागरण, पन्ना। जंगल में बकरियों को चरा रहे एक युवक पर अचानक टाइगर ने हमला कर दिया। बाघ ने युवक को जबड़े में फंसाकर बार-बार ऊपर उछाल दिया। युवक को संभलने का मौका तक नहीं मिल रहा था। इसी दौरान बकरियों की वजह से युवक बच गया। बाघ युवक को छोड़ जैसे ही बकरियों पर लपका, घायल युवक जान बचाकर गांव पहुंच गया। फिलहाल वह अस्पताल में इलाज ले रहा है। बकरियों की मदद से युवक की जान बचने का यह मामला बुधवार दोपहर का है। यहां रनवाह में 42 साल का चरवाहे रामदीन लुनिया अपनी बकरियों को लेकर झालर क्षेत्र में गया था। तभी झाड़ियों में छिपे टाइगर ने अचानक रामदीन पर हमला कर दिया। टाइगर ने रामदीन के गले के पास दांत फंसाकर उन्हें हवा में उछाल दिया। दूसरी बार भी बाघ ने उसे उछाल दिया। जमीन पर गिरेरामदीन की कमर और हाथ में हो गए। टाइगर तीसरी बार उस पर हमला करने वाला था, तभी बकरियां जोर-जोर से चिल्लाने लगीं। इससे टाइगर का ध्यान भटक गया। टाइगर चरवाहे को छोड़ बकरियों के पीछे भागने लगा। इसी बीच रामदीन को संभलने का मौका मिल गया और वह वहां से जान बचाकर भागते हुए किसी तरह घर पहुंचा।

आईईएस हॉस्पिटल ने किया कैंसर जागरुकता कैंप का आयोजन

भोपाल। आईईएस यूनिवर्सिटी के आईईएस हॉस्पिटल एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में रातीबड़ गांव में स्वास्थ्य जांच शिविर एवं कैंसर जागरुकता कैंप का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डॉक्टरों की टीम के साथ राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को कैंसर की रोकथाम, प्रारंभिक पहचान तथा स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता पैदा करने और उन्हें स्वस्थ रखने के बारे में जानकारी दी। डॉक्टरों की टीम द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को अनियमित खानपान की आदतों के हानिकारक प्रभावों और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक उपायों के बारे में जागरूक किया गया। आईईएस हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को विभिन्न खाद्य पदार्थों के पोषण मूल्यों और रोग प्रतिरोधक क्षमता और कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए इसके लक्षणों, कारणों और रोकथाम के बारे में बताया।

छिंदवाड़ा में बेटे ने फावड़े से की पिता की हत्या

जागरण, छिंदवाड़ा। तेज आवाज में होम थियेटर बजाने से मना करने पर कलयुगी बेटे ने अपने वृद्ध पिता की फावड़ा मारकर हत्या कर दी। करीब एक सप्ताह चले इलाज के दौरान पिता ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामला छिंदवाड़ा के परासिया क्षेत्र के बीजे सायडिंग क्षेत्र का है। बताया जाता है कि घटना वाले दिन नीरज इनवाती अपने घर में रात करीब 10 बजे काफी तेज आवाज में होम थिएटर चला रहा था। मां ने उससे आवाज कम करने को कहा तो नीरज ने गाली-गलौज शुरू कर दी। गाली-गलौज सुन वहां पहुंचे पिता भारत लाल इनवाती (72) ने बेटे को समझाने और गाली देने से रोका। इस बात से गुस्साए नीरज ने आंगन में रखा फावड़ा उठाया और पिता पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में भारत लाल गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन उन्हें तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान बुधवार को उनकी मौत हो गई।

पारिवारिक विवाद में छोटे ने बड़े भाई की हत्या की

जागरण, देवास। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में पारिवारिक विवाद के बाद एक युवक की मौत का मामला सामने आया है। मंगलवार देर रात करीब 11 बजे सिंगावदा पावर हाउस निवासी रवि चौहान उम्र 30 वर्ष का अपने छोटे भाई से घर में विवाद हो गया। विवाद के दौरान छोटे भाई ने रवि के सिर पर किसी हथियार से हमला कर दिया। जिसके बाद गंभीर रूप से घायल रवि को परिजन तत्काल अमलतास अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार मृतक और आरोपी दोनों सगे भाई हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेजा गया, जहां बुधवार को पोस्टमार्टम किया गया। मृतक के मामा मुकेश सोनगरा ने बताया कि रवि और उसके छोटे भाई लाखन के बीच आपसी विवाद हुआ था, इसी दौरान रवि को गंभीर चोट आई। रवि चार बच्चों का पिता था और उसकी शादी को करीब 10 से 12 वर्ष हो चुके थे।

MADHYA PRADESH STATE ELECTRONICS DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED
(Department of Science and Technology, Undertaking of Government of Madhya Pradesh)
State IT Center, 47-A, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
Email : itpark-mpsedc@mp.gov.in, Ph. : 0755-2518657, 2518614

TENDER FOR VACANT PLOTS

INVITATION TO INVEST IN THE HEART OF INDIA
(Tender no. MPSEDC/ITIA/ALOTT/2026/674 Dated 12/02/2026)
GOLDEN INVESTMENT OPPORTUNITY for IT, ITeS, Data Center, ESDM, GCC, AVGC-XR and Semiconductor Units and Developer Units
(IT, ITeS & ESDM Investment Promotion Policy 2023, Madhya Pradesh Global Capability Centres Policy 2025, Madhya Pradesh AVGC-XR Policy 2025 & Madhya Pradesh Semiconductor Policy 2025)

- Bhopal IT Park Badwai-05 Plots located at Airport Highway
- Indore IT Park Sinhasa-02 Plots located Near Airport
- 100% Reimbursement of Stamp and Registration Fees.
- Grants-Capital Investment/Bank Loan Interest etc.
- Lease for 99 years.
- MULTIPLE INCENTIVE SCHEMES

Contact for details and tender - **https://www.mpsedc.mp.gov.in, https://www.mptenders.gov.in**
M.P. Madhyam/124430/2026 **CHIEF GENERAL MANAGER**

बाजार पर नजर

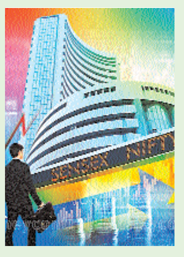

शेयर बाजार में आज

84,234

-40

Nifty 50 Top Gainers

Scrip	High	%Gain
Eicher Motors	7,805.00	6.51%
Apollo Hospital	7,640.00	3.99%
SBI	1,187.50	3.39%
Max Healthcare	1,156.65	3.29%
Maruti Suzuki	15,438.00	1.76%

Nifty 50 Top Losers

Scrip	Close	%Loss
TCS	2,904.20	-2.51%
Coal India	420.30 .30	-1.79%
Infosys	1,469.00	-1.73%
HCL Tech	1, 546.10	-1.37%
Eternal	299.75.10	-1.02%

फोरेक्स रेट

मुद्रा	बिक्री
डॉलर	90.70
यूरो	108.11
येन	0.592
पौंड	124.23

अमेरिकी मीडिया ने अपनी रिपोर्ट में किया दावा

रूस नहीं, अमेरिका-वेनेजुएला से ज्यादा कच्चा तेल खरीदेगा भारत

नईदिल्ली, जेएनएन। देश की सरकारी तेल रिफाइनरी कंपनियों से भारत सरकार ने कहा है कि वे अब अमेरिका और वेनेजुएला से ज्यादा कच्चा तेल खरीदने पर विचार करें। यह दावा अमेरिकी मीडिया ने अपनी रिपोर्ट में किया है।

अमेरिकी मीडिया के मुताबिक, यह अनुरोध भारत सरकार ने अमेरिका के साथ हुई हालिया ट्रेड डील के बाद किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ट्रेड डील के ऐलान के दौरान कहा था कि भारत ने रूसी तेल का आयात पूरी तरह बंद करने का वादा किया है। भारत सरकार ने कंपनियों से कहा है कि जब भी टेंडर के जरिए स्पॉट मार्केट से तेल खरीदें, तो उस वक्त अमेरिकी तेल को प्राथमिकता दें। इतना ही नहीं सरकार ने वेनेजुएला के कच्चे तेल को लेकर भी ऐसा अनुरोध किया है। हालांकि वेनेजुएला का तेल व्यापारियों के साथ प्राइवेट बातचीत से मंगाया जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि भारत व्यापार समझौते के हिस्से के रूप में रूसी कच्चा तेल लेना बंद करने पर सहमत हो गया है। हालांकि, भारत ने अब तक सार्वजनिक रूप से इस दावे पर सीधा कोई जवाब नहीं दिया है। भारत का कहना रहा है कि वह अपने तेल के स्रोतों में विविधता ला रहा है और देश की ऊर्जा सुरक्षा उसकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

अमेरिकी तेल मंगाने में 2 बड़ी चुनौतियां

विशेषज्ञों का कहना है कि भारतीय रिफाइनरीज के लिए अमेरिकी और वेनेजुएला का तेल बड़े पैमाने पर लेना इतना आसान नहीं है। इसकी दो मुख्य वजहें हैं–

रिफाइनिंग क्षमता: भारत की ज्यादातर रिफाइनरीज मीडियम क्रूड के हिसाब से बनी हैं, जबकि अमेरिकी तेल लाइट और स्वीट यानी कम सल्फर वाला होता है। इसे प्रोसेस करना भारतीय यूनिट्स के लिए पूरी तरह अनुकूल नहीं है।

लागत और मालभाड़ा : अमेरिका से भारत की दूरी बहुत ज्यादा है। बढ़ते फ्रेट रेट्स (मालभाड़ा) के कारण वहां से तेल मंगाना महंगा पड़ता है। इसकी तुलना में कजाकिस्तान और पश्चिम अफ्रीका से तेल मंगाना सस्ता और नजदीक पड़ता है।

वेनेजुएला से 40 लाख बैरल तेल खरीदा

हाल ही में सरकारी कंपनियों जैसे आईओसी, बीपीसीएल और एचपीसीएल ने वेनेजुएला से करीब 40 लाख बैरल तेल खरीदा है। निकोलस मादुरो सरकार पर अमेरिकी नियंत्रण के बाद अब विटोल और ट्रेफिगुरा जैसी बड़ी कंपनियां वेनेजुएला के तेल की मार्केटिंग कर रही हैं। निजी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी रिलायंस ने भी 2025 के मध्य के बाद पहली बार वेनेजुएला से तेल की खेप खरीदी है।

अमेरिका से 4 लाख बैरल प्रतिदिन तेल लेने का लक्ष्य : भारतीय रिफाइनर हर साल अमेरिका से करीब 4 लाख बैरल प्रतिदिन तेल ले सकते हैं। यह पिछले साल के 2.25 लाख बैरल प्रतिदिन के मुकाबले काफी ज्यादा होगा। हालांकि, ये कीमत और रूस के साथ कूटनीतिक संबंधों पर टिका है।

2019 के बाद वेनेजुएला से तेल लेना कर दिया था बंद

अमेरिका ने 2019 में वेनेजुएला पर सेंक्शंस लगा दिए थे। इस वजह से भारत समेत कई देशों ने वेनेजुएला का तेल खरीदना बंद कर दिया था। वेनेजुएला पेट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीज (ओपीईसी) का सदस्य है। उसके पास दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार है, लेकिन वह वैश्विक सप्लाई का करीब 1% ही देता है।

2024 में दोबारा वेनेजुएला से तेल खरीदना शुरू : अमेरिका ने कुछ समय के लिए (2023-2024 में) वेनेजुएला पर आंशिक रूप से सेंक्शंस ढीले किए, जिससे भारत ने फिर से वेनेजुएला से तेल खरीदा। 2024 में भारत का आयात औसतन 63,000 से 1 लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुंच गया। 2025 में वेनेजुएला से भारत का तेल आयात बढ़कर करीब 1.41 अरब डॉलर तक पहुंच गया। मई 2025 में अमेरिका ने एक बार फिर से वेनेजुएला के तेल पर सख्ती बढ़ा दी। लाइट-स्वीट क्रूड अमेरिका में पाया जाता है।

अकासा एयर के को-फाउंडर अय्यर का इस्तीफा

नई दिल्ली, जेएनएन। देश के एविएशन सेक्टर में एक बड़े बदलाव की खबर है। अकासा एयर के शीर्ष प्रबंधन में एक बड़ा बदलाव हुआ है। कंपनी के को-फाउंडर और चीफ कमर्शियल ऑफिसर प्रवीण अय्यर ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। तीन साल पुरानी इस एयरलाइन के लिए यह दूसरा बड़ा झटका है, क्योंकि इससे पहले भी एक अन्य को-फाउंडर कंपनी छोड़ चुके हैं। अय्यर ऐसे समय पर कंपनी छोड़ गए हैं, जब एयरलाइन विमानों की डिलीवरी में देरी के बाद अपनी विस्तार योजनाओं को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश में है। अब श्रीनिवासन संभालेंगे ये कमान रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रवीण अय्यर अकासा एयर की फाउंडिंग टीम का अहम हिस्सा थे।

संचालनालय राष्ट्रीय कैडेट कोर (राज्य कोष्ठ) मध्यप्रदेश
पी- 77 सुल्तानियां इंफेन्ट्री लाईन
भोपाल (दूरभाष - 0755-2926566)

संचालनालय राष्ट्रीय कैडेट कोर (राज्य कोष्ठ) मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा सैन्य शिविर सामग्री हेतु जेम पोर्टल पर निविदा क्रमांक GEM/2025/B/7201856 आयोजित की गई है। इच्छुक संस्थायें जेम की शर्तों के अनुसार उक्त निविदा में सम्मिलित हो सकते हैं।

संयुक्त संचालक (राज्य)
संचालनालय राष्ट्रीय कैडेट कोर
जी-25708/25

बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल

महिंद्रा एंड महिंद्रा का मुनाफा 4,675 करोड़ रुपए

तीसरी तिमाही में कंपनी को 47 फीसदी लाभ

मुंबई, जेएनएन। महिंद्रा एंड महिंद्रा का वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में कंसॉलिडेटेड मुनाफा सालाना आधार 47 फीसदी बढ़कर 4,675 करोड़ रुपए हो गया है। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी को 3,181 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। बुधवार को कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के नतीजे जारी किए हैं। नतीजों के बाद महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर ने 0.16 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,681 रुपए पर कारोबार किया। बीते एक साल में शेयर 20प्रतिशत चढ़ा है। कंपनी का मार्केट कैप 4.41 लाख करोड़ रुपए है। महिंद्रा एंड महिंद्रा के ऑपरेशन से रेवेन्यू में सालाना आधार पर 26 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही में ऑपरेशन से रेवेन्यू 52,100 करोड़ रहा। एक साल पहले की समान तिमाही यानी वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही में रेवेन्यू 41,470 करोड़ रुपए रहा था। तीसरी तिमाही में कंपनी की टोटल इनकम सालाना आधार पर 26 प्रतिशत बढ़कर 52,958 करोड़ रुपए रही।

जो पिछले साल की समान तिमाही में 41,881 करोड़ रुपए थी। वहीं तिमाही आधार पर कंपनी की टोटल इनकम 13प्रतिशत बढ़ी है। कंपनी की गाड़ियों की सेल्स भी सालाना आधार पर 23 प्रतिशत बढ़कर 3.02 लाख यूनिट्स रही।

कंपनी की कमाई बढ़ने के कारण : एसयूवी सेगमेंट में ग्रोथः महिंद्रा की एसयूवी जैसे- थार, स्कॉर्पियो-एन और एक्सयूवी 700 की डिमांड बाजार में तेजी से बढ़ी है। एसयूवी मार्केट में कंपनी की रेवेन्यू हिस्सेदारी बढ़कर 24.1 प्रतिशत हो गई है। अकेले ऑटो सेगमेंट के मुनाफे में 42 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है।

महिंद्रा ग्रुप के सर्विसेज सेक्टर (फाइनेंस, आईटी, लॉजिस्टिक्स आदि) ने इस बार सबसे अच्छा प्रदर्शन किया है। इस सेगमेंट का मुनाफा पिछले साल के मुकाबले लगभग दोगुना (100प्रतिशत की बढ़त) होकर 1,637 करोड़ रुपए हो गया है।

अब डाकिया लाएगा म्युचुअल फंड, गांव-गांव पहुंचेगी सेवा

एनएसई और डाक विभाग के बीच एमओयू

मुंबई, जेएनएन। भारत में म्युचुअल फंड की लोकप्रियता लगातार बढ़ती जा रही है और ये निवेश विकल्प अब महानगरों से आगे बढ़कर गांवों और छोटे कस्बों तक अपनी पहुंच बना रहे हैं। इसी कड़ी में भारत में वित्तीय समावेशन को और मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए देश के लीडिंग स्टॉक एक्सचेंज, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) ने भारतीय डाक विभाग (डीओपी) के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता (एमओयू) किया है। इस समझौते का मकसद डाक विभाग के बड़े नेटवर्क के माध्यम से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में लोगों तक म्युचुअल फंड प्रोडक्ट्स की पहुंच बढ़ाना है। डाक विभाग देशभर में फैले अपने 1.64 लाख से ज्यादा डाकघरों के विशाल नेटवर्क का उपयोग करते हुए एनएसई के साथ काम करेगा। एनएसई के पास म्युचुअल फंड लेनदेन को संभालने के लिए एक मजबूत ऑनलाइन सिस्टम है, जो ऑर्डर देने से लेकर निपटान तक की पूरी प्रक्रिया को सेबी के नियमों के अनुरूप संचालित करता है। इस साझेदारी का मकसद म्युचुअल फंड्स प्रोडक्ट्स को लोगों तक आसानी से पहुंचाना है। खास तौर पर ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में रहने वाले लोगों को इसका ज्यादा फायदा मिलेगा।

उतार-चढ़ाव के बाद सपाट बंद हुआ घरेलू शेयर बाजार

नई दिल्ली, जेएनएन। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन यानी बुधवार को शेयर बाजार उतार-चढ़ाव के बाद सपाट बंद हुआ। सेंसेक्स 40.28 अंक गिरकर 84,233.64 अंक पर आ गया। वहीं 50 शेयरों वाला निफ्टी 18.70 अंक बढ़कर 25,953.85 अंक पर आ गया। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और ऑटो शेयरों में हुई बढ़त को आईटी शेयरों में हुई गिरावट ने बेअसर कर दिया। सीमित दायरे में कारोबार करते हुए, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 40.28 अंक या 0.05 प्रतिशत गिरकर 84,233.64 अंक पर बंद हुआ, जबकि दिन के दौरान इसने 84,487.34 का उच्च स्तर और 84,081.25 का निम्न स्तर छुआ। वहीं एनएसई निफ्टी 18.70 अंक या 0.07 प्रतिशत बढ़कर 25,953.85 पर बंद हुआ।

उत्तर मध्य रेलवे

शुद्धि पत्र संख्या-01

शुद्धि पत्र निविदा सूचना सं. AGC/Br/L/2025-26/04 दिनांकः 21.01.2026
प्रथम शुद्धि पत्र निविदा सं. Br-AGC-2025-06

उपरोक्त निविदा सं.Br-AGC-2025-06 के सम्बन्ध में इस समाचार पत्र दिनांक 24.01.2026 में प्रकाशित "अनुमानित मूल्य को (₹) 835982261.18 के स्थान पर (₹) 83598261.18" पढ़ा जाये।

ई-निविदा सं.	संन्दर्भ
Br-AGC-2025-06	निविदा खुलने की तिथि
वर्तमान तिथि	संशोधित तिथि
13.02.2026	03.03.2026

179/26(DG)
North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा सूचना सं0- टीआरएस-जी-टी-ओपीएन-07-आरएसपी-25-26, दिनांक-09-02-2026 भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से सक्षम, स्थापित ठेकेदारों/प्रतिष्ठानों से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-टेंडर (ओपेन) निविदा आमंत्रित की जाती है। 1. निविदा कार्य का विवरण स्थान सहित : रिपेयर, रिहैबिलिटेशन, रीकन्डिशनिंग, टेस्टिंग & सप्लाई ऑफ (BT Design) टैप चेंजर टाइप N-32 फॉर कांवेसनल इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव्स। फर्म की कार्यशाला। 2. अनुमानित लागत : रु0 5,03,76,955.00, 3. धरोहर राशि : रु0 4,01,900.00, 4. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं निविदा खुलने की तिथि एवं समय : दिनांक- 06-03-2026 समय 13:00 बजे तक, दिनांक- 06-03-2026 समय 15:00 बजे, 5. वेबसाइट एवं नोटिस बोर्ड का विवरण जहां से निविदा की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है : वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर निविदा उपलब्ध है। निविदा की विस्तृत जानकारी वरिष्ठ मंडल बिजली इंजी0/कचस्टा विद्युत लोको शेड पंडित दीन दयाल उपाध्याय के कार्यालय से ली जा सकती है।

मंडल रेल प्रबंधक/कचस्टा
पूर्व मध्य रेल, पं0 दीन दयाल उपाध्याय
पीआर/1771/डीडीयू/डीआरएम/टीआरएस/टी/25-26/36

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं: JHS-N-W-21-26 दिनांकः 09.02.2026

ई टेन्डरिंग निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल सिगनल व दूरसंचार अभियंता उत्तर मध्य रेल झाँसी भारत के राष्ट्रपति के लिए व उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं।

कार्य का नामः रिन्यूअल ऑफ़ टेलीकॉम वायरिंग एंड एक्सटेंशन ऑफ़ रेलनेट कनेक्टिविटी इन वेरियस ऑफिसस एट DRM कैंपस ऑफ़ झाँसी डिवीज़न।

कार्य लागत लगभगः ₹ 4345683.11	धरोहर राशिः ₹ 86900/-
निविदा प्रपत्र का मूल्यः Nil	निविदा खुलने की तिथि: 09.03.2026 Time 15:00

स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन अवधिः 09 माह

- निविदा दिनांक 09.03.2026 को 15:00 बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे।
- पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in (NORTH CENTRAL RLY / JHANSI DIVISION-S AND T) पर देखें।

309/26 (A)
North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

MP POORV KSHETRA VIDYUT VITARAN CO. LTD.
BLOCK NO.7, SHAKTI BHAWAN, RAMPUR, JABALPUR (M.P.)
Tel No:0761 2702473, 2702442
CIN: U40109MP2002SGC015120, e-mail: cepurez@yahoo.in

No. CGM(S&P)/EZ/GM-II/III/3055 ONLINE TENDER Jabalpur, dtd: 05.02.2026

Online Tenders are invited for following items:-

Sr. No.	T.S. No. (For e-Tendering) DISCOM/EZ/PUR	NAME OF ITEMS	APPROX. VALUE (Rs. in Lakhs)	TENDER FEE (in Rs)	Due date & times of Opening of Tender Online From 11.00 Hrs (*)
1.	TS-1662 (E-Tender No. 2026_PKVVC_480478_1)	Providing services high quality audio visual creative agencies	53.71	2360	27.02.2026

* For updated/extended due dates for opening of tender (EMD in Cover -1 & Techno-commercial bid in Cover-2) please refer to the online key dates. For other details visit Company's website: www.mpez.co.in or https://mptenders.gov.in

SAVE ENERGY FOR BETTER TOMORROW C.G.M. (S&P)

"विद्युत अनियमितता संबंधी शिकायत के लिए वी मित्र ऐप डाउनलोड करें और पाएं रु. 50,000 तक का इनाम।"

उत्तर मध्य रेलवे

क्र0 सी/341/हाल्ट/एन.आई.टी/पी.ए-II दिनांक-09.02.2026

विज्ञापन संख्या-02/2026 हाल्ट ठेकेदार नियुक्ति हेतु विज्ञापन

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे झाँसी भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित हाल्ट स्टेशनों को कमीशन के आधार पर टिकटो की बिक्री हेतु ठेका, कार्य आरंभ करने की तिथि से पांच वर्ष की अवधि के लिए आवंटित करने हेतु हाल्ट ठेकेदार की नियुक्ति के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किये जाते है-

क्र0	हाल्ट स्टेशन का नाम	रेल खंड का नाम	कार्य आरंभ करने की तिथि
1.	टीला	ललितपुर-खजुराहो	आवंटन तिथि से
2.	रामपुरा	ललितपुर-खजुराहो	आवंटन तिथि से
3.	मवई	ललितपुर-खजुराहो	आवंटन तिथि से
4.	रिठौराकलां	ग्वालियर-भिंड	आवंटन तिथि से
5.	भटपुरा	ग्वालियर-श्योपुर कलां	आवंटन तिथि से
6.	रागौली	महोबा - खजुराहो	आवंटन तिथि से

उम्मीदवार हाल्ट ठेकेदार के आवेदन हेतु निर्धारित फार्म सभी नियम व शर्तों सहित रू.1180/- (एक हजार एक सौ अस्सी रू. मात्र) का भुगतान कर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे झाँसी के कार्यालय से दिनांकः 11.03.2026 तक किसी भी कार्य दिवस में सुबह 10:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक प्राप्त कर सकते है। आवेदनकर्ता उत्तर मध्य रेल वेबसाइट www.ncr.indianrailways.gov.in से डाउनलोड कर भी आवेदन फॉर्म प्रयोग कर सकते है इसके लिए उन्हें आवेदन फॉर्म का मूल्य रू 1180/- (एक हजार एक सौ अस्सी रू मात्र) डिमांड ड्राफ्ट/ बैंकर्स चेक जो कि राष्ट्रीकृत/अधिसूचित बैंक द्वारा जारी किया गया हो के रूप में वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक उत्तर मध्य रेल झाँसी के पक्ष में या मनी रसीद संलग्न करना होगा। बिना निर्धारित मूल्य के प्राप्त आवेदन को निरस्त कर दिया जायेगा। पूर्ण रूप से भरे आवेदन पत्र दिनांकः 12.03.2026 को समय 14:00 बजे तक वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे झाँसी के कार्यालय में लिफाफे के अन्दर रखकर जिस पर आवेदक अपना नाम, पता तथा जिस हाल्ट स्टेशन हेतु आवेदन किया है उसका नाम स्पष्ट रूप से लिखकर प्राप्त किये जायेंगे। निर्धारित तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा। आवेदन पत्रों का सील बंद बॉक्स दिनांकः 12.03.2026 को 15:00 बजे वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कार्यालय में खोला जायेगा। आवेदक यदि चाहे तो सील बॉक्स खोलते समय उपस्थित रह सकते है।

312/26 (D)
North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR

कार्यालय न्यायालय सक्षम प्राधिकृत अधिकारी एवं अधीक्षक सिंघौरी अभयारण्य बाड़ी

क्रमांक/223 बाड़ी/दिनांक/5/2/2026

नोटिस भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 52 (4) ख के तहत

-00-

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि परिक्षेत्र बाड़ी में अवैध वनोपज अवैध रूप से परिवहन करते हुये मोटरसायकलें जप्त होने से निम्न वन अपराध प्रकरण पंजीबद्ध हुये है। उक्त वन अपराध में मोटरसायकलों का उपयोग होने के कारण इस न्यायालय में राजसात की कार्यवाही प्रचलित है।

क्रमांक	वन अपराध प्रकरण क्रमांक/दिनांक	जप्त वाहन एवं वनोपज	रजिस्ट्रेशन नंबर
1	42665/05 दि. 22.01.2026	1. मो.सा. हीरो एच. एफ. डीलक्स 2. बजाज डिस्कवर एवं सागौन वनोपज 12 नग	NO RECORDED NO RECORDED
2	42665/06 दि. 24.01.2026	हीरो स्प्लेण्डर प्लस सागौन वनोपज 06 नग	NO RECORDED

अतः इस समाचार पत्र में विज्ञप्ति के माध्यम से सूचित किया जाता है कि यदि कोई व्यक्ति उक्त वाहन के संबंध में हित रखता है तो वह विज्ञप्ति प्रकाशन की दिनांक से 10 दिवस के अंदर इस न्यायालय में उपस्थित होकर जप्त वाहन के स्वामित्व संबंधी अभिलेख तथा अपने पक्ष समर्थन में प्रमाण प्रस्तुत करें, निर्धारित समयावधि में उपस्थित न होने की स्थिति में एक पक्षीय कार्यवाही की जाकर वाहन राजसात संबंधी आदेश पारित कर दिया जावेगा। बाद में कोई तर्क मान्य नही होगा। सूचना पत्र आज दिनांक 5/02/2026 को मेरी पद एवं मुद्रा से जारी किया गया।

(मयंक राज स.व.सं.)
सक्षम प्राधिकृत अधिकारी
अधीक्षक
सिंघौरी अभयारण्य बाड़ी

जी-25704/25

बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल

सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया Central Bank of India
1911 से आपके लिए "केंद्रित" "CENTRAL" TO YOU SINCE 1911

क्षेत्रीय कार्यालय : भोपाल

ई-नीलामी की सूचना

परिशिष्ट - IV क [नियम 8 (6) का परन्तुक देखें]

चल/अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस

प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 (6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन तथा प्रतिभूतिहित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस

सर्वसाधारण को तथा विशेष रूप से उधार लेने वाले और प्रत्याभूति-दाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति जो सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी/प्रभारित है, का **सांकेतिक/भौतिक कब्जा** सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को "**जहां है, जैसी है और जो है जैसी है**" के आधार पर निम्न ऋणियों से सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया प्रतिभूत लेनदार की निम्न वर्णित बकाया राशि की वसूली हेतु ई-नीलामी द्वारा दिनांक **26.02.2026** को बेची जाएगी। आरक्षित मूल्य और अग्रिम धनराशि निम्नलिखित है।

खाते / ऋणी का नाम एवं पता	बंधक संपत्तियों का विवरण एवं संपत्ति स्वामी का नाम	मांग नोटिस दि. / कब्जा दिनांक / बकाया राशि	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि / बिड वृद्धि राशि
जेल रोड शाखा, भोपाल फोन : 7024115051			
ऋणीः **श्री सुभाष मिश्रा पुत्र श्री निवास मिश्रा (प्रोपराइटर- मेसर्स सरस्वती फ्लोर मिल)**	संपत्ति मालिक- श्री सुभाष मिश्रा पुत्र श्री निवास मिश्रा इण्डस्ट्रिल डायवर्टेड भूमि पुराना खसरा नं. 155/1/, नया खसरा नं. 155/1/2 (s) कुल रकबा- 0.0465 हेक्टेयर ग्राम- सरवर प.ह.नं. 42, (वर्तमान प.ह.नं. 71) R.I. 04, ब्लॉक-फन्दा, तहसील हुजूर, जिला- भोपाल-462042 (म.प्र.) चर्तुसीमाएं- उत्तर- विक्रेता की शेष भूमि, दक्षिण- 12 फिट कच्चा रोड, पूर्व- सरकारी कच्चा रोड, पश्चिम- विक्रेता की संपत्ति की शेष भूमि	15.07.2025 26.09.2025 दिनांक 15.07.2025 को ₹ 9636877.84 +ब्याज एवं खर्चे	₹ 87,30,000/- ₹ 8,73,000/- ₹ 10,000/-
ऋणी-**मेसर्स संस्कार डेयरी एवं मिल्क प्रोसेसिंग यूनिट** ग्राम अमरावदकलां तहसील- बाड़ी जिला रायसेन पार्टनर/जमानतदार : 1. श्री बाबूलाल साहू पुत्र श्री भूरालाल साहू, पता- मकान नंबर 289 अमरावदकलां रायसेन (म.प्र.) 2. श्री सुनील मालवीय पुत्र श्री हरीशचन्द्र मालवीय, पता -मकान नंबर 503 अमरावद जिला- रायसेन (म.प्र.)	(1) सर्वे क्रमांक 194/1 का एक व्यवसायिक भाग नया खसरा क्रमांक 194/1/1/1/1/2 क्षेत्रफल 0.203 हेक्टेयर, ग्राम अमरावद-कलां तहसील - बाड़ी जिला रायसेन (म.प्र.) रोड चौड़ी होने के पश्चात ऑन लाईन नया खसरा नं. 194/1/1/1/1/2/1, क्षेत्रफल-0.1050 हेक्टेयर संपत्ति मालिक- श्री बाबूलाल साहू पुत्र श्री भूरालाल साहू, चर्तुसीमाएंः पूर्व- साहब सिंह और मुक्कदम की जमीन, पश्चिम-रोड, उत्तर- राधा स्वामी की जमीन, दक्षिण-सुनील मालवीय की जमीन (2) सर्वे क्रमांक 194/2 का एक व्यवसायिक भाग नया खसरा क्रमांक 194/2/1/2, क्षेत्रफल 0.202 हेक्टेयर, ग्राम अमरावदकलां तहसील - बाड़ी जिला रायसेन (म.प्र.) रोड चौड़ी होने के पश्चात ऑन लाईन नया खसरा नं. 194/2/1/2/1, क्षेत्रफल-0.0560 हेक्टेयर संपत्ति मालिक- श्री सुनील मालवीय पुत्र श्री हरीशचन्द्र मालवीय, चर्तुसीमाएंः पूर्व- साहब सिंह और मुक्कदम की जमीन, पश्चिम-रोड, उत्तर-बाबूलाल साहू की जमीन, दक्षिण-गायत्री बाई सिलगेना की जमीन	05/09/2024 29/11/2024 दिनांक 05.09.2024 को ₹ 71,49,055.50 +ब्याज एवं खर्चे	(1) ₹ 18,36,000/- ₹ 1,83,600/- ₹ 10,000/- (2) ₹ 15,12,000/- ₹ 1,51,200/- ₹ 10,000/-
ऋणी- 1. **श्रीमती उर्मिला विश्वकर्मा** पत्नि श्री कमल विश्वकर्मा सहऋणीः 2. **श्री कमल विश्वकर्मा** पुत्र श्री बिहारी लाल विश्वकर्मा	SI-12 निर्मित क्षेत्रफल 665 वर्गफीट एसबीयू निर्मित क्षेत्रफल 895 वर्गफीट "एच" ब्लॉक, 6वीं मंजिल, शीतलधाम सर्वे खसरा नंबर, ग्राम समरधा, प.ह. नंबर 26, तहसील - हुजूर भोपाल (म.प्र.) क्षेत्रफल -665.00 वर्गफीट संपत्ति मालिक- श्रीमती उर्मिला विश्वकर्मा पत्नि श्री कमल विश्वकर्मा चर्तुसीमाएं- पूर्व-ब्लॉक-जी, पश्चिम-शीतल धाम आंतरिक सड़क, उत्तर-शीतल धाम आंतरिक सड़क, दक्षिण-फ्लैट नंबर एसआई-11	30/07/2024 18/10/2024 ₹ 27,50,515.74/- +ब्याज एवं खर्चे	₹ 16,27,500/- ₹ 1,62,750/- ₹ 10,000/-
परी बाजार शाखा, भोपाल फोन : 7024115068			
ऋणी- **श्री ललित मोटवानी पुत्र स्व. प्रहलाद मोटवानी**	दुकान नं. 7, मकान नं. 4-डी, नया वार्ड नं. 07, इन्दिरा गांधी चौराहा, नादरा काम्पलेक्स के पास, भोपाल क्षेत्रफल-138 वर्गफिट, संपत्ति मालिक- श्री ललित मोटवनी पुत्र स्व. प्रहलाद मोटवानी चर्तुसीमाएं- पूर्व- दुकान नं. 6, पश्चिम- दुकान नं. 8, उत्तर- कॉरिडोर, दक्षिण- अन्य का भूमि	06.03.2025 08.08.2025 दि. 06.03.2025 को ₹ 7,46,277/- +ब्याज एवं खर्चे	₹ 12,42,000/- ₹ 1,24,200/- ₹ 10,000/-
अरेरा कालोनी शाखा, भोपाल फोन : 7024115024			
ऋणी एवं बंधककर्ता- (1) **मेसर्स ओ पी गोल्ड स्मिथ** प्रोप. श्री प्रमोद सोनी पुत्र श्री ओम प्रकाश सोनी एवं (2) **श्री प्रमोद सोनी** पुत्र ओम प्रकाश सोनी जमानतदारः (1) **श्री दिलीप सोनी** पुत्र श्री ओमप्रकाश सोनी (2) **श्री निर्मल कुमार गांधी** पुत्र श्री घनश्याम दास गांधी	फ्लैट नंबर 21-टी, प्लॉट नंबर 11, तीसरी मंजिल, अंगना परिसर, लखेरापुरा, भोपाल, म.प्र. क्षेत्रफल- 411.79 वर्गफीट संपत्ति मालिक- श्री दिलीप कुमार सोनी पुत्र श्री ओमप्रकाश सोनी एवं श्री प्रमोद कुमार सोनी पुत्र श्री ओमप्रकाश सोनी चर्तुसीमाएंः उत्तरः कॉमन पैसेज और फ्लैट नंबर टी-22, दक्षिणः बनवारीलाल और ओमप्रकाश वर्मा का मकान, पूर्वः फ्लैट नंबर टी-20, पश्चिम- छगन लाल की संपत्ति	19.06.2024 04.09.2024 दिनांक 19/06/2024 को ₹ 14,85,000/- +ब्याज एवं खर्चे	₹ 13,60,000/- ₹ 1,36,000/- ₹ 10,000/-
ऋणीः **मैसर्स मेटश्योर लाइफ केयर** पार्टनर्स एवं जमानतदार- **श्री योगेश मालवीय** पुत्र एम.एल. मालविया एवं **श्रीमती रितु मालविया** पत्नि योगेश मालविया (पर्सनल गारंटी)	ऑफिस नं. FF-09, प्रथम तल, खसरा क्रमांक 226/1 का भाग, राजा भोज आर्केड, संत आशाराम नगर, ग्राम- बागसेवनिया वार्ड नं. 53, कोलार भोपाल म.प्र. क्षेत्रफलः 338 वर्गफुट संपत्ति मालिक- मेसर्स मेटश्योर लाइफ केयर, पार्टनर्स - श्री योगेश मालवीय पुत्र एम.एल. मालवीय और श्रीमती रितु मालवीय पत्नि योगेश मालवीय चर्तुसीमाएँः उत्तरः गलियारा पश्चात मेन रोड, दक्षिणः खुला पार्क, पूर्वः ऑफिस नं. FF-10, पश्चिमः ऑफिस नं. FF-08,	03.05.2025 22.07.2025 ₹ 2,00,09,199/- +ब्याज एवं खर्चे	₹ 24,33,600/- ₹ 2,43,360/- ₹ 10,000/-
मंडीदीप शाखा, मंडीदीप फोन : 7024115058			
ऋणी एवं बंधककर्ता- **मेसर्स एक्युरेट एग्रो इण्डस्ट्रीज श्री अब्दुल नईम खान पुत्र श्री अब्दुल लतीफ खान**	एक लीज होल्ड इण्डस्ट्रिल प्लाट क्र. 9ए-1, ग्राम- पीपल खिरिया स्थित, तहसील एवं जिला रायसेन (म.प्र.) क्षेत्रफल-15064 वर्गफिट चर्तुसीमाएं- उत्तर- प्लाट क्र. 08, दक्षिण- रोड पूर्व- प्लाट नं. 09, पश्चिम-प्लाट नं. 9-ए/2	21/03/2020 09/07/2020 दि. 21/03/2020 को ₹ 84,62,770.75 +ब्याज एवं खर्चे	₹ 33,65,000/- ₹ 3,36,500/- ₹ 10,000/-
गुलमोहर शाखा, भोपाल फोनः 7024115041			
ऋणी- **श्रीमती सीमा ठाकुर पत्नि श्री देवेन्द्र ठाकुर**	फ्लैट न. 128, सुरेन्द्र पैलेस, उपक्षेत्र वैष्णव होशंगाबाद रोड, सुरेन्द्र पैलैस, नारायण नगर, अरेरा कालोनी, 30 मीटर फूड पिटारा के पास, जिला- भोपाल (म.प्र.) 402026 क्षेत्रफल 557.00 वर्गफीट संपत्ति मालिकः श्रीमती सीमा ठाकुर पत्नि श्री देवेन्द्र ठाकुर निवासी फ्लैट न. 128, सुरेन्द्र पैलेस, सब एरिया वैष्णव, होशगाबाद रोड, सुरेन्द्र पैलेस, नारायण नगर, अरेरा कॉलोनी, 30 मीटर फूड पिटारा के पास, भोपाल, म.प्र.-402026 एवं फ्लैट न. 610, ब्लॉक-बी, भगवान परिसर, बागली रोड, मिसरोद, हुजूर, जिला भोपाल-462047 एवं वार्ड न. 1, हॉस्पिटल के सामने, शास्त्री नगर, जिला होशगाबाद-461001 एवं फ्लैट न. 404, ब्लॉक-एक फाल्गुनी चिनार ड्रीम सिटी ग्राम हनुमंत नरेला, भोपाल, म.प्र.-402026 चर्तुसीमाएं- उत्तर- फ्लैट नं. 137, दक्षिण- फ्लैट नं. 127, पूर्व- फ्लैट नं. 129, पश्चिम- रोड कालोनी	13.08.2025 28.10.2025 दि. 13/08/2025 को ₹ 20,54,133.29 +ब्याज एवं खर्चे	₹ 30,06,000/- ₹ 3,00,600/- ₹ 10,000/-
शाजापुर शाखा शाजापुर, फोनः 7024115087			
ऋणी- **मैसर्स रचना ऑयल मिल** (प्रो. सुश्री रचना पाटीदार पुत्री श्री कमल पाटीदार) जमानतदारः श्री राजेश पाटीदार पुत्र श्री रामचन्द्र पाटीदार	बंधक संपत्ति के मालिक : श्री राजेश पाटीदार पुत्र श्री रामचंद्र पाटीदार व्यवसायिक प्लाट भूमि सर्वे क्रमांक 181/2/2, पीएच क्रमांक 17 (पुराना पीएच क्रमांक 14) ग्राम-मोमन बड़ोदिया, पोस्ट ऑफिस एवं तहसील-मोमन बड़ोदिया, जिला शाजापुर, मध्य प्रदेश- 465001, भूमि क्षेत्रफल - 836.43 वर्ग मीटर अर्थात 9000 वर्गफीट चर्तुसीमाएं- पूर्वः राधेश्याम पुत्र सिद्धनाथ की भूमि, पश्चिमः रेखा बाई पत्नी रामबाबू की भूमि, उत्तरः कमल पाटीदार पुत्र रामचंद्र पाटीदार की भूमि, दक्षिणः आगर मेन रोड	24/12/2024 02/04/2025 दि. 24/12/2024 को ₹ 23,06,033.78 +दिनांक 24/12/2024 से ब्याज एवं खर्चे	₹ 44,50,000/- ₹ 4,45,000/- ₹ 10,000/-
ऋणी- **मेसर्स श्रीनाथ ट्रेडर्स** (प्रोपराइटर- श्री कमल सिंह पाटीदार पुत्र श्री रामचंद्र पाटीदार)	व्यावसायिक भूमि स्थित सर्वे नं. 180/2/2, प.ह. नं. 14, ग्राम-मोमन बड़ोदिया, पोस्ट ऑफिस मोमन बड़ोदिया, तहसील- मोमन बड़ोदिया, जिला शाजापुर, म.प्र. 465001, भूमि क्षेत्रफल - 2090 वर्ग मीटर / 22,500 वर्ग फीट संपत्ति मालिक- श्री कमल पुत्र श्री रामचंद्र चर्तुसीमाएंः उत्तर- राधेश्याम पाटीदार की भूमि, दक्षिण - रामेश्वर पाटीदार की भूमि, पूर्व - ओम प्रकाश पाटीदार की भूमि, पश्चिम- सारंगपुर- आगर रोड	28.05.2024 23.08.2024 दि. 28/05/2024 को ₹ 22,11,873/- +दि. 28.05.2024 से देय ब्याज एवं खर्चे	₹ 74,50,000/- ₹ 7,45,000/- ₹ 10,000/-

ईएमडी जमा करने की दिनांक एवं समय : 25.02.2026 को सायं 4.00 बजे या उससे पूर्व
ई-नीलामी की दिनांक एवं समय : 26.02.2026 को सुबह 10.00 बजे से सायं 6.00 बजे तक
संपत्ति निरीक्षण दिनांक : 17.02.2026 को दोपहर 3.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक

विक्रय के निबंधन और शर्तों के ब्यौरे के लिए कृपया नीचे दिए सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया प्रतिभूत लेनदार की वेबसाइट www.centralbankofindia.co.in अथवा http://BAANKNET देखें।

तारीख : 11.02.2026, स्थानः भोपाल प्राधिकृत अधिकारी

रोमांच की हदें पारः दूसरे सुपर ओवर में जीता दक्षिण अफ्रीका

अफगानिस्तान के गुरबाज का साहसिक प्रदर्शन बेकार, लगातार दूसरी हार के साथ सुपर-8 की उम्मीदों को झटका

प्लेयर ऑफ द मैच लुंगी एनगिडी

जेएनएन अहमदाबाद

सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज के साहसिक खेल के बावजूद अफगानिस्तान को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बुधवार को रोमांच की पराकाष्ठा तक पहुंचे मैच में दूसरे सुपर ओवर में हार का सामना करना पड़ा, जिससे उसकी सुपर आठ में पहुंचने की उम्मीदों को करारा झटका लगा। इस जीत से दक्षिण अफ्रीका के दो मैच में चार अंक हो गए हैं, जबकि अफगानिस्तान की यह लगातार दूसरी हार है। उसे अगले चरण में जाने के लिए न सिर्फ अपने बाकी बचे दोनों मैच जीतने होंगे, बल्कि अन्य मैच के परिणाम भी अनुकूल रहने के लिए दुआ करनी होगी। यह पहला मौका था, जब किसी विश्व कप मैच में लगातार दो सुपर ओवर खेलने के बाद निर्णय निकला हो। दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए क्विंटन डीकॉक (59) और रायन रिकलटन (61) के अर्धशतकों की मदद से 187 रन बनाए थे। जवाब में अफगानिस्तान की टीम रहमानउल्लाह गुरबाज के 84 रनों की पारी के दम पर 187 रन ही बना सकी। इसके बाद पहला सुपर ओवर भी टाई रहा और फिर दूसरे सुपर ओवर में जाकर दक्षिण अफ्रीका को जीत मिली।

पहला सुपर ओवर

एनगिडी ने पहला सुपर ओवर किया, जिसमें ओमरजाई ने एक चौका और दो छक्के लगाते हुए कुल 17 रन टीम के लिए बटोरे। दक्षिण अफ्रीका ने पहली तीन गेंदों पर सात रन बनाए और एक विकेट गंवाया। स्टब्स ने पहली दो गेंदों पर चार रन बनाए और फिर आखिरी गेंद पर छक्का मारते हुए सुपर ओवर को टाई करा दिया।

दूसरा सुपर ओवर

दूसरे सुपर ओवर में दक्षिण अफ्रीका के लिए स्टब्स ने छक्के से शुरुआत की। ओमरजाई की पहली तीन गेंद पर नौ रन आ चुके थे। इसके बाद मिलर ने लगातार दो छक्के लगाए और दक्षिण अफ्रीका ने कुल 23 रन बना लिए। अफगानिस्तान ने पहली दो गेंदों पर बिना रन बनाए एक विकेट गंवाया। उन्हें चार गेंदों पर चार छक्के चाहिए थे। गुरबाज ने महाराज के खिलाफ छक्कों की हैट्रिक तो लगा दी। अगली गेंद वाइड रही। इसके बाद आखिरी गेंद पर आउट हो गए।

अफगानिस्तान 17 रन
4 6 1 1 4 1

दक्षिण अफ्रीका 17 रन
1 6 W 4 0 6

दक्षिण अफ्रीका 23 रन
6 1 2 6 6 2

अफगानिस्तान 19 रन
0 W 6 6 6 1 W

737 रन दक्षिण अफ्रीका के लिए टी-20 विश्व कप में डिकॉक के हो गए हैं। उन्होंने टी-20 विश्व कप में सर्वाधिक रन बनाकर डीविलियर्स (717) को पीछे छोड़ा।

84 रन गुरबाज ने इस मुकाबले में बनाए, जो अफगानिस्तान के लिए सर्वाधिक रन का व्यक्तिगत रिकॉर्ड है। गुरबान (80) ने अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ा।

अफगान को लगातार विकेट गंवाना भारी पड़ा

अफगानिस्तान लक्ष्य हासिल करने की स्थिति में था, लेकिन लगातार विकेट गंवाने के कारण उसे नुकसान हुआ। गुरबाज और इब्राहिम जादरान ने पहले विकेट के लिए 51 रन जोड़े। इसके बाद हालांकि उसने दो रन के अंदर तीन विकेट गंवा दिए। एनगिडी ने जादरान को बोल्ड करने के बाद गुलबदीन नैब को अपनी ही गेंद पर कैच किया। रबाडा ने सदिकुल्लाह अटल को शून्य पर आउट किया, जिससे अफगानिस्तान का स्कोर बिना किसी नुकसान के 51 रन से तीन विकेट पर 52 रन हो गया। गुरबाज ने 26 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। महाराज ने 13वें ओवर में गुरबाज की पारी का अंत किया। दारविश रसूली (15) भी इसी ओवर में रनआउट हो गए। अफगानिस्तान को जब 18 गेंद पर 30 रन की जरूरत थी, तब एनगिडी ने उमरजई (17 गेंद पर 22 रन) को आउट करके दक्षिण अफ्रीका की उम्मीद जगाई। अफगानिस्तान को कप्तान राशिद (12 गेंद पर 20 रन) पर भरोसा था, लेकिन यानसन ने 19वें ओवर में उन्हें आउट कर दिया। नूर अहमद ने दो छक्कों की मदद से 15 रन बनाकर स्कोर बराबर करवाया।

रिकलटन और डीकॉक के अर्धशतक

फजलहक फारूकी ने दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों को स्विंग से परेशान किया और अगले ओवर में कप्तान एडन मारक्रम को आउट करके अच्छी शुरुआत दिलाई। पहला विकेट जल्दी गिरने के बाद रिकलटन और डीकॉक ने पारी को संभाला और पावरप्ले में टीम ने 56 रन बनाए। दोनों ने एक ही ओवर में अपने-अपने अर्धशतक पूरे किए। 11 ओवर के बाद दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 1 विकेट पर 111 रन था। 13वें ओवर में तीन गेंद के भीतर डीकॉक और रिकलटन दोनों को आउट करके राशिद खान ने टीम की वापसी कराई। डीकॉक और रिकलटन के बीच 114 रनों की साझेदारी हुई थी। दक्षिण अफ्रीका ने अंतिम पांच ओवर में तीन विकेट जरूर गंवाए, लेकिन 52 रन बनाकर उन्होंने अपनी पारी का मजबूत अंत किया। अफगानिस्तान की तरफ से उमरजई ने 41 रन देकर तीन और कप्तान राशिद खान ने 28 रन देकर दो विकेट लिए।

खेल एक नजर

इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान स्टोक्स की आंख की हुई सफल सर्जरी

लंदन, जेएनएन। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स की दाहिनी आंख की सर्जरी सफल रही। इस महीने की शुरुआत में क्रिकेट खेलते समय उनकी आंख में चोट लग गई थी। इस 34 वर्षीय ऑलराउंडर ने इंस्टाग्राम पर यह जानकारी साझा की, जिसमें उन्होंने एक तस्वीर भी पोस्ट की है जिसमें उनकी दाहिनी आंख और गाल पर चोट और सूजन दिखाई दे रही है। स्टोक्स ने लिखा, भले ही ऐसा न लगे, लेकिन सर्जरी सफल रही। स्टोक्स ने इस महीने की शुरुआत में खुलासा किया था कि उनके चेहरे पर गेंद लगी थी। बाद में रिपोर्टों से पता चला कि उन्हें यह चोट डरहम के इंडोर क्रिकेट सेंटर में अकादमी के खिलाड़ियों को कोचिंग देते समय लगी थी। स्टोक्स की कप्तानी में इंग्लैंड का ऑस्ट्रेलिया दौरा निराशाजनक रहा था और उसे पांच मैच की एशेज सीरीज में 1-4 से हार का सामना करना पड़ा था।

खिलाड़ियों और बीसीबी ने भारत में नहीं खेलने का फैसला किया

नजरुल का यू-टर्न

ढाका, जेएनएन। बांग्लादेश के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने यू-टर्न लेते हुए कहा कि भारत में टी-20 विश्व कप के मैच नहीं खेलने का फैसला बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) और खिलाड़ियों ने लिया था। इससे पहले उन्होंने कहा था कि यह फैसला सरकार की सुरक्षा चिंताओं से प्रेरित था। बांग्लादेश ने भारत में होने वाले अपने मैचों को श्रीलंका में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया था, जिसे आईसीसी ने नामंजूर कर दिया था। आईसीसी में हालांकि बांग्लादेश को दंडित न करने का निर्णय लिया है। बांग्लादेश की टीम को बाहर करने से पहले आईसीसी के साथ असफल बातचीत के दौरान नजरुल ने मुख्य भूमिका निभाई थी और उन्होंने इस बात पर जोर दिया था कि सुरक्षा चिंताओं के कारण टीम को न भेजना बांग्लादेश सरकार का विशेषाधिकार है। 'क्रिकबज' से नजरुल के हवाले से कहा कि विश्व कप में नहीं खेलने पर अफसोस का कोई सवाल ही नहीं है। यह फैसला बीसीबी और खिलाड़ियों ने देश के क्रिकेट की सुरक्षा, जनता की सुरक्षा और राष्ट्रीय गरिमा की रक्षा के लिए लिया।

एफआईएच प्रो लीग में पहले मैच में बेल्जियम से हारी भारतीय टीम

राउरकेला, जेएनएन। आखिरी क्वार्टर में दो गोल गंवाने से भारत को एफआईएच पुरुष प्रो लीग 2025-26 के राउरकेला चरण में पहले मैच में बुधवार को बेल्जियम ने 3-1 से हराया। बेल्जियम के लिए नेल्सन ओनाना (23वां मिनट), थॉमस क्रोल्स (53वां) और अर्नो वान डेसेल (57वां) ने गोल किए, जबकि भारत के लिए एकमात्र गोल शिलानंद लाकड़ा (29वां) ने दागा। हाफटाइम और तीसरे क्वार्टर के अंत तक स्कोर 1-1 से हराकर था, लेकिन बेल्जियम ने आखिरी 15 मिनट में दो गोल कर दिए। पहले क्वार्टर में दोनों टीमों ने डिफेंस में कोई गलती नहीं की। बेल्जियम को चौथे मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला।

भारत बनाम नामीबियाः मैच शाम सात बजे से, अभिषेक की तबीयत खराब होने से मेजबान टीम चिंतित

पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से पहले टीम इंडिया नामीबिया पर बड़ी जीत दर्ज करने उतरेगी

जेएनएन, नई दिल्ली

मौजूदा चैंपियन भारत को गुरुवार को होने वाले टी-20 विश्व कप मैच में नामीबिया से किसी तरह का खतरा नहीं है, लेकिन सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के पेट के संक्रमण के कारण मुख्य कोच गौतम गंभीर सहित टीम प्रबंधन चिंतित होगा, क्योंकि इससे उसकी योजनाओं पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। अमेरिका के खिलाफ पहले मैच में वानखेड़े की चिपचिपी पिच पर बल्लेबाज अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। अब उन्हें फिरोज शाह कोटला की पिच पर आक्रामक खेल दिखाना चाहेगा, जिसे बल्लेबाजी के लिए बेहतरीन पिच कहा जा सकता है। नामीबिया के खिलाफ भारत का पलड़ा बहुत भारी है, जिसकी टीम इसी मैदान पर नीदरलैंड के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। इस तरह से देखा जाए तो भारत के लिए पाकिस्तान के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले महत्वपूर्ण मैच से पहले यह मैच अभ्यास मैच की तरह है। भारत अगर टॉस जीतता है, तो वह पहले बल्लेबाजी करना चाहेगा, ताकि उसके बल्लेबाजों को पर्याप्त अवसर मिल सके। नामीबिया का गेंदबाजी आक्रमण खास नहीं है और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेल रही कोई भी टीम उसको छठी का दूध याद दिला सकती है। भारत की मजबूत बल्लेबाजी को रोकना नामीबिया के लिए कड़ी चुनौती होगी। उनके बल्लेबाजों के लिए जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती और हार्दिक पंड्या की गेंदों का सामना करना और भी चुनौतीपूर्ण होगा। नामीबिया के शीर्ष छह बल्लेबाजों में से केवल ऑलराउंडर जेजे स्मिट का स्ट्राइक रेट 140 से अधिक है।

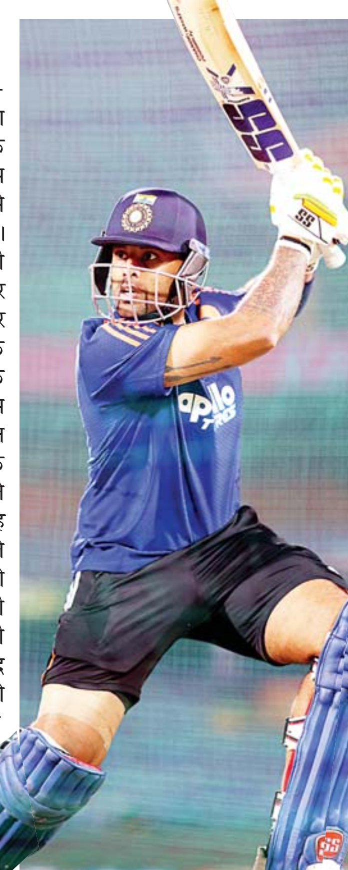

सैमसन के पास अच्छा मौका

नामीबिया के खिलाफ मैच खराब फॉर्म से जूझ रहे संजू सैमसन के लिए लय में लौटने का एक सुनहरा मौका साबित हो सकता है, क्योंकि लगातार असफलताओं के चलते उन्हें अपनी जगह इशान किशन के हाथों गंवानी पड़ी, जो इस समय शानदार फॉर्म में हैं। मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में सहायक कोच रयान टेन डोएशे ने कहा कि संजू अच्छा महसूस कर रहे हैं और चोटिल खिलाड़ी के स्थान पर टीम में अपनी भूमिका को समझ रहे हैं। वह एक नेक इंसान हैं, टीम के साथ उनका व्यवहार अच्छा है, वह अच्छी तरह से अभ्यास कर रहे हैं और टीम में सभी से यही उम्मीद करते हैं।

बुमराह, सुंदर और अभिषेक पर नजरें

इस मुकाबले से पहले जसप्रीत बुमराह, वॉशिंगटन सुंदर और अभिषेक शर्मा चर्चा के केंद्र में हैं। बुमराह अस्वस्थ होने के चलते यूएसए के खिलाफ पहला मुकाबला नहीं खेल पाए थे, लेकिन मंगलवार को वह अभ्यास करते हुए नजर आए। न्यूजीलैंड के खिलाफ चोटिल हुए वॉशिंगटन सुंदर पहले मुकाबले के बाद दिल्ली में भारतीय टीम के साथ जुड़ गए और वह भी अभ्यास करते नजर आए। अभिषेक को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है, लेकिन उनके खेलने पर अंतिम फैसला होना अभी बाकी है। हालांकि भारत के पास अभी भी एक मजबूत बल्लेबाजी लाइन अप है, जिससे निपटना नामीबिया के लिए इतना आसान नहीं होगा।

भारतः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह।

नामीबियाः गेरहार्ड इरास्मस (कप्तान), जान बाल्ट, जेन ग्रीन (विकेटकीपर), मालन क्रूगर, डायलन लीचर, लॉरेन स्टीनकैंप, जान फ्राइलिनक, जान निकोल लोफ्टी-ईटन, विलियम मायबर्ग, जेजे स्मिट, जैक ब्रासेल, मैक्स हेंगो, बर्नार्ड शोल्ट्ज, बेन शिकोंगो, रूबेन ट्रम्पेलमैन।

घरेलू मैदान पर ओमान से भिड़ेगा श्रीलंका

पल्लीकल, जेएनएन। श्रीलंका की टीम बुधवार को जब टी-20 विश्व कप के ग्रुप-बी के मैच में ओमान का सामना करेगी तो उसकी निगाह अपनी बल्लेबाजी विशेषकर बीच के ओवरों में अच्छा प्रदर्शन करने और चोटिल वानिंदु हसरंगा के बाहर हो जाने के बाद नया गेंदबाजी संयोजन तैयार करने पर होगी। स्पिन गेंदबाज हसरंगा आयरलैंड के खिलाफ अपने पहले मैच के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए। आईसीसी के इस टूर्नामेंट से पहले श्रीलंका का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। उसे इंग्लैंड से घरेलू सीरीज में 0-3 से करारी हार मिली थी। हालांकि टूर्नामेंट की सह-मेजबान टीम ने आयरलैंड के खिलाफ 20 रन की जीत के साथ अपने अभियान की सकारात्मक शुरुआत की। जहां तक जतिंदर सिंह की कप्तानी वाली ओमान का सवाल है, तो उसे जिम्बाब्वे के खिलाफ आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा।

इटली और नेपाल को पहली जीत की तलाश

मुंबई। अपने पहले मैच में इंग्लैंड को कड़ी टक्कर देने वाला नेपाल बुधवार को इटली के खिलाफ होने वाले टी-20 विश्व कप के मैच में जीत हासिल करने के लिए अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ेगा। इटली की टीम पहली बार इस प्रतियोगिता में भाग ले रही है, जबकि नेपाल ने 12 साल पहले इस टूर्नामेंट में पदार्पण किया था। उसने 2014 में हांगकांग और अफगानिस्तान को हराया था, लेकिन उसके बाद नेपाल एक भी मैच नहीं जीत पाया है। दिलचस्प बात यह है कि नेपाल तीन मौकों पर टेस्ट खेलने वाले देशों को हराने के बेहद करीब पहुंचा, लेकिन आखिर उसे हार का सामना करना पड़ा था। वह 2024 में दक्षिण अफ्रीका से सिर्फ एक रन से और बांग्लादेश से 21 रन से हार गया था। दूसरी ओर इटली टूर्नामेंट के पहले मैच में स्कॉटलैंड से मिली 73 रन की करारी हार को भुलाकर नए सिरे से शुरुआत करना चाहेगा। इस मैच के दौरान इटली के कप्तान वेन मैडसेन के कंधे में भी चोट लग गई थी और पूरी संभावना है कि नेपाल के खिलाफ हैरी मैनेंटी टीम की कप्तानी करेंगे।

एलिस और जम्पा ने झटके चार-चार विकेट

ऑस्ट्रेलिया को गेंदबाजों ने दिलाई आयरलैंड पर 67 रन से बड़ी जीत

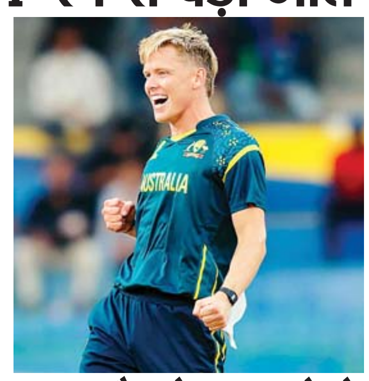

कोलंबो, जेएनएन। ऑस्ट्रेलिया ने तेज गेंदबाज नाथन एलिस (12 रन देकर चार विकेट) और लेग स्पिनर एडम जम्पा (23 रन देकर चार विकेट) के शानदार प्रदर्शन से बुधवार को ग्रुप-बी मैच में आयरलैंड पर 67 रन की जीत के साथ टी-20 विश्व कप में अपना अभियान शुरू किया। एलिस ने अपने शुरुआती स्पैल में तीन विकेट झटककर जीत की लय तय की। उन्होंने शीर्ष क्रम को पवेलियन भेजा, तो वहीं जम्पा ने मध्य और निचले क्रम पर कहर बरपाया, जिससे आयरलैंड की पारी 183 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 16.5 ओवर में नौ विकेट 115 रन पर खत्म हुई। आयरलैंड के कप्तान पॉल स्टर्लिंग एक गेंद खेलने के बाद रिटायर्ड हर्ट हो गए और फिर बल्लेबाजी करने नहीं उतरे। आयरलैंड के लिए जॉर्ज डॉकरेल ने सर्वाधिक 41 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया ने धीमी पिच पर टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए मार्कस स्टोइनिस (45) और मैथ्यू रेनशॉ (37) के बीच पांचवें विकेट के लिए 61 रन की अहम साझेदारी की मदद से छह विकेट पर 182 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया।

आयरलैंड ने पावरप्ले में गंवाए चार विकेट

आयरलैंड की टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए पावरप्ले में चार विकेट गंवा दिए थे। एलिस ने इस तरह तीन ओवर के शुरुआती स्पैल में नौ रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने रोस एडेयर (12), कर्टिस कैम्फर (04), बेन कालिट्ज (02) को आउट किया। फिर जम्पा ने गेरेथ डेलानी (11), लोरकान टकर (24), डॉकरेल और मार्क एडेयर (12) के विकेट झटके। आयरलैंड हालांकि 100 रन का स्कोर पार करने में कामयाब रहा। आखिर में एलिस अपना अंतिम ओवर करने के लिए आए और बैरी मैकार्थी (02) को आउट करके मैच खत्म किया।

रदरफोर्ड-मोती ने दिलाई वेस्टइंडीज की लगातार दूसरी जीत, इंग्लैंड की हार

मुंबई, जेएनएन। शेरफेन रदरफोर्ड के नाबाद 76 रन और गुडाकेश मोती के तीन विकेट की मदद से वेस्टइंडीज ने टी-20

विश्व कप के ग्रुप-सी के अहम मुकाबले में इंग्लैंड को 30 रन से हरा दिया। प्लेयर ऑफ द मैच रदरफोर्ड ने चिर परिचित कैरेबियाई अंदाज में खेलते हुए 42 गेंद में पांच छक्कों और दो चौकों की मदद से नाबाद 76 रन बनाकर वानखेड़े स्टेडियम पर मौजूद करीब 21000 दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। वहीं मोती ने गेंदबाजी में 32 रन देकर तीन विकेट चटकाए। जीत के लिए 197 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम 19 ओवर में 166 रन पर आउट हो गई। सैम कुरेन ने सर्वाधिक 43 रन की नाबाद पारी खेली। फिल साल्ट ने 14 गेंद में 30 रन बनाए। उन्होंने जैसन होल्डर के दूसरे ओवर में 24 रन निकाले। साल्ट को रोमारियो शेफर्ड ने कवर में रदरफोर्ड के हाथों लपकवाया। पावरप्ले के बाद इंग्लैंड का स्कोर एक विकेट पर 67 रन था। जोस बटलर (21) भी च्यादा देर टिक नहीं सके। वह रोस्टन चेस की गेंद पर लांग आन में पॉवेल को कैच देकर लौटे। इसके बाद मोती ने इंग्लैंड को दोहरे झटके दिए। पहले उन्होंने टॉम बेंटोन (दो) को कवर में कैच आउट कराया और इसके बाद जैकब बेथेल (33) को चाइनामैन गेंद पर आउट किया।

सिटी स्पोर्ट्स

टी-20 क्रिकेटः अल हम्द और सेंट माइकल सीनियर की आसान जीत

भोपाल, खेप्र। अल हम्द और सेंट माइकल सीनियर ने पांचवें सैय्यद शकील मोहम्मद ऑल इंडिया क्रिकेट टूर्नामेंट में अपने-अपने मुकाबले में आसान जीत दर्ज की। बाबेअली मैदान पर कमिश्नर इलेवन ने मुदस्सर आलम (50) और विजय (40) की पारियों की बदौलत 179 रन बनाए। जवाब में अल हम्द की टीम ने 9 विकेट खोकर आसान जीत दर्ज की। प्लेयर ऑफ द मैच प्रशांत सिंह ने 94 और अभिषेक गिरी ने 60 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। सेंट माइकल सीनियर ने 175 रन बनाए। प्लेयर ऑफ द जमरान जावेद ने 42, दानिश खान ने 29, तबरेज कुरैशी ने 26 और परवेज ने 24 रन का योगदान दिया। जवाब में सदय इलेवन की टीम 137 रन बना पाई। उसके लिए आनंद ठाकुर ने 28 और राहुल सिंह ठाकुर ने 23 रन बनाए। रेड रोज स्कूल के संचालक यश पोंडा, राहुल सिंह ठाकुर और सेंट माइकल अकादमी के सैयद अयान शकील ने पुरस्कार प्रदान किए।

रवि और विशाल मप्र की सिविल सर्विसेज टीम में

भोपाल, खेप्र। शहर के रवि पाटनकर, विशाल कहार, वैभव परांजपे और मनीष सोनी को चयन अखिल भारतीय सिविल सेवा राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए मध्यप्रदेश की टीम में किया गया है। यह टूर्नामेंट राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में 16 फरवरी से खेला जाएगा। **मध्य प्रदेश की टीमः** पीयूष नेवारे, अबुजर खान, रवि पाटनकर, विशाल कहार, आदर्श खरे, वैभव परांजपे, विनीत खरे, निलेश रहांगडाले, आदित्य गौर, जोहेब खान, मनीष सोनी, आनंद ठाकुर, गगन अंगूरे, पवन गोनेकर, स्नेहल तिवारी, आशुतोष श्रीवास्तव। मैनेजरः जोसेफ बक्सला, कोचः एमके धौलपुरी और इंद्रजीत शिंदे।

एमवाय मेमोरियल ट्रॉफीः भोपाल ने जबलपुर को पारी और 233 रनों से दी करारी शिकस्त

भोपाल, खेप्र। भोपाल डिवीजन ने एमवाय मेमोरियल ट्रॉफी सीनियर इंटर डिवीनल मल्टी डे क्रिकेट टूर्नामेंट में जबलपुर को पारी और 233 रनों से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ भोपाल को सात अंक प्राप्त हुए। फेथ क्रिकेट मैदान पर मैच के तीसरे दिन जबलपुर की टीम कल के स्कोर 1/78 से आगे खेलते हुए 40.4 ओवर में 170 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम के वंदित जोशी ने 72 और हर्ष मंगलानी ने 42 रन बनाए। भोपाल डिवीजन के तन्मय पांडे ने 5 विकेट झटके। अंकित दांगी और पवन निर्वानी को 2-2 सफलता मिली, जबकि कप्तान प्रारब्ध मिश्रा ने 1 विकेट लिया। इस तरह भोपाल ने 441 रनों की बढ़त ली और जबलपुर को फॉलोआन खेलने पर मजबूर किया। जबलपुर की दूसरी पारी 48.5 ओवर में 208 रन पर सिमट गई।

अलंक्रित सिंह ने 42, शिवम तिवारी ने 38, रितेश शाक्य ने 34 और हर्ष मंगलानी ने 33 रन बनाए। भोपाल के प्रारब्ध ने सात और तनिष्क यादव ने 3 विकेट लिए। भोपाल ने पहली पारी में पृथ्वीराज तोमर (191) और प्रारब्ध (102) के शतक से 611 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया था। प्रारब्ध और पृथ्वीराज को संयुक्त रूप से प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

संक्षिप्त समाचार

रणवीर के बाद सलमान के करीबी को धमकी

मुंबई, जेएनएन। मुंबई में बॉलीवुड सितारों को मिल रही धमकियों का सिलसिला थमता नजर नहीं आ रहा। हाल ही में रणवीर सिंह को धमकी मिलने के बाद अब सलमान खान के एक करीबी रिश्तेदार को भी धमकी भरा ईमेल भेजा गया है। धमकी में करोड़ों रुपये की रंगदारी मांगी गई है। मामले के सामने आते ही मुंबई अलर्ट मोड में आ गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सलमान के करीबी को भेजे गए ईमेल में खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताया गया है। ईमेल में साफ तौर पर बड़ी रकम की मांग की गई है और पैसे न देने पर जान से मारने की धमकी दी गई है। हालांकि, अभी तक सलमान खान या उनके परिवार की ओर से इस संबंध में औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

आज ट्रेड यूनियनों की हड़ताल

बैंक, परिवहन के साथ सरकारी सेवाएं प्रभावित

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्र सरकार की नीतियों के विरोध में 12 फरवरी को देशव्यापी 'भारत बंद' का आह्वान किया गया है। 10 से अधिक केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और किसान संगठनों ने इस हड़ताल का समर्थन किया है। यूनियनों का दावा है कि करीब 30 करोड़ कर्मचारी इस आम हड़ताल में हिस्सा ले सकते हैं, जिससे देश के कई हिस्सों में जनजीवन प्रभावित हो सकता है। ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एटक) की महासचिव अमरजीत कौर ने कहा कि पिछली बार जुलाई 2025 में हुए आंदोलन में करीब 25 करोड़ श्रमिक शामिल हुए थे, लेकिन इस बार भागीदारी और अधिक रहने की संभावना है। यूनियनों के अनुसार, यह हड़ताल 600 से ज्यादा जिलों में असर डाल सकती है। हड़ताल का मुख्य उद्देश्य केंद्र की कथित 'मजदूर-विरोधी, किसान-विरोधी और कॉर्पोरेट-समर्थक नीतियों' का विरोध करना है। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम), कृषि श्रमिक संगठनों, छात्र और युवा संगठनों ने भी समर्थन दिया है।

गुयाना के मंत्री ने संसद में हिंदी में दिया भाषण

वीडियो वायरल, विपक्ष को दी खुली बहस की चुनौती

जॉर्जटाउन, जेएनएन। गुयाना की संसद में भारतीय मूल के मंत्री विकाश रामकिसून का हिंदी में दिया गया भाषण सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। संसद सत्र के दौरान उन्होंने विपक्ष के उस दावे का जवाब हिंदी में दिया, जिसमें कहा गया था कि उन्हें हिंदी नहीं आती। उनके आत्मविश्वासपूर्ण अंदाज और बिना कागज देखे धाराप्रवाह हिंदी बोलने को लेकर भारत सहित कई देशों में चर्चा हो रही है। संसदीय सत्र के दौरान विपक्षी सांसद विष्णु पांडेय ने सदन में टिप्पणी की कि मंत्री विकाश रामकिसून को हिंदी का एक शब्द भी नहीं आता। इसके बाद रामकिसून ने स्पीकर से अनुमति लेकर कहा कि वे इसी मुद्दे पर हिंदी में जवाब देना चाहते हैं।

फ्रांस: रिटायर्ड शिक्षक ने किया 89 मासूमों से रेप

पेरिस, जेएनएन। फ्रांस में 79 वर्षीय रिटायर्ड शिक्षक पर 1960 के दशक से 2022 तक 89 नाबालिगों के साथ रेप और यौन शोषण करने का आरोप लगा है। ग्रेनोबल शहर के अभियोजक एटिने मानट्यू ने मामले को सार्वजनिक करते हुए संभावित पीड़ितों से आगे आने की अपील की। रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी का नाम जैक लेवुग्ल ने के बीच भारत, जर्मनी, स्विट्जरलैंड, मोरक्को, नाइजर, अल्जीरिया, फिलीपींस, कोलंबिया और फ्रांस सहित नौ देशों में नाबालिगों को निशाना बनाया। जैक फ्रेंच भाषा का शिक्षक और गुफा अध्ययन का ट्रेनर था। वह विभिन्न देशों की यात्राएं करता था और युवाओं से संपर्क बनाता था। उसने 13 से 17 वर्ष आयु वर्ग के किशोरों के साथ यौन अपराध किए।

कनाडा: हाईस्कूल में गोलीबारी, 9 लोगों की मौत और 25 घायल

संदिग्ध महिला ने खुद को मारी गोली, पीएम मार्क कॉर्नी ने रद्द किया जर्मनी दौरा

बेंकूबर, जेएनएन। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के टम्बलर रिज शहर में एक हाईस्कूल में हुई गोलीबारी में शूटर समेत 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 लोग घायल बताए जा रहे हैं। घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। स्कूल को एहतियातन बंद कर दिया गया है। यह घटना टम्बलर रिज सेकेंडरी स्कूल में हुई, जहां कक्षा 7 से 12 तक के करीब 175 छात्र पढ़ते हैं। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि मृतकों में कितने छात्र शामिल हैं। घटना की पुष्टि रॉयल कनाडियन पुलिस ने की। पुलिस के अनुसार, संदिग्ध एक महिला थी, जिसने स्कूल यूनिफॉर्म पहन रखी थी और उसके बाल भूरे रंग के थे। उसका शव स्कूल परिसर के अंदर मिला। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि उसने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अपना जर्मनी दौरा रद्द कर दिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि वह इस घटना से बेहद दुखी हैं और पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने राहत और बचाव कार्य में जुटे कर्मियों की सराहना भी की। पुलिस को भारतीय समयानुसार रात करीब 2 बजे गोलीबारी की सूचना मिली थी। जब अधिकारी मौके पर पहुंचे तो स्कूल के अंदर छह लोग मृत पाए गए। एक अन्य घायल की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। इसके अलावा, पास के एक घर से दो और शव बरामद किए गए।

पुलिस अधिकारी केन फ्लॉयड ने बताया कि करीब 100 छात्रों और स्टाफ को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। दो घायलों को गंभीर हालत में हेलीकॉप्टर से अस्पताल भेजा गया, जबकि लगभग 25 लोगों को हल्की चोटों के साथ स्थानीय मेडिकल सेंटर में भर्ती कराया गया। फिलहाल गोलीबारी की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस ने कहा है कि अब कोई अन्य संदिग्ध फरार नहीं है और आम जनता के लिए कोई खतरा नहीं है।

इमरजेंसी अलर्ट खत्म, स्कूल बंद

ब्रिटिश कोलंबिया की पब्लिक सेफ्टी मंत्री नीना क्रिगर ने इस घटना को 'दिल दहला देने वाला' बताया। उन्होंने कहा कि सरकार पीड़ितों और उनके परिवारों की हरसंभव मदद करेगी। पुलिस ने टम्बलर रिज में जारी इमरजेंसी अलर्ट समाप्त कर दिया है। एहतियात के तौर पर टम्बलर रिज के एलीमेंट्री और सेकेंडरी स्कूलों को पूरे सप्ताह के लिए बंद रखने का फैसला लिया गया है। स्कूल डिस्ट्रिक्ट ने बयान जारी कर कहा कि इस दुखद घटना के मद्देनजर दोनों स्कूल सप्ताह भर बंद रहेंगे।

थाईलैंड: स्कूल में 18 वर्षीय युवक की गोलीबारी, 3 घायल; आरोपी गिरफ्तार

थाइलैंड के दक्षिणी हिस्से में बुधवार को एक स्कूल में गोलीबारी की घटना सामने आई। पुलिस के मुताबिक, 18 वर्षीय युवक ने हाट याई शहर के प्रथान खिरिवत स्कूल में शाम करीब 4.45 बजे फायरिंग की। इस घटना में स्कूल के निदेशक समेत कम से कम तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, युवक हथियार लेकर स्कूल परिसर में दाखिल हुआ और अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। घटना सोंगख्ला प्रांत के हट याई जिले स्थित पटोंगप्रथनकिरिवाट स्कूल (प्रथान खिरिवत स्कूल) में हुई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमलावर को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया है। डिप्टी सुपरिंटेंडेंट विचियन सोबून ने पुष्टि की कि आरोपी अब पुलिस हिरासत में है और उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, इस घटना में कम से कम तीन लोग घायल हुए हैं, जिनमें स्कूल के निदेशक और एक छात्र शामिल हैं। घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

ईरान: सैटेलाइट तस्वीरों से खुलासा, मिसाइल सिस्टम एक्टिव

पश्चिम एशिया में बढ़ गई अमेरिका की सैन्य तैनाती

तेहरान, वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। अमेरिका ने ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच मिडिल-ईस्ट में अपनी सैन्य तैनाती बढ़ा दी है। सैटेलाइट तस्वीरों में सामने आया है कि कतर स्थित अल-उदीद एयर बेस पर पैट्रियट मिसाइल सिस्टम को स्थायी लॉन्चर की बजाय ट्रकों पर तैनात किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, अलग-अलग अमेरिकी सैन्य अड्डों पर विमानों और रक्षा उपकरणों की संख्या में भी इजाफा हुआ है। यह बदलाव जनवरी के बाद क्षेत्र में बढ़े तनाव के मद्देनजर देखा गया है। अल उदीद एयर बेस पर फरवरी की सैटेलाइट तस्वीरों में पैट्रियट मिसाइल सिस्टम एम983 ट्रकों पर तैनात नजर आए। फोरेंसिक इमेजरी एनालिस्ट विलियम गुडहाइंड के अनुसार, ट्रकों पर तैनाती का मतलब है कि मिसाइलों को जरूरत पड़ने पर तेजी से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा सकता है या हमले की स्थिति में नई पोजिशन पर स्थापित किया जा सकता है। मिडिल-ईस्ट में इराक, जॉर्डन, कुवैत, सऊदी अरब, कतर, बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात, ओमान और तुर्की में अमेरिका के सैन्य अड्डे मौजूद हैं। अमेरिका ने अरब सागर और लाल सागर में विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहिम लिंकन, यूएसएस थियोडोर रूजवेल्ट और कई मिसाइल विध्वंसक युद्धपोत तैनात किए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन कदमों से अमेरिका समुद्र और हवा दोनों से संभावित सैन्य कार्रवाई की स्थिति में खुद को तैयार कर रहा है। सैटेलाइट तस्वीरों में दिखी यह बढ़ती सैन्य गतिविधि क्षेत्र में तनाव के नए दौर का संकेत मानी जा रही है।

कुछ सप्ताह में हुआ इजाफा

कतर: 1 फरवरी की तस्वीरों में कतर के अल उदीद एयर बेस पर एक आरसी-135 रीकॉनिसेंस विमान, तीन सी-130 हरक्यूलिस, 18 केसी-135 स्ट्रैटो टैंकर और सात सी-17 विमान दिखे। जबकि 17 जनवरी की तस्वीरों में 14 टैंकर और दो सी-17 विमान थे। यानी कुछ ही हफ्तों में टैंकर और ट्रांसपोर्ट विमानों की संख्या बढ़ी है।

जॉर्डन: जॉर्डन के मुवाफ्फक बेस पर 2 फरवरी की तस्वीरों में 17 एफ-15ई स्ट्राइक विमान, 8 ए-10 थंडरबोल्ट, चार सी-130 और चार हेलीकॉप्टर दिखाई दिए। 25 जनवरी की तस्वीरों में वहां कोई विमान नजर नहीं आया था।

सऊदी अरब: प्रिंस सुल्तान बेस पर भी विमानों की संख्या बढ़ी है। 2 फरवरी को यहां एक सी-5 गैलेक्सी और एक सी-17 विमान दिखे, जबकि दिसंबर की तस्वीरों में पांच सी-130 जैसे विमान नजर आए थे।

- हिंद महासागर में डिएगो गार्सिया बेस और ओमान के दुकान बेस पर भी विमानों की गतिविधि बढ़ी है।

अमेरिका की ईरान के सामने चार शर्तें

फरवरी की शुरुआत में अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने ईरान के सामने समझौते के लिए चार शर्तें रखीं थीं।

- यूरेनियम संवर्धन पर पूर्ण प्रतिबंध
- पहले से संवर्धित यूरेनियम को हटाना
- लंबी दूरी की मिसाइलों की संख्या सीमित करना
- क्षेत्रीय प्रॉक्सी बलों को समर्थन बंद करना

डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी और ईरान का जवाब

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहले ही ईरान के परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को लेकर सख्त चेतावनी दे चुके हैं। हालांकि तनाव कम करने के लिए बातचीत की कोशिशें जारी हैं। ईरान की रिवोल्यूशनरी गाड्र्स ने चेतावनी दी है कि अगर उसके क्षेत्र पर हमला हुआ तो वह किसी भी अमेरिकी सैन्य अड्डे को निशाना बना सकती है।

पाक रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का अमेरिका पर निशाना, बोले-

मतलब निकला तो टॉयलेट पेपर की तरह फेंका

इस्लामाबाद, जेएनएन। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने संसद में आतंकवाद पर बहस के दौरान अमेरिका पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने अपने हितों के लिए पाकिस्तान का इस्तेमाल किया और काम निकलने के बाद उसे 'टॉयलेट पेपर की तरह फेंक दिया।'

आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में दो युद्धों में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा, 'हमने इस्लाम और मजहब के नाम पर हिस्सा लिया, लेकिन असल में दो सैन्य तानाशाहों जिया उल हक और परवेज मुशर्रफ ने वैश्विक ताकत का समर्थन पाने के लिए ऐसा किया।' रक्षा मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान ने इतिहास से कोई सबक नहीं सीखा और छोटे-छोटे फायदे के लिए कभी अमेरिका, कभी रूस और कभी ब्रिटेन की ओर झुकता रहा। उन्होंने माना कि आज देश में आतंकवाद की जो स्थिति है, वह अतीत की गलत नीतियों का परिणाम है।

आसिफ ने स्वीकार किया कि अफगानिस्तान की जंगों में शामिल होना पाकिस्तान की बड़ी भूल थी। उन्होंने कहा, 'आज का आतंकवाद उन्हीं डिक्टेटरों की गलतियों का नतीजा है।' उनके मुताबिक, इन जंगों को सही ठहराने के लिए शिक्षा प्रणाली में भी जानबूझकर बदलाव किए गए, जिनका असर आज तक बना हुआ है।

सोवियत हस्तक्षेप और अमेरिकी नैरेटिव पर सवाल

आसिफ ने 1979 में अफगानिस्तान में सोवियत संघ के हस्तक्षेप का जिक्र करते हुए कहा कि वह कदम अफगान सरकार के निमंत्रण पर उठाया गया था, लेकिन अमेरिका ने इसे सीधा हमला बताकर अपना नैरेटिव तैयार किया। उन्होंने 11 सितंबर 2001 के हमलों के बाद अमेरिका के साथ पाकिस्तान की रणनीतिक साझेदारी पर भी सवाल उठाए। आसिफ ने कहा कि अमेरिका के साथ खड़े होने की कीमत पाकिस्तान आज भी चुका रहा है।

'धनवर्षा' के नाम पर 3 की हत्या, तांत्रिक गिरफ्तार

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली पुलिस ने पश्चिम विहार इलाके में धनवर्षा (अचानक धन लाभ) का लालच देकर तीन लोगों को जहर देकर मारने के आरोप में एक तांत्रिक को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने कथित तौर पर जहर मिले लड्डू खिलाकर तीनों की हत्या की और नकदी लेकर फरार हो गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान कमरुद्दीन उर्फ बाबा के रूप में हुई है। वह उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद का रहने वाला है और लोनी व फिरोजाबाद में तंत्र-मंत्र का केंद्र चलाता था। खुद को तांत्रिक और मौलाना बताने वाला कमरुद्दीन इस मामले में पहली गिरफ्तारी है। 8 फरवरी को पीरागढ़ी फ्लाईओवर के पास एक बंद कार में तीन लोग बेहोशी की हालत में मिले थे। बाद में उन्हें अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। मृतकों की पहचान 76 वर्षीय रणधीर, 47 वर्षीय शिव नरेश सिंह और 40 वर्षीय लक्ष्मी देवी के रूप में हुई। रणधीर ड्राइविंग सीट पर बैठे मिले, जबकि बाकी दोनों पीछे की सीट पर थे।

रूबी एंड इंडस्ट्री इनसाइट्स की ताजा रिपोर्ट

50.1 अरब डॉलर का होगा 2030 तक भारत का मेडिकल डिवाइस उद्योग

भारत का मेडिकल डिवाइस उद्योग तेजी से विस्तार की राह पर है। रूबी एंड इंडस्ट्री इनसाइट्स की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2030 तक देश का मेडिकल डिवाइस उद्योग 50.1 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 में 15.2 अरब डॉलर के मौजूदा मूल्यांकन से यह क्षेत्र 26.9 फीसदी की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ेगा।

चौथा बड़ा एशियाई बाजार

वर्तमान में भारत एशिया का चौथा सबसे बड़ा मेडिकल डिवाइस बाजार है और वैश्विक स्तर पर शीर्ष 20 देशों में शामिल है।

वजह: रिपोर्ट में कहा गया है कि आय स्तर में वृद्धि, स्वास्थ्य बीमा का विस्तार, हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर का बढ़ना और मेडिकल टूरिज्म की तेजी से बढ़ती लोकप्रियता, ये सभी कारक मेडिकल उपकरणों की मांग को बढ़ा रहे हैं।

4.1 अरब डॉलर तक पहुंच गया है वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का मेडिकल डिवाइस निर्यात

12% तक ले जाना है सरकार का लक्ष्य वैश्विक बाजार में भारत की हिस्सेदारी को, फिलहाल 1.6% है हिस्सेदारी

70-80% घरेलू मांग के लिए आयात पर निर्भर है भारत, खासकर तकनीकी रूप से उन्नत उपकरणों के मामले में।

4.1 अरब डॉलर रहा जहां निर्यात | **8.6** अरब डॉलर के आसपास आयात | **7.1%** सीएजीआर से बढ़ रहा है बाजार

47% हिस्सा उपभोज्य उत्पादों का अप्रैल-सितंबर के बीच निर्यात का

60% हिस्सा इलेक्ट्रो-मेडिकल उपकरणों का है कुल आयात में

अमेरिका में जनवरी में रोजगार वृद्धि तेज

वॉशिंगटन, जेएनएन। अमेरिका में जनवरी 2026 के दौरान रोजगार वृद्धि उम्मीद से बेहतर रही और बेरोजगारी दर घटकर 4.3 फीसदी पर आ गई है। अमेरिकी श्रम विभाग के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी में नॉन-फार्म पेरोल में 1.30 लाख नौकरियों की बढ़ोतरी हुई, जबकि दिसंबर के आंकड़े संशोधित होकर 48 हजार रह गए। सर्वे में अर्थशास्त्रियों ने 70 हजार नौकरियों की वृद्धि का अनुमान लगाया था। बेरोजगारी दर दिसंबर के 4.4 फीसदी से घटकर 4.3 फीसदी हो गई। यह आंकड़े अमेरिकी फेडरल रिजर्व को फिलहाल ब्याज दरों में बदलाव न करने का अवसर दे सकते हैं, क्योंकि श्रम बाजार स्थिर दिखाई दे रहा है। हालांकि, वार्षिक संशोधनों से संकेत मिलता है कि श्रम बाजार उतना मजबूत नहीं है जितना पहले माना जा रहा था। मार्च 2025 तक के 12 महीनों में 8.62 लाख नौकरियां पहले के अनुमान से कम पाई गईं। 2025 में कुल 1.81 लाख नौकरियां जुड़ीं, जो 2024 में जुड़े 14.59 लाख के मुकाबले काफी कम हैं। जनवरी में रोजगार वृद्धि मुख्य रूप से हेल्थकेयर और सोशल असिस्टेंस क्षेत्रों में केंद्रित रही। हेल्थकेयर में 82 हजार नई नौकरियां जुड़ीं, जबकि सोशल असिस्टेंस में 42 हजार पद बढ़े। कंस्ट्रक्शन सेक्टर में 33 हजार और प्रोफेशनल एवं बिजनेस सर्विसेज में 34 हजार नौकरियां बढ़ीं।

बेरोजगारी दर घटकर 4.3 फीसदी पर

सोशल मीडिया पर चर्चा

लाइव शो में जैस्मिन ने रोका गाना, बोलीं

लड़कियां सेफ नहीं तो नहीं करूंगी परफॉर्म

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली में हुए एक लाइव कॉन्सर्ट के दौरान सिंगर जैस्मिन सैंडलस ने महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बड़ा कदम उठाया। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित शो में जैस्मिन ने बीच परफॉर्मेंस में गाना रोक दिया, जब उन्हें भीड़ में कुछ पुरुषों द्वारा लड़कियों को परेशान करते देखा। वायरल वीडियो में दिखता है कि जैस्मिन गाना गाते-गाते अचानक रुक जाती हैं और सिक्योरिटी टीम को संबोधित करते हुए कहती हैं, 'सिक्योरिटी, प्लीज इन दो लड़कों को बाहर निकालिए। ये लड़कियों को परेशान कर रहे हैं।' इसके बाद उन्होंने पंजाबी में दर्शकों से कहा, 'मैं तब तक परफॉर्म नहीं करूंगी, जब तक लड़कियां मेरे कॉन्सर्ट में सेफ महसूस नहीं करतीं।' जैस्मिन ने साफ शब्दों में कहा कि वह स्टेज पर तब तक इंतजार करेंगी, जब तक स्थिति सामान्य नहीं हो जाती। उनके इस रुख पर दर्शकों ने जोरदार तालियों और चीयर के साथ समर्थन जताया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। कई यूजर्स ने महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे पर खुलकर आवाज उठाने के लिए जैस्मिन की सराहना की। एक यूजर ने लिखा, 'सच्ची शेरनी, महिला सशक्तिकरण।' वहीं दूसरे ने कहा, 'आपके लिए बहुत इज्जत है।' कई लोगों ने उन्हें 'क्वीन' बताया।

तकनीक

गूगल ने अपने कर्मचारियों को दिया साफ संदेश

एआई संग 'ऑल इन' या चुनें वॉलंटरी एग्जिट प्लान

न्यूयॉर्क सिटी, जेएनएन। दुनिया की दिग्गज टेक कंपनी गूगल ने अपने कर्मचारियों के लिए एक और वॉलंटरी एग्जिट प्लान की घोषणा की है। इस बार यह योजना कंपनी के ग्लोबल बिजनेस ऑर्गेनाइजेशन से जुड़े कर्मचारियों के लिए लाई गई है। कंपनी का यह कदम उसके 'एआई फर्स्ट' भविष्य की रणनीति के अनुरूप माना जा रहा है। गूगल के चीफ बिजनेस ऑफिसर फिलिप शेन्डलर ने आंतरिक मेमो में कर्मचारियों से कहा कि कंपनी ने 2025 मजबूत स्थिति में खत्म किया, लेकिन मौजूदा टेक्नोलॉजी परिदृश्य बेहद तेज और प्रतिस्पर्धी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने लिखा, 'हम साल की शुरुआत मजबूत स्थिति में कर रहे हैं, लेकिन खेल लगातार बदल रहा है, रफ्तार बेहद तेज है और दांव ऊंचे हैं।' उन्होंने स्पष्ट किया कि बिजनेस यूनिट का हर सदस्य एआई को अपनाने और उसके जरिए ज्यादा प्रभाव डालने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध होना चाहिए। जो कर्मचारी खुद को इस बदलाव के साथ तालमेल में नहीं पा रहे हैं या इस रफ्तार का आनंद नहीं ले रहे हैं, उनके लिए कंपनी से अलग होने का विकल्प खुला है। शिंडलर ने मेमो में कहा कि सभी जीबीओ फंक्शन कंपनी की दीर्घकालिक रणनीति के लिए महत्वपूर्ण हैं, लेकिन कुछ भूमिकाओं को वीईपी से बाहर रखा गया है ताकि ग्राहकों के साथ न्यूनतम व्यवधान हो। गूगल की चीफ पीपल ऑफिसर फियोना सिसोनी ने अगस्त 2025 में कहा था कि वीईपी कार्यक्रम 'काफी सफल' रहा है। हाल ही में एक टाउनहॉल मीटिंग में उन्होंने बताया कि इस साल मार्केटिंग, सर्च, पीपल ऑपरेशंस और हार्डवेयर जैसे अहम विभागों के लगभग 5 फीसदी कर्मचारियों ने इस विकल्प को चुना है।

इन टीमों पर असर

यह वॉलंटरी एग्जिट प्लान सॉल्यूशंस टीम, सेल्स, कॉर्पोरेट डेवलपमेंट और अन्य संबंधित विभागों के कर्मचारियों पर लागू होगा। हालांकि, अमेरिका में बड़े ग्राहक सेल्स टीम और ग्राहक-सामना करने वाली कुछ प्रमुख भूमिकाएं इस योजना के दायरे से बाहर रखी गई हैं, ताकि ग्राहकों पर किसी प्रकार का असर न पड़े।

एक साल में तीसरी बार वीईपी

यह पिछले एक साल में गूगल का तीसरा वॉलंटरी एग्जिट प्लान है। जून 2025 में कंपनी ने अमेरिका में 'रिटर्न-टू-ऑफिस' नीति को सख्ती से लागू करते हुए कर्मचारियों को बायआउट ऑफर किया था। इसके बाद अक्टूबर 2025 में यूट्यूब कर्मचारियों को भी पुनर्गठन के दौरान एग्जिट पैकेज दिए गए थे।

अविमुक्तेश्वरानंद के शिविर में बाल शोषण के आरोप

प्रयागराज, जेएनएन। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के शिविर और गुरुकुल पर बच्चों के यौन शोषण के आरोप लगाए गए हैं। यह आरोप जगद्गुरु रामभद्राचार्य के शिष्य आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज ने लगाए हैं। आशुतोष ने 8 फरवरी को प्रयागराज की स्पेशल पॉक्सो कोर्ट में याचिका दायर कर कहा कि गुरुकुल की आड़ में बाल उत्पीड़न किया जा रहा है। उन्होंने अपने आरोपों की पुष्टि के लिए दो बच्चों को भी कोर्ट में पेश किया। याचिका में कहा गया है कि अविमुक्तेश्वरानंद अवैध गतिविधियों में शामिल हैं और उनके पास आय से अधिक संपत्ति है, जिसकी निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। कोर्ट के नोटिस के बाद अविमुक्तेश्वरानंद के वकील ने 10 फरवरी तक जवाब दाखिल किया है, जिसमें आशुतोष महाराज पर ही आरोप लगाए गए हैं। अब 20 फरवरी को दोनों पक्षों के वकील अदालत में उपस्थित होंगे।

जागरण क्लासीफाइड
डबल धमाका
हमारा वादा, कम में ज्यादा
एक के साथ एक फ्री स्कीम
रंगीन क्लासीफाइड के साथ
भोपाल संस्करण ₹300/- संपूर्ण म.प्र. संस्करण ₹500/-
विज्ञापन बुकिंग हेतु संपर्क करें 9826065324
₹50/-

VIDYASAGAR INSTITUTE OF MANAGEMENT
Approved by AICTE, New Delhi & Affiliated to Barkatullah University, Bhopal
VIM invite applications from eligible candidates for faculty recruitment for MBA course under Barkatullah University's College Code-28 for the following positions:
Professor - 1 (MBA)
Qualification, Experience & Salary as per norms. Interested candidates may apply with their CV, testimonials and a colour passport-size photograph addressed to: The Chairman, Vidyasagar Institute of Management, Awadhpuri, Bhopal - 462022 within 10 days via Speed Post or Email: vimbhopal97@gmail.com

FOR SALE
AVAILABLE FOR SALE REPO VEHICLE MARUTI ERTIGA VXI 2024 R.C. NO - MP-04-ZW-7150 ENGINE NO - K15CN7406575 CHASSIS NO - MA3BNC72SRC779967 CONTACT SUNDARAM FINANCE LTD BHOPAL MOB :- 9109107073
(12-2)

वर्गीकृत

अण्डा
BHOPAL EGG RATE 485/-
Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

बेचना
न्यू मार्केट की प्राइम लोकेशन पर सी.व्ही.डी. प्रोजेक्ट (गेमन इंडिया) में नव निर्मित 3 BHK फ्लेट, 1540 sqft सुपर बिल्टअप एरिया, टावर A, 9th फ्लोर पर, स्वयं की पार्किंग, तुरंत बेचना वास्तविक खरीददार ही सम्पर्क करें : 9131839589 (13-2)

सलाह
पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

बच्चों को चाइल्ड, साइबर फ्रॉड हेल्पलाइन के बारे में बताया

जागरण, धार। सादलपुर में स्कूल के बच्चों को चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, महिला हेल्पलाइन नंबर 1090 की जानकारी दी। साथ ही साइबर फ्रॉड की शिकायत के लिए 1930 और आपातकालीन सहायता के लिए डायल 112 के सही उपयोग के बारे बताया। बुधवार को पुलिस अधिकारियों ने बच्चों और महिलाओं से अपील की कि किसी भी परेशानी, अपराध या संदेह की स्थिति में बिना किसी झिझक के इन हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क करें।

बीटीआर में 17 वाहन चालकों और गाइड को नोटिस

जागरण, उमरिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के खितौली जोन में सफारी के दौरान नियम उल्लंघन पर 17 वाहन चालकों और गाइडों को नोटिस जारी किया गया। पर्यटकों को वाहन से उतरकर मोबाइल उपयोग और तेज रफ्तार वाहन चलाने के मामले सामने आए। प्रबंधन ने सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। कार्रवाई तब हुई जब सफारी के दौरान पर्यटकों को वाहन से नीचे उतरकर मोबाइल फोन का उपयोग करते देखा गया।

"ट्वीट ऑफ द डे"

सुनील गावस्कर
पूर्व क्रिकेटर

यदि पाकिस्तान वास्तव में बांग्लादेश के साथ खड़ा होना चाहता था, तो उसे पूरे टूर्नामेंट से हट जाना चाहिए था। यह कहना कि आपने बांग्लादेश को उनका हिस्सा दिला दिया, हो सकता है कि ठीक हो, लेकिन क्या आप उन्हें टूर्नामेंट में वापस लेकर आए? नहीं। अगर आप सच में बांग्लादेश के साथ खड़े थे, तो आपको भी पूरे टूर्नामेंट से बाहर होना चाहिए था। आप सिर्फ भारत के खिलाफ मैच ही क्यों छोड़ रहे हैं?

दिन में धूप, रात में गुलाबी सर्दी, कोहरा गायब, 13 के बाद सर्दी की वापसी

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में फरवरी के दूसरे सप्ताह में ही तापमान में इजाफा होने लगा है। राजधानी भोपाल समेत कई शहरों में बुधवार को अधिकतम तापमान 30 डिग्री के पार चला गया। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक, अगले दो दिनों में पारा एक से दो डिग्री और चढ़ेगा। आमतौर पर प्रदेश में फरवरी के चौथे सप्ताह में इस तरह का बदलाव देखा जाता है, लेकिन इस बार दूसरे सप्ताह से ही मौसम में परिवर्तन हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में अगले दो दिनों तक न तो कोहरा होगा और न ही तेज हवाएं चलेंगी। इस दौरान सूरज की किरणों की तीव्रता बढ़ने

से तापमान में बढ़ोतरी हो सकती है। ऐसे में दिन में धूप जहां परेशानी का कारण बन सकती है, वहीं रात को गुलाबी ठंड का माहौल रहेगा।

पचमढ़ी-शहडोल में ठिठुरन, नर्मदापुरम में पारा 33 पार

प्रदेश में इस समय मौसम के दो रंग देखने को मिल रहे हैं। पिछले 24 घंटों में जहां शहडोल के कल्याणपुर में कड़ाके की ठंड देखने को मिली, वहीं नर्मदापुरम, खंडवा, खरगोन, धार और भोपाल के बैरसिया में दिन का तापमान सामान्य से लगभग 3 डिग्री अधिक रहा। प्रदेश में सर्वाधिक तापमान 33.0 डिग्री नर्मदापुरम में दर्ज हुआ, वहीं न्यूनतम तापमान केवल 4.3 डिग्री शहडोल के कल्याणपुर में रहा। इसके अलावा खंडवा में 32.1, खरगोन में 32.0, धार में 31.3 और बैरसिया-भोपाल में 31.1 डिग्री मैक्सिमम टेम्परेचर रहा। मौसम विभाग के मुताबिक, भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर, चंबल, रीवा और सागर संभागों में दिन का पारा सामान्य से 2.5 डिग्री तक अधिक चला गया।

दो दिन बाद फिर लौटेगी सर्दी

मौसम विभाग के अनुसार, आगामी 13 तारीख तक दिन और रात के तापमान चढ़ने के बाद इसमें गिरावट का दौर आएगा। मौसम विज्ञान केंद्र, भोपाल के अनुसार प्रदेश के उत्तरी इलाकों में अगले दो से तीन दिनों के भीतर एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा, जिसके बाद प्रदेश में फिर से सर्दी का दौर लौटेगा। इस दौरान हिमालय से आने वाली ठंडी हवाओं से प्रदेश के कुछ अंचलों में हल्की बूंदाबांदी के साथ कोहरा लोगों के लिए परेशानी का कारण बन सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिनों तक प्रदेश में वातावरण शुष्क रहेगा और कहीं भी बूंदाबांदी या बारिश के आसार नहीं हैं।

महादेव मेले के यात्रियों से 104 की जगह वसूल रहे 300 रुपए किराया

जागरण, छिंदवाड़ा। प्रदेश के छिंदवाड़ा बस स्टैंड से महादेव मेले जाने वाले श्रद्धालुओं से बस संचालक मनमाना किराया वसूल रहे हैं। इस मार्ग का निर्धारित किराया 104 रुपए है, लेकिन यात्रियों से 200, 250 और 300 रुपए तक लिए जा रहे हैं। अधिक किराया वसूली की लगातार शिकायतों के बावजूद आरटीओ का उड़नदस्ता नदारद है। बसों को रोककर जांच तक नहीं हो रही है। ऐसे में यात्रियों को मजबूरी में तय राशि से दोगुना से भी अधिक किराया चुकाना पड़ रहा है। यात्रियों का आरोप है कि बस स्टैंड पर किराया तय होने के बावजूद बसों में बैठते ही उनसे अधिक पैसे मांगे जाते हैं। जब यात्री इसका विरोध करते हैं, तो बस संचालक उन्हें बस से उतारने की धमकी देते हैं। मेले की भीड़ और अव्यवस्था के बीच लोग चुपचाप अधिक किराया देने को मजबूर हो जाते हैं। आरटीओ अमले ने कार्रवाई के नाम पर कुछ लोकल बसों को रोककर ओवरलोडिंग के चालान जरूर बनाए थे। लेकिन, अधिक किराया वसूली को लेकर कोई ठोस रोक नहीं लगाई जा सकी है।

छिंदवाड़ा में बस संचालकों की मनमानी आरटीओ उड़नदस्ता नदारद

नियम बदले, मंत्री-अफसरों को नहीं होगा चेक से पेमेंट

बिना अनुमति बैंक खाता खोलने वाले अफसरों पर होगी कार्रवाई

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश सरकार अब पाई-पाई का हिसाब डिजिटल तौर पर रखने की तैयारी में है। वित्त विभाग ने राज्य के वित्तीय नियमों में बड़े बदलाव करते हुए नई व्यवस्था लागू कर दी है। अब सरकार के मंत्रियों और अफसरों को मिलने वाले यात्रा भत्ते के लिए कागजी चेक जारी नहीं किए जाएंगे। उन्हें सारा भुगतान केवल ई-चेक के जरिए किया जाएगा, जो सीधे मंत्रियों और अफसरों के बैंक खातों में जमा होगा। पहले मंत्रियों और अफसरों को यात्रा भत्ते के लिए फॉर्म-23 भरकर देना होता था, जिसके बाद चेक जारी किया जाता था। इस व्यवस्था पर अब तत्काल प्रभाव से पाबंदी लगा दी गई है। वित्त विभाग के नए नियमों के मुताबिक, अब प्रदेश के पेंशनरों को भी दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने होंगे। पेंशन और ग्रेच्युटी का भुगतान अब ई-हस्ताक्षर के जरिए ऑनलाइन ही किया जाएगा।

वित्त विभाग की अनुमति बगैर नहीं खुलेगा खाता

सरकार ने विभागों द्वारा मनमर्जी से बैंक खाते खोलने पर भी नए नियमों में पूरी तरह पाबंदी लगा दी है। वित्त विभाग के नए सख्त निर्देशों के तहत कोई भी विभाग या आहरण संवितरण अधिकारी (डीडीओ) वित्त विभाग की अनुमति के बिना नया बैंक खाता नहीं खोल सकेगा। इसके लिए विभागीय स्तर पर ऑडिट होगा और इस दौरान यदि कोई बैंक एकाउंट बिना अनुमति के संचालित पाया गया, तो उसे तत्काल बंद कर दोषी अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी। इसके बाद दोषी अफसर पर अनुशासनात्मक कार्रवाई भी होगी। इसके अलावा स्थानीय निकायों या संस्थानों के खातों में जमा राशि का ब्याज विभाग को मिलेगा या नहीं, इसका निर्णय भी वित्त विभाग ही करेगा।

5 साल से बगैर ट्रांजेक्शन वाले खाते होंगे बंद

वित्त विभाग अब उन खातों की कुंडली भी खंगालेगा जिनमें पिछले 5 साल से लेनदेन नहीं हुआ है। वित्त विभाग समीक्षा कर ऐसे खातों को बंद करेगा। हालांकि, विभाग ने यह साफ कर दिया है कि जेल में बंद कैदियों के खाते और भूमि अधिग्रहण से जुड़े खाते इस नियम के बाहर रहेंगे। ऐसे बैंक एकाउंट बगैर ट्रांजेक्शन के 5 साल बाद भी बंद नहीं होंगे।

सिक्योरिटी डिपॉजिट के बदले नए दस्तावेज मान्य

प्रदेश सरकार में ठेके लेने वाली फर्मों के लिए सरकारी अनुबंधों और सिक्योरिटी डिपॉजिट के लिए अब सावधि जमा रसीद (एफडी), राष्ट्रीय बचत पत्र (एनएससी) और किसान विकास पत्र (केवीपी) को ही मान्यता दी जाएगी। इन दस्तावेजों के जरिए हेराफेरी न हो सके, इसके लिए कोषालय अधिकारी इन्हें मंजूर करने से पहले बारीकी से जांच करेंगे। इसके अलावा अब सरकारी खातों से चेक के जरिए पैसा निकालना लगभग नामुमकिन होगा। केवल विशेष परिस्थितियों में फिजिकल चेक का उपयोग आयुक्त कोष एवं लेखा से अनुमोदन के बाद ही हो सकेगा। इसके अलावा सभी विभागों के खातों के संचालन के लिए अधिकारियों को समय-समय पर पासवर्ड बदलना होगा एवं गोपनीयता बनाए रखनी होगी। इसके साथ ही हर विभाग के लिए वित्त वर्ष समाप्त होने के 15 दिनों के भीतर (15 अप्रैल तक) महालेखाकार (एजी) को खातों में बकाया राशि का प्रमाणपत्र देना भी अनिवार्य कर दिया गया है।

परिवीक्षा अवधि में कम वेतनमान के नियम को हाईकोर्ट में चुनौती

जबलपुर। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा व न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ ने परिवीक्षा अवधि में पहले वर्ष 70, दूसरे वर्ष 80 और तीसरे वर्ष 90 प्रतिशत वेतन देने के नियम को चुनौती के मामले में जवाब-तलब कर लिया है। इस सिलसिले में राज्य शासन सहित अन्य को नोटिस जारी किया गया है। जवाब पेश करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया गया है। अगली सुनवाई 20 अप्रैल को नियत की गई है। याचिकाकर्ता आनंद कुमार मिश्रा सहित अन्य की ओर से अधिवक्ता राहुल दिवाकर ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि समान कार्य के लिए समान वेतनमान मिलना चाहिए। मध्य प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग एवं जनजातीय कार्य विभाग के जो शिक्षक परिवीक्षा अवधि में हैं, उनकी नियुक्ति नियमित शिक्षकों की भांति हुई है। लिहाजा, परिवीक्षा अवधि में नियमित शिक्षकों की भांति शत-प्रतिशत वेतन न दिया जाना अनुचित है। 2019 में लागू की गई परिवीक्षा अवधि में वेतन कटौती संबंधी व्यवस्था असंवैधानिक होने के कारण निरस्त करने योग्य है।

बाघों की मौत पर हाईकोर्ट सख्त फील्ड डायरेक्टर से मांगी रिपोट

जागरण, जबलपुर। हाईकोर्ट में बुधवार को प्रदेश के टाइगर रिजर्व में बाघों की मौत के मामले में में सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता की ओर से आरोप लगाया गया कि बाघों की मौत का सबसे बड़ा कारण अवैध शिकार है और इसे लेकर अधिकारी गंभीर नहीं हैं। एक अखबार की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा गया कि केवल जनवरी 2026 में ही बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में 9 बाघों की मौत हुई है। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ ने इस संबंध में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर को विस्तृत रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिये हैं। हाईकोर्ट में भोपाल के वन्य प्राणी कार्यकर्ता अजय दुबे की ओर से यह जनहित याचिका दायर की गई है। इसमें दावा किया गया है कि वर्ष 2025 में प्रदेश में 54 बाघों की मौत हुई है। आवेदक की ओर से कहा गया कि पूरी दुनिया में कुल 5,421 बाघ हैं, जिनमें से 3,167 भारत में पाए जाते हैं। मध्यप्रदेश में ही 785 टाइगर मौजूद हैं। इस कारण मप्र को टाइगर स्टेट का दर्जा प्राप्त है। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि वर्ष 2025 के दौरान प्रदेश में 54 बाघों की मौत हुई है। दलील दी गई कि वर्ष 1973 में शुरू हुए प्रोजेक्ट टाइगर के बाद यह पहला मौका है जब किसी एक राज्य में एक ही वर्ष में इतने अधिक बाघों की मौतें हुई हैं। मौतों के पीछे पोचिंग, करंट, रेल हादसे और रहस्यमयी घटनाएं शामिल हैं। आवेदक का कहना है कि प्रदेश में पिछले पांच सालों में कुल 222 बाघों की मौत दर्ज की गई है। हर साल मौत का आंकड़ा बढ़ गया है। वर्ष 2021 में 34 मौतें, 2022 में 43, 2023 में 45, 2024 में 46 और 2025 में 54 मौतें हुई हैं। केवल बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में ही लगभग 57 प्रतिशत मौतें अप्राकृतिक बताई गई हैं। ये मौतें शिकार, करंट लगने और संदिग्ध परिस्थितियों में हुई थीं। हाल ही में उमरिया जिले के चंदिया रेंज में बिजली लाइन के पास टाइगर का शव मिलने से इलेक्ट्रोक्यूशन की आशंका जताई गई है। मामले को गंभीरता से लेते हुए न्यायालय ने उक्त निर्देश दिये।

बाघों की मौत का सबसे बड़ा कारण अवैध शिकार

सिविल जज भर्ती प्रकिया जारी रखने के निर्देश

जागरण, जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने पूर्व में जारी उस अंतरिम आदेश को वापस ले लिया है जिसमें सिविल जज भर्ती को याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन कर दिया गया था।अभ्यर्थियों को मिले अंक भी सार्वजनिक नहीं किए गए थे। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ ने सिविल जज भर्ती 2022 की प्रक्रिया को जारी रखने के निर्देश दिये है। न्यायालय को बताया गया कि उम्मीदवारों के अंक भी सार्वजनिक कर दिए गए हैं। मप्र हाईकोर्ट ने एससी-एसटी वर्ग के उम्मीदवारों के लिए निरूशुल्क कोचिंग भी शुरू कर दी गई है। एडवोकेट यूनियन फार डेमोक्रेसी एंड सोशल जस्टिस नामक संस्था की ओर से दायर जनहित याचिका में मध्य प्रदेश उच्च न्यायलय जबलपुर द्वारा सिविल जज की भर्ती परीक्षा 2022 में भर्ती नियम 1994 में किए गए संशोधन को चुनौती दी गई थी। जिसमें सिविल जज भर्ती परीक्षा 2022 की नियुक्तियों में हुई अनियमित्ताओं, शत-प्रतिशत आरक्षण लागू करने सहित अनारक्षित वर्ग में योग्यता के आधार पर आरक्षित वर्ग के अभ्यार्थियों को शामिल नहीं किए जाने को कटघरे में रखा गया था। वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर व पुष्पेंद्र कुमार शाह ने बताया कि याचिका में कहा गया है कि 199 पद विज्ञापित किए गए थे, जिनमें से अनारक्षित वर्ग के कुल 48 पद में 17 बैकलाग, अनुसूचित जाति के कुल 18 पद में 11 बैकलाग, अनुसूचित जनजाति के 121 पद में 109 बैकलाग व ओबीसी के कुल 10 पद में एक बैकलाग के निकाले गए थे।

पूर्व का अंतरिम आदेश हाईकोर्ट ने लिया वापस

रिटायर्ड फौजी ने गेट खोलते ही कारोबारी को मारी गोली

मुरैना का मामला, घायल को दिल्ली भेजा

जागरण, मुरैना। जिले में बुधवार सुबह रिटायर्ड फौजी ने सीमेंट व्यापारी को गोली मार दी। गोली व्यापारी की पसलियों को चीरती हुई पेट में जाकर फंस गई है। कारोबारी को गंभीर हालत में ग्वालियर सिम्स से दिल्ली रेफर किया गया है। आईसीयू में भर्ती है। मामला स्टेशन रोड थाने का है। जानकारी के मुताबिक, आरोपी ने सुबह व्यापारी के घर का दरवाजा खटखटाया, उसने व्यापारी को नाम से पुकारा। जैसे ही व्यापारी ने दरवाजा खोला रिटायर्ड फौजी ने गोली चला दी। घायल व्यापारी का नाम कृष्णकांत शुक्ला है, जो टीचर कॉलोनी रामनगर का रहने वाला है। घायल कृष्णकांत के भाई दीपू शुक्ला ने बताया कि गांव के ही रहने वाले हरेंद्र शुक्ला पुत्र रामनिवास शुक्ला निवासी सिरमिती गांव से पुरानी दुश्मनी चली आ रही है। सुबह करीब साढ़े 5 बजे हमारे मुरैना निवास पर वारदात हुई है। रिटायर्ड फौजी हरेंद्र शुक्ला ने पिस्टल से गोली चलाई है। घायल की पत्नी रजनी शुक्ला ने बताया कि पति सीमेंट का व्यवसाय करते हैं। सिरमिती गांव में ही सीमेंट की दुकान है। वह हर रोज मुरैना घर से गांव व्यवसाय के लिए जाते हैं। गोली मारने वाला पता नहीं कौन था, लेकिन देखूंगी तो पहचान लूंगी। वहीं घायल के चाचा शिवचरण शुक्ला ने बताया कि आरोपी रिटायर्ड फौजी हरेंद्र शुक्ला से उनका पुराना जमीन का झगड़ा है। झगड़ा दो पीढ़ी पुराना है। आरोपी के परिवार ने 15 बीघा जमीन पर कब्जा कर लिया था।

2030 तक 32 लाख ग्रीन-स्किल्ड वर्कर्स की जरूरत

कोर स्किल्स में 45 प्रति. बदलाव का अनुमान, 69प्रति. एमएसएमई को कुशल कर्मचारियों की कमी

मुंबई, जेएनएन। एक रिपोर्ट के अनुसार 2030 तक लगभग 45 प्रतिशत मुख्य कौशल (कोर स्किल्स) में बदलाव होने का अनुमान है और तब तक भारत को 32 लाख अतिरिक्त ग्रीन-स्किल्ड कर्मचारियों की आवश्यकता होगी। केपीएमजी इन इंडिया और भारतीय उद्योग परिसंघ की रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्तमान में एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) क्षेत्र में प्रतिभा परिदृश्य बिखरे हुए कौशल स्तर, सीमित औपचारिक प्रशिक्षण और डिजिटल तैयारियों के अलग-अलग स्तरों से प्रभावित है। रिपोर्ट के मुताबिक, एमएसएमई कार्यबल में केवल लगभग 10 प्रतिशत लोगों ने औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त किया है, जबकि करीब 69 प्रतिशत एमएसएमई को कुशल प्रतिभा जुटाने में कठिनाई होती है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत के एमएसएमई डिजिटल रूप से दक्ष, एआई-सक्षम और ग्रीन-रेडी

प्रतिभा विकसित कर अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रख सकते हैं। भारत का एमएसएमई क्षेत्र 32.84 करोड़ लोगों को रोजगार देता है और जीडीपी में 30.1 प्रतिशत योगदान करता है। यह क्षेत्र एक निर्णायक मोड़ पर है, जहां प्रतिभा ही दीर्घकालिक मजबूती और विकास तय करेगी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि एमएसएमई का प्रत्येक कर्मचारी, बड़े उद्यम के कर्मचारी की तुलना में 14 प्रतिशत उत्पादकता देता है, जो इस क्षेत्र में विकास की बड़ी संभावनाओं को दर्शाता है। एमएसएमई कार्य का भविष्य 'ट्विन ट्रांजिशन' (डिजिटल और ग्रीन बदलाव) और एआई अपनाने से प्रभावित होगा, जिससे काम मैनुअल कार्यों से मानव-मशीन सहयोग की ओर बढ़ेगा। रिपोर्ट में छह रणनीतिक प्राथमिकताओं का उल्लेख किया गया है, जिनमें एआई-तैयार कार्यबल का निर्माण, डिजिटल उपकरणों के अनुरूप अप्रेंटिसशिप, स्किल-फर्स्ट भर्ती, ओएनडीसी आधारित डिजिटल बाजार पहुंच, क्लस्टर-आधारित कौशल इकोसिस्टम और समावेशी प्रतिभा प्रथाएं शामिल हैं। केपीएमजी इन इंडिया में पार्टनर और हेड, ह्यूमन कैपिटल एडवाइजरी, सुनीत सिन्हा ने कहा, एआई एमएसएमई के काम करने के तरीके को बदलेगा, लेकिन कौशल यह तय करेगा कि यह अवसर बनेगा या जोखिम। यह दोहरा बदलाव एक डिजिटल रूप से दक्ष और सतत विकास के प्रति जागरूक कार्यबल की मांग करता है, जो तेज गति से नवाचार करने तैयार हों।

एक हफ्ते में 1 करोड़ 33 लाख की अवैध शराब व वाहन जब्त

मिठाई के डिब्बों के नीचे मिली 50 लाख की शराब

मुख्य संवाददाता, भोपाल। पुलिस ने बीते 7 दिनों में प्रदेश के अलग-अलग जिलों में तस्करों के खिलाफ कार्रवाई कर 1 करोड़ 33 लाख रुपए से अधिक मूल्य की अवैध देशी-विदेशी मदिरा के साथ शराब तस्करी में उपयोग किए जा रहे वाहन जब्त किए हैं। झाबुआ में तस्करों के खिलाफ पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत 293 पेटी अंग्रेजी शराब से भरा एक ट्रक पकड़ा। इसमें भरी शराब और ट्रक की कुल कीमत 55 लाख 40 हजार रुपए है। मुरैना की बानमोर पुलिस ने कार सवार 2 तस्करों को हिरासत में लेकर 35 पेटी शराब बरामद की। पुलिस के मुताबिक इस कार्रवाई में 9 लाख 60 हजार की अवैध शराब और कार जब्त की गई है। नरसिंहपुर पुलिस ने मंगलवार देर रात एक ट्रक को पकड़ा जिसमें ऊपर मिठाई के खाली डिब्बे सजे थे, लेकिन नीचे बने गुप्त बंकर में अवैध शराब की स्मगलिंग हो रही थी। पुलिस ने सूचना के आधार पर महाराष्ट्र के नंबर वाले एक आयशर ट्रक को लखनादौन मार्ग पर रोका तो तस्करी के इस खेल का खुलासा हो गया। ट्रक में मिठाई के खाली डिब्बे भरे हुए थे। लेकिन पुलिस ने जब गहराई

से पड़ताल की तो ट्रक के फर्श के नीचे बना एक गुप्त बंकर दिखाई दिया, जिसमें 286 पेटी कीमती अंग्रेजी शराब इम्पीरियल ब्लू भरी हुई थी। पुलिस ने इस रेड में दो तस्करों को हिरासत में लेकर अवैध सराब और ट्रक जब्त किया है जिसकी कीमत लगभग 50 लाख रुपए बताई जा रही है। अशोकनगर पुलिस ने कच्ची शराब की एक फैक्ट्री पर छापा मारा। पुलिस ने यहां से 500 लीटर कच्ची शराब के साथ मदिरा तैयार करने वाले उपकरण जब्त किए हैं, जिनकी कीमत 8 लाख 83 हजार रुपए है। पुलिस ने फैक्ट्री को जमींदोज कर आरोपियों को हिरासत में ले लिया है।

वैलेंटाइन डे दिल जीतने का असली तरीका गुलाब नहीं, बल्कि प्लान की गई ट्रिप बुक करना है

86 फीसदी भारतीय महिलाएं चाहती हैं सरप्राइज वेकेशन

नई दिल्ली, जेएनएन। इस वैलेंटाइन डे प्यार की माप अब गुलाब या रेस्टोरेंट रिजर्वेशन से नहीं, बल्कि कन्फर्मेशन ईमेल से हो रही है। बुकिंग डोट कॉम की नई रिसर्च थिस गॉय बुक्स के अनुसार, ट्रैवल अब आधिकारिक तौर पर सबसे बड़ी लव लैंग्वेज बन चुका है। अगर आप अब भी चॉकलेट और सरप्राइज गेटअवे के बीच उलझे हैं, तो जवाब साफ है कि 86 फीसदी भारतीय यात्रियो का कहना है कि उन्हें यह आकर्षक लगता है जब उनका पार्टनर पहल कर पूरी तरह प्लान की गई ट्रिप बुक करता है।

वैलेंटाइन डे 2026-फूलों से ज्यादा बोर्डिंग पासः जैसे-जैसे वैलेंटाइन डे करीब आ रहा है, डायमंड और डिनर पीछे छूट रहे हैं और बोर्डिंग पास आगे निकल रहे हैं। स्टडी के मुताबिक, हर पांच में से चार भारतीय महिलाएं पारंपरिक गिफ्ट की बजाय सरप्राइज वेकेशन पसंद करेंगी।

2026 में असली आकर्षण सिर्फ फिट बॉडी नहीं, बल्कि पहल करना है

92% महिलाएं मानती हैं कि जब पार्टनर ट्रिप प्लान और बुक करता है, तो वह ज्यादा आकर्षक लगता है।

82% महिलाएं अच्छे फिजीक वाले व्यक्ति की बजाय सोच-समझकर योजना बनाने वाले पार्टनर को चुनेंगी।

संदेश साफ है-अब रोमांस एक मजबूत इटिनरेरी के साथ आता है।

इनिशिएटिव गैप है हकीकत

जहां बॉलीवुड ने हमें भव्य रोमांटिक इशारों की उम्मीद करना सिखाया है, वहीं आंकड़े कुछ और कहानी कहते हैं। 76 फीसदी भारतीय महिलाओंका मानना है कि छुट्टियों की योजना बनाने में पुरुषों को आगे आना चाहिए। लेकिन 8 फीसदी महिलाओं ने कहा कि उनके किसी भी रोमांटिक पार्टनर ने कभी पूरी ट्रिप खुद प्लान या बुक नहीं की। इस वैलेंटाइन डे, 91 फीसदी महिलाएं ज्यादा पहल की मांग कर रही हैं और इसकी शुरुआत ट्रैवल से हो सकती है।

सरप्राइज गेटअवे का 'हैप्पीनेस आरओआई'

अगर आप सोच रहे हैं कि इतनी मेहनत का फायदा क्या है, तो आंकड़े कहते हैं- फायदा बहुत बड़ा है।

जब पार्टनर खुद बुकिंग संभालता है, तो महिलाएं महसूस करती हैं-

प्यार **74%**
उत्साह **72%**
गहरी कृतज्ञता **51%**

इसके अलावा 95 फीसदी महिलाएं कहती हैं कि अगर उनके पार्टनर कभी-कभार पूरी बुकिंग प्रक्रिया खुद संभालें, तो वे ज्यादा खुश होंगी। 99 फीसदी महिलाओं ने माना कि बिना कहे ट्रिप बुक करने पर वे अपने पार्टनर को अतिरिक्त स्नेह देंगी। इसे ही कहते हैं कि हाई रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट।

रोमांटिक फायदे के बावजूद, झिझक बनी हुई है

22%	20%	45%	35%
को नहीं पता कि शुरुआत कहां से करें।	को डर है कि वे इटिनरेरी बिगाड़ देंगे।	ने पहल नहीं की क्योंकि आमतौर पर उनका पार्टनर ही प्लानिंग करता है।	लोग पूरी ट्रिप प्लान करने की बजाय अकेले ही हॉलिडे शॉपिंग करना

युकां के प्रदेश सचिव को सशर्त जमानत

जबलपुर। अपर सत्र न्यायाधीश महिमा कुशवाहा की अदालत ने दुष्कर्म के आरोपित युवक कांग्रेस के प्रदेश सचिव ऋषभ मिश्रा को कोर्ट की अनुमति के बिना देश न छोड़ने की शर्त पर जमानत का लाभ दे दिया है। शादीशुदा महिला की शिकायत पर पुलिस ने दुष्कर्म का प्रकरण दर्ज कर लिया था। शिकायतकर्ता के अनुसार शादी का प्रलोभन देकर विगत तीन सालों से दैहिक शोषण किया जा रहा था। वह शिकायतकर्ता व उसकी पुत्री को विगत 29 दिसम्बर को गोवा लेकर गया था और होटल में उसके साथ संबंध बनाए थे। आवेदक की ओर से तर्क दिया गया कि शिकायतकर्ता शादीशुदा महिला है और दोनों के बीच आपसी सहमति से संबंध स्थापित हुए थे। महिला का पहले पति से तलाक नहीं हुआ था। ऐसी स्थिति में महिला से विवाह नहीं कर सकता। उसके द्वारा शिकायतकर्ता को चार लाख रुपये दिए गए थे।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या. :** 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।